भोपाल
रविवार, 15 मार्च 2026
चैत्र मास कृष्ण पक्ष-12
वर्ष : 12, अंक : 342
पृष्ठ : 14 मूल्य : 4.00 **

मौसम
अधि. 36
न्यून. 22

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ट्रैक्टर चलाते हुए

राज्य में दुग्ध उत्पादन का लक्ष्य 9 से बढ़ाकर 20 प्रतिशत किया गया

मुख्यमंत्री ने कहा कि दूध-दही के कारण हजारों साल से भारत की पहचान है। राज्य सरकार ने प्रदेश में दूध का उत्पादन 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा गया है। बच्चों को हृष्ट-पुष्ट बनाने के लिए माता यशोदा योजना में स्कूलों में बच्चों को निःशुल्क दूध के पैकेट बांटे जाएंगे। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में अब ड्रॉपआउट 6 प्रतिशत से शून्य पर आ गया है।

लोकतंत्र का फर्ज सीखने की आवश्यकता

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जब देश की सीमाओं पर दुनिया के संकट की आहट होती है तो स्व. अटल बिहारी वाजपेयी से लोकतंत्र का फर्ज सीखने की जरूरत है। वर्तमान परिस्थितियों में खाड़ी के देशों में जारी संकट के बीच नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बयान शर्मनाक हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर बार की तरह अपने उत्तरदायित्वों का शेष पेज 6 पर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कटनी को दी कई सौगातें, बरही में 'कृषि महोत्सव' में हुए शामिल

कटनी में मेडिकल कॉलेज खुलेगा व खेल स्टेडियम बनेगा

- बरही में बनेगा बालीबॉल का इंडोर स्टेडियम
- किसानों को सिंचाई के लिए दिन में भी प्रदाय की जाएगी बिजली

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कटनी जिले के बरही में किसान सम्मेलन में शामिल हुए। उन्होंने कटनी जिले को कई सौगातें दीं। उन्होंने जल्दी ही कटनी में मेडिकल कॉलेज खोलने व युवाओं के लिए खेल स्टेडियम, बरही में बालीबॉल का इंडोर स्टेडियम बनाने की भी घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कृषि कल्याण वर्ष में कटनी को 1000 करोड़ रुपए की सौगात दी। विजयराघवगढ़ में विशेष तौर पर 243 करोड़ लागत के शेष पेज 6 पर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कई परियोजनाओं का लोकार्पण किया

किसानों की समृद्धि के लिए सरकार सिंचाई के लिए पर्याप्त जल देगी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों की समृद्धि के लिए राज्य सरकार सिंचाई के लिए पर्याप्त जल, बिजली और जरूरी सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। प्रदेश में 2004 से अब तक गेहूं का मूल्य 2000 रुपए प्रति क्विंटल से अधिक बढ़ाया है। किसानों को बोनस का लाभ देकर इस वर्ष 2625 रुपए प्रति क्विंटल गेहूं खरीदा जा रहा है। प्रदेश में पिछले 2 वर्ष में सिंचाई का रकबा बढ़ाकर 55 लाख हेक्टेयर हो गया है, जिसे आगामी वर्षों में 100 लाख हेक्टेयर करने का लक्ष्य शेष पेज 6 पर

पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बताया

बड़ी खुशखबर : 'शिवालिक और 'नंदा' नाम के एलपीजी टैंकर होर्मुज पास को पार कर चुके

92,700 मीट्रिक टन गैस का बड़ा शिपमेंट भारत आ रहा, दूर होगा एलपीजी का संकट

इतनी बड़ी मात्रा में गैस की आवक से घरेलू बाजार में ऊर्जा की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित होगी और औद्योगिक व घरेलू मांग को सुचारू रूप से पूरा किया जा सकेगा

सुजाता शर्मा

- *ये वाणिज्यिक जहाज पश्चिमी तट पर स्थित प्रमुख बंदरगाहों- मुंद्रा पोर्ट और कांडला पोर्ट पर एंकर करेंगे*
- *शेड्यूलिंग के अनुसार ये शिपमेंट 16 और 17 मार्च को भारत पहुंच जाएंगे*

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच देश में रसोई गैस की आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में सरकार सक्रिय है। भारत की राष्ट्रीय ऊर्जा सुरक्षा और मैरीटाइम लॉजिस्टिक्स के मोर्चे पर महत्वपूर्ण गतिविधियां दर्ज की गई हैं। एक तरफ जहां भारी मात्रा में एलपीजी गैस लेकर विशाल टैंकर भारतीय बंदरगाहों की शेष पेज 6 पर

सरकार ने बताया कालाबाजारी के खिलाफ देशभर में अभियान

अब कमर्शियल सिलेंडरों का भी होगा वितरण, रोक हटाई

शिवालिक
नंदा

सीएम ने कहा-कालाबाजारी की तो छोड़ेंगे नहीं

11 एलपीजी बॉटलिंग प्लांटों में पर्याप्त स्टॉक

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की भ्रामक सूचनाओं का शिकार न हों। उन्होंने स्पष्ट किया है कि प्रदेश में ईंधन की कोई कमी नहीं है। होम डिलीवरी पूरी तरह से सुचारू है। प्रदेश के 11 एपीजी बॉटलिंग प्लांटों में पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। सीएम ने कहा कि तेल कंपनियां मांग के अनुसार निरंतर आपूर्ति कर रही हैं। कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। यदि कोई वितरक कालाबाजारी करता है या सिलेंडर देने में आनाकानी करता है, तो कंज्यूमर हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं। रविवार को भी सिलेंडर की होम डिलीवरी जारी रहेगी। सभी एजेंसियों से शेष पेज 6 पर

डॉ. मोहन यादव

एसीएस खाद्य ने की समीक्षा बैठक

निगरानी के लिए 6 कमेटियां गठित

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग की अपर मुख्य सचिव रश्मि अरूण शमी ने मप्र में पेट्रोल, डीजल, सीएनजी, पीएनजी तथा घरेलू एलपीजी गैस की उपलब्धता को लेकर ऑयल कंपनियों के नोडल अधिकारी व खाद्य विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने बताया कि राज्य स्तर पर 6 सदस्यीय कमेटियां गठित की गईं हैं। यह कमेटी प्रदेश में वाणिज्यिक और घरेलू गैस सिलेंडर की सुचारू आपूर्ति बनाए रखने के लिए निरंतर निगरानी करेंगी। ऑयल शेष पेज 6 पर

ट्रक शिवपुरी से कैलारस की ओर जा रहा था

ट्रक ने बकरी... फिर युवक को मारी टक्कर, 25 किमी घसीटा

6 बहनों का इकलौता भाई था युवक

हरिभूमि न्यूज ▸▸ मुरैना

यही ट्रक बना यमदूत

जिले में एक बेहद क्रूर और दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हुआ है। यहां शनिवार सुबह करीब 10 बजे पहाड़गढ़ थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार ट्रक (एमपी 31 एचए 1220) ने पहले एक बकरी को कुचल दिया, जब इस ट्रक को रोकने की कोशिश की गई ट्रक ने युवक सोनू रजक (25) को टक्कर मार दी। इस दौरान सोनू का पैर फंस गया और ट्रक ड्राइवर उसे करीब 25 किमी तक घसीटता रहा। इस दौरान सोनू का सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आईं और उसकी दर्दनाक मौत हो गई। ट्रक शिवपुरी से कैलारस की ओर जा रहा था। ट्रक शेष पेज 6 पर

मुरैना, भिंड, ग्वालियर, छिंदवाड़ा में होगी बारिश

नर्मदापुरम में दूसरे दिन भी लू, आज से गिरेगा 'पारा'

अगले 5 दिन में 3 से 4 डिग्री गिरेगा दिन और रात का तापमान

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

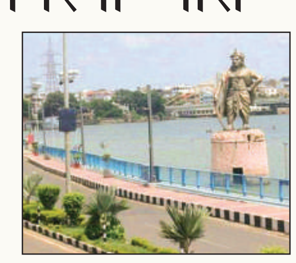
भोपाल के बड़े तालाब का दृश्य

पिछले एक हफ्ते से सूरज के तेवर तीखे बने हुए हैं। नर्मदापुरम में शनिवार को भी लू का असर बना रहा। यहां दिन का तापमान 40.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसी तरह मंडला में भी दिन का पारा 39 डिग्री पर पहुंच गया। हालांकि, रविवार को गर्मी से थोड़ी राहत मिल सकती है। प्रदेश के उत्तरी-पूर्वी हिस्से ग्वालियर-चंबल, जबलपुर, रीवा और शहडोल संभाग के जिलों में बारिश होने का अनुमान है। प्रदेश के ज्यादातर शेष पेज 6 पर

खबर संक्षेप

मच्छर अगरबत्ती से टाटा सूमो में जिंदा जला व्यक्ति

जबलपुर। जिले के सिहोरा में शनिवार सुबह टाटा सूमो के अंदर सो रहा एक व्यक्ति जिंदा जल गया। आग की लपटों ने पास की एक दुकान को भी अपनी चपेट में ले लिया। देखते ही देखते दुकान भी जलकर खाक हो गई। आशंका है कि मच्छर भगाने के लिए जलाई गई अगरबत्ती से गाड़ी के अंदर पड़े कचरे में आग भड़क गई, जिससे व्यक्ति बाहर नहीं निकल पाया।

थ्रेशर मशीन की चपेट में आने से किसान की मौत

आगर-मालवा। जिले में थ्रेशर मशीन की चपेट में आने से शनिवार को एक किसान की मौत हो गई। सुसनेर तहसील के ग्राम पिपलियाचाचा में खेत पर थ्रेशर मशीन से गेहूं निकालते समय संतुलन बिगड़ने से किसान मांगीलाल पिता भुवानसिंह (56) मशीन की चपेट में आ गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद शव को सुसनेर सिविल अस्पताल लाया गया।

प्रबंधन का दावा- हार्ट अटैक से हुई मौत

200 से ज्यादा पुलिस बल तैनात

श्रमिक की मौत, भड़के मजदूरों ने गाड़ियां तोड़ी, प्लांट में आग लगाई

हरिभूमि न्यूज ▸▸ सिंगरौली

सिंगरौली जिले बधौरा स्थित एक पावर प्लांट में शनिवार सुबह मजदूर की मौत के बाद जमकर हंगामा हो गया। गुस्साए मजदूरों ने प्लांट परिसर में जमकर तोड़फोड़ की और आग लगा दी। गुस्साए मजदूरों ने ठेकेदार के ऑफिस को आग के हवाले कर दिया। थाना प्रभारी एवं चौकी प्रभारी की गाड़ियों में तोड़फोड़ कर दी। कंपनी के अधिकारी कर्मचारियों के साथ मारपीट की गई। घटना का वीडियो सामने आया है। जिसमें दूर से काले धुएं का बड़ा गुबार नजर आ रहा है और प्लांट एक तरफ आग दिखाई दे रही है। बताया जा रहा है कि शेष पेज 6 पर

आक्रोशित मजदूर तोड़फोड़ करते हुए

सड़क चौड़ीकरण के दौरान लगा करंट, परिजनों ने किया चक्काजाम

उज्जैन। उज्जैन में सिंहस्थ से जुड़े निर्माण काम के दौरान करंट लगने से एक श्रमिक की मौत के बाद शनिवार सुबह चरक अस्पताल के सामने हंगामा हो गया। मृतक के परिजनों और समाज के लोगों ने आगर रोड पर चक्काजाम कर ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई और आर्थिक सहायता की मांग की। मृतक की पहचान राकेश सूर्यवंशी (42) पिता रामचंद्र सूर्यवंशी, शेष पेज 6 पर

इंस्टाग्राम के यूजर्स को झटका

अब मैसेज से हट रहा है एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

कंपनी चाहे तो प्राइवेट मैसेज देख सकेगी

इंस्टाग्राम ने घोषणा की है कि वह अपने एंड-टू-एंड एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग फीचर को बंद कर रहा है। यह अपडेट 8 मई, 2026 को लागू होगा। यानी, अब कंपनी चाहे तो आपके प्राइवेट मैसेज देख सकती है। कंपनी ने सबसे पहले दिसंबर 2023 में एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन शुरू किया था, ताकि बातचीत सिर्फ आपके और दूसरे शेष पेज 6 पर

युवक ने बनाया वीडियो, मारपीट

एसडीएम कार्यालय में रात होते ही शराब की पार्टी, स्टाफ नपेगा

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रीवा

क्लर्क और पटवारी करते थे पार्टी

रीवा के कॉलेज चौराहे में बनाए गए अत्याधुनिक अनुविभागीय दंडाधिकारी कार्यालय में शनिवार की देर रात उस वक्त हड़कंप की स्थिति निर्मित हो गई जब अनुविभागीय दंडाधिकारी के रीडर धर्मेंद्र पटेल और दिलीप पाल जाम टकराते हुए कैमरे में कैद हो गए। इस दौरान नशे में चूर दोनों लिपिकों ने वीडियो बनाने वाले युवक के शेष पेज 6 पर

सबसे कम उम्र की, तेलंगाना निवासी

महाकाली नंदगिरी किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर

हरिभूमि न्यूज ▸▸ उज्जैन

अघोर साधना से चर्चा में आई थीं नंदगिरी

देशभर में लेडी अघोरी माता के नाम से प्रसिद्ध तेलंगाना की सबसे कम उम्र की अघोरी साधिका महाकाली नंदगिरी को किन्नर अखाड़े का महामंडलेश्वर बनाया गया है। करीब 18 वर्ष पहले उन्होंने असम स्थित कामाख्या धाम में तंत्र साधना सीखी थी और तब से लगातार अघोर साधना कर रही हैं। वे सनातन परंपरा के शेष पेज 6 पर

छोटा नेहरू स्टेडियम का नाम बदलने पर सियासत

छत्रपति शिवाजी महाराज के नाम रखने का प्रस्ताव

महापौर बोले-कांग्रेस पहले यह बताए छोटा नेहरू आखिर कौन?

हरिभूमि न्यूज ▸▸ इंदौर

शहर के छोटा नेहरू स्टेडियम का नाम बदलने को लेकर राजनीतिक विवाद तेज हो गया है। नगर निगम की एमआईसी (मेयर-इन-काउंसिल) द्वारा स्टेडियम का नाम बदलने का प्रस्ताव पास किए जाने के बाद कांग्रेस और भाजपा आमने-सामने आ गई हैं।

नगर निगम की एमआईसी ने छोटा नेहरू स्टेडियम का नाम बदलकर छत्रपति शिवाजी महाराज के नाम पर रखने का प्रस्ताव पारित किया है। कांग्रेस प्रवक्ता नीलाभ शुक्ला ने कहा कि शहर को भव्य और आधुनिक स्टेडियम की जरूरत है। अगर नया स्टेडियम बनाया जाता है और उसका नाम छत्रपति शिवाजी महाराज के नाम पर रखा जाता है तो यह पूरे शहर के लिए गौरव की बात होगी। उन्होंने कहा कि जब भी किसी स्वतंत्रता सेनानी या ऐतिहासिक व्यक्तित्व के नाम की बात आती है तो भाजपा नेताओं की कुंठा सामने आ जाती है। इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि कांग्रेस पहले यह बताए कि छोटा नेहरू आखिर कौन हैं, जिनका नाम बदलने की बात पर इतना विवाद खड़ा किया जा रहा है। महापौर ने कहा कि एक नेहरू की नीतियों का खामियाजा देश आज तक भुगत रहा है, और अब ये छोटे नेहरू कौन हैं, इसके बारे में भी स्पष्ट जानकारी नहीं है।

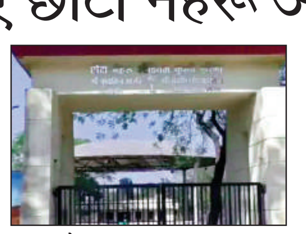

केंद्र का कहना-हिरासत को तुरंत प्रभाव से रद्द किया गया, ताकि लद्दाख में शांति और स्थिरता का माहौल कायम किया जा सके

प्रदर्शनों के दौरान हिंसा में 4 की मौत व 45 से ज्यादा घायल हुए थे

करीब 6 महीने बाद जोधपुर जेल से रिहा किए गए जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक, गृह मंत्रालय ने हटाया एनएसए

- *वांगचुक को 26 सितंबर 2025 को लद्दाख में बड़े प्रदर्शन के बाद हिरासत में लिया गया था*
- *लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग थी*

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को शनिवार को जोधपुर सेंट्रल जेल से रिहा कर दिया गया। यह रिहाई उस समय हुई जब केंद्र सरकार ने वांगचुक पर लगे राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) को हटा दिया। मंत्रालय ने बताया कि यह फैसला राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत मिले अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए लिया गया है।

सरकार का कहना है कि यह फैसला लद्दाख में शांति और स्थिरता का माहौल बनाने के लिए लिया गया है। वांगचुक को 26 सितंबर 2025 को हिरासत में लिया गया था। इससे शेष पेज 6 पर

गाड़ी में वांगचुक रिहा होते हुए

अलग-अलग समुदायों, नेताओं और संगठनों से लगातार बातचीत

गृह मंत्रालय ने कहा कि केंद्र सरकार लद्दाख में शांति, स्थिरता और आपसी भरोसा कायम रखने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि सभी पक्षों के साथ सार्थक और रचनात्मक बातचीत हो सके। सरकार का कहना है कि वह लद्दाख के अलग-अलग समुदायों, नेताओं और संगठनों से लगातार बातचीत कर रही है, ताकि क्षेत्र के लोगों की शेष पेज 6 पर

वांगचुक की पत्नी ने किया था सुप्रीम कोर्ट का रुख

इससे पहले वांगचुक की पत्नी गीतांजलि आंग्मो ने उनकी हिरासत को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। 26 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट ने वांगचुक की हिरासत को चुनौती देने वाली याचिका पर अंतिम सुनवाई के लिए 10 मार्च की शेष पेज 6 पर

पापमोचनी एकादशी आजः भक्त करेंगे सुख-शांति और सफलता की कामना, आज ही मीन संक्रांति

भगवान विष्णु के साथ ही सूर्य देव की पूजा करने का शुभ योग बना है

पूजा-पाठ के साथ ही दान-पुण्य व मंत्र जप जल्दी होते हैं सफल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

चैत्र महीने के कृष्ण पक्ष की पापमोचनी एकादशी रविवार को मनाई जाएगी। इसी दिन व्रत रखा जाएगा। मां चामुंडा दरबार के पुजारी पंडित रामजीवन दुबे ने बताया कि एकादशी तिथि 14 मार्च सुबह 8:10 बजे शुरू हो गई है, जोकि 15 मार्च को सुबह 9:16 बजे खत्म होगी। परंपरा के अनुसार उदयातिथि के चलते व्रत रविवार, 15 मार्च को रहेगा। पापमोचनी एकादशी पापों के फल को खत्म करता है, ऐसी मान्यता है। भक्त घर-परिवार में सुख-शांति, प्रेम और सफलता बनाए रखने की कामना से ये व्रत करते हैं। इसी दिन मीन संक्रांति भी है। एकादशी और संक्रांति के योग में भगवान विष्णु के साथ ही सूर्य देव की पूजा करने का शुभ योग बना है। इन दिनों में पूजा-पाठ के साथ ही दान-पुण्य और मंत्र जप जल्दी सफल हो सकते हैं।

पापमोचनी एकादशी यानी पाप का मोचन यानी नष्ट करने वाली एकादशी

पंडित रामजीवन दुबे ने बताया कि इस एकादशी पर किए गए व्रत से भगवान विष्णु की कृपा मिलती है और भक्त की मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इसी दिन सूर्य के मीन राशि में आने से खरमास भी शुरू होगा। खरमास में विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन, जनेऊ संस्कार जैसे शुभ कामों के लिए मुहूर्त नहीं रहते हैं। इस महीने में सूर्य पूजा, विष्णु पूजा, मंत्र जप, नदी स्नान और दान-पुण्य करने की परंपरा है।

तीर्थ स्नान....

इस दिन गंगा, यमुना, नर्मदा, शिप्रा जैसी किसी भी पवित्र नदी में स्नान कर सकते हैं। माना जाता है कि सूर्य के राशि परिवर्तन के समय किया गया स्नान कुंडली के दोषों को भी दूर करता है। अगर नदी स्नान करना संभव न हो तो घर पर ही पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान कर सकते हैं।

मां कर्मा देवी की जयंती के उपलक्ष्य में चल समारोह में विमान रहेगा आकर्षण का केन्द्र

साहू समाज की आराध्य मां कर्मा देवी की 1010वीं जयंती रविवार को विभिन्न धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रमों के बीच मनाई जाएगी। समाज के घोड़ा नवकास, बरखेड़ी, करोंद, छोला, भेल, आनंद नगर, कोलार और टीटी नगर स्थित मंदिरों में और घरों में मां कर्मा देवी की विशेष पूजा-अर्चना की जाएगी। मुख्य कार्यक्रम घोड़ा नक्कास स्थित समाज के लक्ष्मीनारायण मंदिर में होगा। यहां सुबह 8 बजे पूजा-आरती और श्रृंगार होगा। इसमें मां कर्मा देवी का विमान आस्था और आकर्षण का केंद्र रहेगा। पौराणिक प्रसंगों और मां कर्मा देवी के जीवन पर आधारित कई अन्य झांकियां भी रहेंगी।

गायत्री शक्तिपीठ में सामूहिक गर्भ संस्कार का आयोजन आज

भोपाल। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में गायत्री शक्तिपीठ भोपाल के तत्वावधान में आओ गढ़ें संस्कारवान पीढ़ी अभियान के अंतर्गत 15 मार्च को गायत्री शक्तिपीठ भोपाल में दोपहर 12:00 बजे से राजधानी की लगभग 200 गर्भिणी बहनों का वैदिक मंत्रों से सामूहिक गर्भ संस्कार (पुंसवन संस्कार) संपन्न करवा जाएगा। इस कार्यक्रम के माध्यम से गर्भिणियों को आहार विहार एवं खान-पान की विशेष जानकारियां दी जाएंगी, जेसे क्या खाना चाहिए, क्या नहीं खाना चाहिए, इस समय किस प्रकार का वातावरण घर में होना चाहिए, इसके बारे में शहर की कुछ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर भी इस कार्यक्रम में उपस्थित होकर जानकारियां प्रदान करेंगी। कार्यक्रम में यह भी बताया जाएगा कि गर्भावस्था के दौरान क्या-क्या सावधानियां परिवार को एवं गर्भिणी महिलाओं को बरतनी चाहिए, जिससे कि डिलेवरी सुलभ हो सके तथा आने वाली पीढ़ी संस्कारवान बन सके।

भक्त शिरोमणि मां कर्मा देवी की 1010वीं जयंती आज

भोपाल। साहू समाज की आराध्य एवं भक्त शिरोमणि मां कर्मा देवी की 1010वीं जयंती रविवार को श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई जाएगी। इस अवसर पर राजधानी भोपाल समेत प्रदेश के विभिन्न जिलों में धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। मध्य प्रदेश तैलिक साहू सभा के पूर्व मीडिया प्रभारी विवेक साहू ने जानकारी देते हुए बताया कि भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, देवास, होशंगाबाद, सागर, नरसिंहपुर, रायसेन, विदिशा, सीहोर, आष्टा सहित प्रदेश के अनेक जिलों में मां कर्मा देवी जयंती बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाई जाएगी। चल समारोह में मां कर्मा देवी का चांदी का विमान विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा। चल समारोह का जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया जाएगा। तैलिक साहू सभा के प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश साहू एवं प्रदेश महामंत्री अनिल कुमार साहू ने बताया कि जयंती के अवसर पर प्रदेशभर में पूजा-अर्चना, प्रभात फेरी, शोभायात्रा, सांस्कृतिक कार्यक्रम, भजन संध्या और भंडारे जैसे विभिन्न धार्मिक आयोजन किए जाएंगे।

श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर से निकलेगा चल समारोह

विवेक साहू ने बताया कि भोपाल जिले का मुख्य कार्यक्रम श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर साहू समाज घोड़ा निकास मां कर्मा देवी मार्ग स्थित मंदिर प्रांगण में आयोजित किया जाएगा। रविवार सुबह मां कर्मा देवी का भव्य पुष्प श्रृंगार एवं महाआरती होगी। दोपहर तीन बजे से चल समारोह निकाला जाएगा।

कायस्थ समाज का होली मिलन एवं चित्रांश मेला आज

भोपाल। मप्र चित्रांश समाज द्वारा होली मिलन के साथ चित्रांश मेले का आयोजन 15 मार्च रविवार को कोलार के वैभव गार्डन में किया जा रहा है। सुबह 11 बजे से शुरू होने वाले इस कार्यक्रम में खेल प्रतियोगिता, गीत-संगीत, कला-नृत्य तथा बच्चों के लिए विशेष आयोजन भी होंगे, जिनमें बच्चे बढ़-चढ़कर भागीदारी करेंगे। संयोजक दीप श्रीवास्तव ने बताया कि होली मिलन का मुख्य आकर्षण चित्रांश मेला रहेगा। मेले की तैयारियां जोर-शोर से की जा रही हैं। इसमें लगभग 10 स्टॉल लगाए जाएंगे, जिनमें खान-पान सहित विभिन्न प्रकार के स्टॉल शामिल रहेंगे। इस दौरान सांस्कृतिक मंच का आयोजन होगा, जिसमें फूलों से होली खेली जाएगी।

गर्मी के मौसम में पौधों का जीवन बचाने सुबह-शाम टैंकरों से की जा रही सिंचाई

सेंट्रल वर्ज और फुटपाथों पर लगे पौधों को पानी देने उतारे टैंकर

ताकि बची रहे हरियाली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

गर्मी का असर बढ़ने के साथ ही नगर निगम भोपाल ने शहर की सड़कों की हरियाली को बचाए रखने के लिए विशेष इंतजाम शुरू कर दिए हैं। निगम के गार्डन सेक्शन ने सेंट्रल वर्ज, डिवाइडर और फुटपाथों पर लगाए गए पौधों को नियमित रूप से पानी देने के लिए टैंकर उतार दिए हैं। पांच टैंकरों के माध्यम से सुबह और शाम पौधों की सिंचाई की जा रही है, ताकि तेज गर्मी में पौधे सूखने से बच सकें।

नगर निगम द्वारा शहर के कई प्रमुख मार्गों और चौराहों पर पिछले वर्षों में बड़े पैमाने पर पौधारोपण किया गया था। चेतक ब्रिज, वीआईपी रोड, लालघाटी, विभिन्न रोटरी और प्रमुख मार्गों के सेंट्रल वर्ज पर लगाए गए पौधों और सजावटी पौधों ने शहर की सुंदरता को बढ़ाया है। हालांकि गर्मी के मौसम में पानी की कमी और बढ़ते तापमान के कारण इन पौधों के सूखने का खतरा रहता है। इसी को ध्यान में रखते हुए गार्डन सेक्शन ने समय रहते सिंचाई व्यवस्था बनाई है। निगम के अधिकारियों के अनुसार शहर में लगाए गए पौधे पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के साथ ही सड़कों की सुंदरता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसलिए गर्मी के मौसम में उनकी विशेष देखभाल जरूरी होती है। इसी उद्देश्य से टैंकरों के माध्यम से नियमित रूप से पौधों को पानी दिया जा रहा है।

पानी के छिड़काव की निगरानी भी करेंगे

अधिकारियों का कहना है कि आने वाले दिनों में तापमान और अधिक बढ़ने की संभावना है। ऐसे में गार्डन सेक्शन की टीमें लगातार निगरानी भी करेंगे और जिन स्थानों पर पौधों को पानी की जरूरत है, वहां टैंकरों से सिंचाई की जाएगी है। इससे शहर की हरियाली सुरक्षित रहेगी और सड़क किनारे विकसित किए गए ग्रीन कॉरिडोर भी हरे-भरे बने रहेंगे।

खबर संक्षेप

डॉ. चुघ ने किया भोपाल की पहली राहत डॉरमेट्री का शुभारंभ

भोपाल। राजधानी भोपाल की पहली राहत डॉरमेट्री का शुभारंभ शनिवार को जेपी अस्पताल के पूर्व अधीक्षक डॉ. इंद्र कुमार चुघ ने किया। राहत डॉरमेट्री शनि मंदिर जाट खेड़ी होशंगाबाद रोड पर सुरभि सीटोके द्वारा संचालन की जा रही है। उन्होंने बताया कि यह राहत डॉरमेट्री सर्व सुविधा युक्त एयर कंडीशन है। जिसमें कॉलेज के विद्यार्थी, आसपास के अस्पताल में भर्ती मरीजों के परिवार के सदस्य के अलावा अन्य जरूरतमंद भी दैनिक किराए पर रुक सकते है।

सोमनाथ एक्सप्रेस के उज्जैन स्टेशन समय में आंशिक संशोधन

भोपाल। रेल प्रशासन द्वारा सुचारु परिचलान एवं यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पश्चिम मध्य रेल से प्रार भ होने वाली गाड़ी संख्या 11464 जबलपुर-सोमनाथ एक्सप्रेस वाया इटारसी एवं गाड़ी संख्या 11466 जबलपुर-सोमनाथ वाया कटनी मुड़वारा एक्सप्रेस ट्रेनों के उज्जैन रेलवे स्टेशन पर आगमन-प्रस्थान समय में आंशिक संशोधन किया गया है। गाड़ी संख्या 11464 जबलपुर-सोमनाथ एक्सप्रेस वाया इटारसी ट्रेन को 2 अप्रैल से अपने प्रारंभिक स्टेशन जबलपुर से निर्धारित समय से प्रस्थान कर मार्ग से होते हुए उज्जैन रेलवे स्टेशन का निर्धारित आगमन-प्रस्थान समय रात्रि 23:50/00-00 बजे की बजाय अब उज्जैन रेलवे स्टेशन का संसोधित आगमन-प्रस्थान समय रात्रि 23-45/23-55 बजे रहेगा। गाडी संख्या 11466 जबलपुर-सोमनाथ एक्सप्रेस वाया कटनी मुड़वारा ट्रेन को 03 अप्रैल से अपने प्रारंभिक स्टेशन जबलपुर से निर्धारित समय से प्रस्थान कर मार्ग से होते हुए उज्जैन रेलवे स्टेशन का निर्धारित आगमन-प्रस्थान समय रात्रि 23:50/00:00 बजे की बजाय अब उज्जैन रेलवे स्टेशन का संसोधित आगमन-प्रस्थान समय रात्रि 23:45/23:55 बजे रहेगा।

27 हजार 254 लंबित प्रकरणों में 57 करोड़ 16 लाख 88 हजार 328 की राशि का भुगतान

ड्राइवर ने पलटा दी थी कार, नेशनल लोक अदालत में मृतक के परिजनों को दिलाए 72 लाख रुपए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर शनिवार को जिला न्यायालय में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस नेशनल लोक अदालत में पक्षकारों की आपसी सहमति से समझौता योग्य 27,254 लंबित एवं विचाराधीन प्रकरणों का निराकरण किया जाकर पक्षकारों को 57करोड़ 16 लाख 88 हजार 328 रुपए की मुआवजा व समझौता राशियों के अवार्ड पारित कर राशियां दिलाई गईं। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार श्रीवास्तव ने नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर और दीप प्रज्वलित कर किया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं न्यायाधीश सुनीत अग्रवाल ने बताया कि प्रकरणों के निराकरण के लिए पूरे जिले में कुल 60 खंडपीठों का गठन किया गया है। वर्तमान में जिला भोपाल के न्यायालयों में विभिन्न प्रकार के कुल 1,62,077 मामले लंबित हैं। जिला न्यायालय भोपाल तहसील न्यायालय बैरसिया, कुटुम्ब न्यायालय, श्रम न्यायालय, रेरा सहित कुल 60 खंडपीठ का गठन किया गया था। इस अवसर पर विशेष न्यायाधीश राजर्षि श्रीवास्तव, विशेष न्यायाधीश मनोज कुमार सिंह, जिला न्यायाधीश अतुल सक्सेना, कुटुंब न्यायालय की अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश वर्षा शर्मा, सीजेएम अग्निनेंद्र कुमार द्विवेदी, जिला रजिस्ट्रार भारत सिंह रघुवंशी, नगर निगम मजिस्ट्रेट तरुणेन्द्र प्रताप सिंह, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव और न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सुनीत अग्रवाल सहित अन्य न्यायाधीश उपस्थित थे। कुटुंब न्यायालय में पति-पत्नी द्वारा एक दूसरे के विरूद्ध प्रस्तुत किए गए लगभग 126 प्रकरणों का निराकरण भी आपसी सहमति से कराया गया। न्यायाधीशों ने उन्हें फलदार पौधे भेंट कर नये जीवन के लिए शुभकामनाएं देकर विदा किया।

न्यायाधीश ने मृतक के परिजनों को 72 लाख रुपए का चेक प्रदान किया

सोने के व्यवसायी एजाज खान की सड़क दुर्घटना में 15.08.2024 को मृत्यु हो गई थी। कार क्रमांक डीएल-सीएक्स 3811 के ड्राइवर ने कार को तेजी, लापरवाही एवं उपेक्षापूर्वक ढंग से चलाते हुए कार पलटा दी थी। टक्कर से आईं गंभीर चोटों के कारण घटनास्थल पर ही एजाज खान की दुखद मृत्यु हो गई थी। उनके परिजनों की ओर से एडवोकेट नितेश महाजन द्वारा मोटर यान अधिनियम के तहत मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण में दावा पत्र प्रस्तुत किया था। मृतक के परिजनों एवं बीमा कंपनी आईसीआईसीआई के मध्य नेशनल लोक अदालत के माध्यम से रूपये 72 लाख रूपये में समझौता किया गया। मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण पीठासीन अधिकारी मयंक कुमार शुक्ला और एडवोकेट नितेश महाजन द्वारा परिजनों को 72 लाख रूपये की समझौता राशि का चेक प्रदान किया गया।

25 हजार 384 से अधिक प्रकरणों का किया निराकरण

नेशनल लोक अदालत में निगम ने वसूले 20 करोड़ 64 लाख

नेशनल लोक अदालत के तहत संपत्तिकर व जल उपभोक्ता प्रभार के अधिभार में दी जा रही छूट का बड़ी संख्या में शहर के करदाताओं ने लाभ उठाया और समाचार लिखे जाने तक निगम के वार्ड कार्यालयों में आयोजित शिविरों के माध्यम से 25 हजार 384 से अधिक प्रकरणों का निराकरण कराया और 20 करोड़ 64 लाख रूपए से अधिक की राशि जमा कराई। नेशनल लोक अदालत के तहत शनिवार को निगम के सभी 85 वार्ड कार्यालयों में आयोजित शिविरों में सुबह से ही करदाताओं के आने का सिलसिला शुरू हो गया था जो देर शाम तक जारी रहा।

मैहर स्टेशन पर 14 जोड़ी ट्रेनों को मिलेगा पांच मिनट तक का ठहराव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

चैत्र नवरात्र के दौरान श्रद्धालुओं के लिए भोपाल मंडल से गुजरने वली 14 जोड़ी गाड़ियों को मैहर स्टेशन पर 5 मिनट का हाल्ट देने का निर्णय लिया गया है। जानकारी के अनुसार हर साल नवरात्र में भोपाल रेल मंडल से लाखों की संख्या में श्रद्धालु मैहर में मां शारदा का दर्शन करने जाते हैं। ऐसे में उन्हें वहां तक आसानी से पहुंचाने के लिए रेलवे ने 14 जोड़ी नान स्टाप ट्रेनों को मैहर स्टेशन पर ठहराव दिया है।

यह ट्रेनें रुकेगी मैहर स्टेशन पर

- 11055 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर एक्सप्रेस
- 11056 गोरखपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस
- 11059 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-छपरा एक्सप्रेस
- 11060 छपरा-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस
- 12669 चेन्नई-छपरा एक्सप्रेस
- 12670 छपरा-चेन्नई एक्सप्रेस
- 19051 वलसाड-मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस
- 19052 मुजफ्फरपुर-वलसाड एक्सप्रेस
- 11045 श्री छत्रपति शाहू महाराज टर्मिनस कोल्हापुर-धनबाद एक्सप्रेस
- 11046 धनबाद-श्री छत्रपति शाहू महाराज टर्मिनस कोल्हापुर एक्सप्रेस
- 15268 एलएलटी-रक्सौल एक्सप्रेस
- 15267 रक्सौल-एलएलटी एक्सप्रेस
- 11037 पुणे-गोरखपुर एक्सप्रेस
- 11038 गोरखपुर-पुणे एक्सप्रेस
- 17610 पूर्णा-पटना एक्सप्रेस
- 17609 पटना-पूर्णा एक्सप्रेस
- 22103 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-अयोध्या कैंट एक्सप्रेस
- 22104 अयोध्या कैंट-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस
- 18610 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-राँची एक्सप्रेस
- 18609 राँची-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस
- संख्या 22971 बांद्रा टर्मिनस-पटना एक्सप्रेस
- 22972 पटना-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस
- 22131 पुणे-बनारस एक्सप्रेस
- 22132 बनारस-पुणे एक्सप्रेस
- 15647 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गुवाहाटी एक्सप्रेस
- 15648 गुवाहाटी-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस
- 19045 सूरत-छपरा एक्सप्रेस
- 19046 छपरा-सूरत एक्सप्रेस

प्रशिक्षण कार्यक्रम के जरिए अस्पतालों में बच्चों की मृत्यु दर को कम करने में मिलेगी मदद

आपातकालीन स्थितियों में समय पर और सही उपचार बच्चों के लिए जीवन रक्षकः डॉ.कविता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

बच्चों में आपातकालीन स्थितियों में समय पर और सही उपचार जीवन रक्षक सिद्ध हो सकता है। बाल्य एवं शिशु रोग विशेषज्ञों के लिए एडवांस एवं बेसिक लाइफ सपोर्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम चिकित्सकों की दक्षता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और इससे अस्पतालों में बच्चों की मृत्यु दर को कम करने में मदद मिलेगी।

यह बात शनिवार को गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) में आयोजित बाल्य एवं शिशु रोग विशेषज्ञों के लिए एडवांस एवं बेसिक लाइफ सपोर्ट प्रशिक्षण को संबोधित करते हुए जीएमसी डीन डॉ. कविता एन सिंह ने कही। जीएमसी और इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स द्वारा तीन दिवसीय बाल रोग विशेषज्ञों तथा शिशु रोग विभागों में अध्ययनरत स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए पीडियाट्रिक एडवांस लाइफ सपोर्ट एवं बेसिक लाइफ सपोर्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा हैं। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में होने वाली आपातकालीन

स्थितियों जैसे श्वसन रुकना, कार्डियक अरेस्ट, शॉक एवं गंभीर संक्रमण की स्थिति में त्वरित एवं वैज्ञानिक प्रबंधन की क्षमता विकसित करना होती हैं। कार्यक्रम के कोर्स डायरेक्टर डॉ. राजेश टिक्कस तथा कोर्स कोऑर्डिनेटर डॉ. राजेश पाटिल के नेतृत्व में प्रशिक्षण संपन्न हुआ। इस प्रशिक्षण में देश के विभिन्न संस्थानों से आए अनुभवी फैकल्टी सदस्यों ने प्रतिभागियों को मार्गदर्शन प्रदान किया। इनमें डॉ. महेश माहेश्वरी भोपाल, डॉ. अनंत केतकर दतिया, डॉ. गिरीश चंद्र भट्ट भोपाल, डॉ. रश्मि गुप्ता एवं भोपाल से डॉ. पूर्वा गोहिया, डॉ. नितेश उपाध्याय तथा डॉ. नवनीत खंडेलवाल शामिल रहे।

हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण कार्यक्रम

शिशु रोग विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मंजूषा गोयल ने बताया कि बाल रोग में कई आपातकालीन स्थितियां अत्यंत तीव्र गति से विकसित होती हैं, इसलिए चिकित्सकों का प्रशिक्षण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण कार्यक्रम से बाल रोग विशेषज्ञों एवं पीजी छात्रों को वास्तविक परिस्थितियों में त्वरित निर्णय लेने और प्रभावी उपचार प्रदान करने की क्षमता विकसित होती है।

प्रशिक्षण से जल्द होगी बीमारी की पहचान

ग्वालियर से इस संगठन के की स्टेट कोऑर्डिनेटर डॉ. रश्मि गुप्ता तथा वरिष्ठ शिक्षक डॉ. अनंत केटकर ने भी कार्यक्रम में प्रशिक्षक बन सहभागिता निभाई। डॉ. रश्मि ने बताया कि इस प्रशिक्षण से चिकित्सकों को अस्पतालों में बढ़ती भीड़ के बीच गंभीर रूप से बीमार मरीजों की शीघ्र पहचान करने में सहायता मिलेगी, जिससे उन्हें समय रहते सघन एवं आकस्मिक चिकित्सा उपलब्ध कराई जा सकेगी।

स्क्रीनिंग कैंप में 60 लोगों की जांच में मिले 6 कालापानी रोग के लक्षण

40 की उम्र के बाद ग्लूकोमा के कारण 75 प्रतिशत लोगों की गायब हो जाती है एक आंख की रोशनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

गांधी मेडिकल कॉलेज में शनिवार को विशेष ग्लूकोमा और डायबिटिक रेटिनोपैथी स्क्रीनिंग शिविर लगाया गया। जिसमें 60 मरीजों की जांच में छह मरीज ऐसे मिले जिनमें कालापानी रोग के संकेत पाए गए हैं। अब इन आंखों से जुड़ी बीमारियों से पीड़ित मरीजों की फ्री ओसीटी (ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी) और विजुअल फील्ड जांच की जाएगी। इन जांचों के माध्यम से आंख की अंदरूनी परतों, रेटिना और ऑप्टिक नर्व की स्थिति का विस्तार से परीक्षण किया जाएगा, जिससे बीमारी का सही कारण पता लगाकर समय पर उचित उपचार किया जा सके। शिविर में लोगों की जांच के लिए ब्लॉक बी के बाहर मोबाइल आई चेकिंग वाहन में सेटअप तैयार किया गया था। नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. अदिति दुबे ने बताया कि करीब 75 प्रतिशत मरीज ऐसे होते हैं, जिनकी एक आंख की रोशनी लगभग जा चुकी होती है। इसके बाद उन्हें पता चलता है कि उन्हें ग्लूकोमा रोग है। इस लापरवाही से मरीजों को बचाने के लिए ही जीएमसी में 40 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के लिए विशेष स्क्रीनिंग शिविर लगाया गया।

साइलेंट रोग है ग्लूकोमा

डॉ. अदिति दुबे के अनुसार ग्लूकोमा को साइलेंट रोग कहा जाता है, क्योंकि इसकी शुरूआत में कोई स्पष्ट लक्षण दिखाई नहीं देते। जब मरीज अस्पताल पहुंचता है तब तक अक्सर एक आंख की रोशनी काफी हद तक जा चुकी होती है। यह रोग इसलिए भी खतरनाक है क्योंकि इसमें एक बार चली गई आंखों की रोशनी दोबारा वापस नहीं लाई जा सकती। ऐसे में समय पर जांच ही इससे बचाव का सबसे बड़ा उपाय है। ग्लूकोमा का खतरा मधुमेह के मरीजों में ज्यादा होता है। इसके अलावा कुछ आदतें भी इस रोग को तेजी से बढ़ा सकती हैं। जैसे एक साथ बहुत ज्यादा पानी पीना या लंबे समय तक शीर्षासन करना। यदि किसी व्यक्ति में ग्लूकोमा का जोखिम है तो ये गतिविधियां आंखों पर उल्टा असर डाल सकती है। यदि व्यक्ति की आयु 40 वर्ष से अधिक है, उसे मधुमेह है, चश्मे का नंबर बार-बार बदल रहा है या परिवार में किसी को यह बीमारी रही है, तो तुरंत ग्लूकोमा की जांच करानी चाहिए। करीब 70 से 75 प्रतिशत मरीज ऐसे होते हैं जिनमें बीमारी की पहचान समय पर नहीं हो पाती। इसलिए 40 वर्ष की आयु के बाद हर साल आंखों की नियमित जांच कराना जरूरी है। यदि ग्लूकोमा की पहचान समय पर हो जाए तो भी मरीज के लिए इलाज जारी रखना एक चुनौती बन जाता है। इस रोग में मरीज को लंबे समय तक दवाएं और आई ड्रॉप्स लेना पड़ता है।

गैस संकट का असर

एमपी नगर जोन-2 में 70% हॉस्टल और रेस्टोरेंट बंद

LPG संकट की आहट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

गैस की कमी का असर अब हॉस्टल और छोटे रेस्टोरेंट पर भी साफ दिखाई देने लगा है। करीब 70% हॉस्टल और रेस्टोरेंट बंद हो चुके हैं। जो हॉस्टल अभी संचालित हो रहे हैं, उनमें भी शाम का नाश्ता, चाय-कॉफी जैसी सुविधाएं बंद कर दी गई हैं।

एमपी नगर जोन-2 स्थित आरके गर्ल्स हॉस्टल के मोनू मृत्युंजय ने बताया कि उनके यहां करीब 120 छात्राएं रह रही हैं। फिलहाल मैन्यू में कटौती नहीं की गई है। मृत्युंजय बताया कि हॉस्टल में फिलहाल करीब तीन दिन का गैस स्टॉक बचा हुआ है। इसके बाद खाना बनाने के लिए डीजल भट्टी और लकड़ी की व्यवस्था की जा रही है।

» ***चल रहे हॉस्टलों में भी नहीं दे रहे चाय-कॉफी और शाम का नाश्ता***

» ***डीजल भट्टी-लकड़ी से खाना बनाने की तैयारी***

एमपी नगर जोन 2 में ऐश्वर्या गर्ल्स हॉस्टल में छात्राओं को चाय और शाम का नाश्ता नहीं दिया जा रहा है। साथ ही उनकी मेन्यू में सिर्फ दाल चावल दिया जा रहा है। सीए की छात्रा मीनल शर्मा ने कहा कि कि घर वाले वापस बुला रहे हैं। उनका कहना है कि सात हजार पांच सौ सिर्फ यही खाना मिल रहा है इससे अच्छा है कि वापस आ जाओ। संचालक बृजेश रघुवंशी कहा कि स्टॉक हमारे पास दो दिन का है उसके बाद डीजल भट्टी की व्यवस्था करेंगे

रेस्टोरेंट में कमर्शियल गैस की किल्लत से मेन्यू में कटौती

तीन दिन बाद बंद होने की आशंका, 60% से ज्यादा छात्र करते हैं भोजन

शहर में कमर्शियल गैस की कमी का असर अब रेस्टोरेंट कारोबार पर भी साफ दिखाई देने लगा है। एमपी नगर जोन-2 के बफे रेस्टोरेंट में बड़ी संख्या में छात्र भोजन करते हैं, लेकिन गैस की सप्लाई ठप होने से संचालन मुश्किल हो गया है। रेस्टोरेंट की संस्थापक शिखा रघुवंशी ने बताया कि यहां करीब 70 प्रतिशत से ज्यादा स्टूडेंट नियमित रूप से खाना खाने आते हैं। फिलहाल स्टॉक की कमी के कारण खाने के मेन्यू में कटौती करनी पड़ी है। पहले जहां बफे सिस्टम में अनलिमिटेड खाना दिया जाता था, वहीं अब इसे सीमित कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि मेन्यू से एक सब्जी, मीठा और एक समय की दाल हटा दी गई है और फिलहाल औसत खाना ही परोसा जा रहा है। लेकिन अब रोटी, दाल और चावल सीमित मात्रा में दिए जा रहे हैं। संस्थापक शिखा रघुवंशी ने बताया कि कमर्शियल गैस की डिलीवरी बिल्कुल नहीं हो रही है। कुछ समय तक ब्लैक में सिलेंडर लेकर काम चलाया गया, लेकिन अब वह भी बंद हो गया है। ऐसे हालात में यदि गैस की सप्लाई जल्द शुरू नहीं हुई तो अगले तीन दिन में रेस्टोरेंट को बंद करना मजबूरी हो सकती है।

इंद्रपुरी के हॉस्टल संचालक परेशान, दर्जनों हॉस्टल बंद होने की कगार पर

हॉस्टल के मेन्यू में कटौती, कई छात्र छुट्टी लेकर घर लौटे

इंद्रपुरी इलाके में दर्जनों हॉस्टल बंद होने की कगार पर पहुंच गए हैं। गैस की सप्लाई प्रभावित होने से संचालकों को भोजन व्यवस्था चलाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रोहित हॉस्टल के संस्थापक अजीत मिश्रा ने बताया कि उनके पास गैस का स्टॉक सिर्फ अगले दो दिन के लिए ही बचा है। इस कारण हॉस्टल के खाने के मेन्यू में कटौती करनी पड़ी है। पहले जहां छात्रों को दो तरह की सब्जी और चावल दिया जाता था, वहीं अब चावल पूरी तरह हटा दिया गया है और सिर्फ दाल, रोटी और एक सब्जी का सादा भोजन दिया जा रहा है। अगर दो दिन में स्थिति सामान्य नहीं होती है तो लकड़ी और डीजल भट्टी का सहारा लेना पड़ेगा, जिससे किसी तरह खाना बनाना जारी रखा जा सके। गैस संकट के कारण कई छात्र भी छुट्टी लेकर अपने घर लौटने लगे हैं। हॉस्टल संचालक के मुताबिक रोहित हॉस्टल में 140 छात्रों के रहने और खाने की व्यवस्था है, लेकिन फिलहाल करीब 80 छात्र ही हॉस्टल में रह रहे हैं। स्थिति सामान्य होने पर छात्र वापस लौटेंगे। नीट की छात्रा दीक्षा बिसेन ने कहा कि शाम का नाश्ता बंद कर दिया गया है। पूछने पर उन्होंने बताया कि अभी गैस सिलेंडर की कमी के कारण दिक्कत है। कुछ समय बाद दोबारा शुरू कर दिया जाएगा।

एसोसिएशन का तर्क- हमने सीधे डीलर से कांटेक्ट किया है

होस्टल एसोसिएशन के मेंबर विक्रम चंद्रा ने बताया कि हमने सीधे डीलर से कांटेक्ट किया है। अपनी परेशानी उन्हें बताई। हमें आश्वासन मिला है कि जरूरत के अनुसार आपूर्ति की जाएगी।

11 नंबर साइन बोर्ड के पास रहने वाले स्टूडेंट्स की बढ़ी परेशानी

» बंद होने लगे रेस्टोरेंट-ढाबे, मेन्यू में कटौती

11 नंबर साइन बोर्ड के पास किराए से रहने वाले स्टूडेंट्स की परेशानी बढ़ने लगी है। कई रेस्टोरेंट और ढाबे बंद होने लगे हैं, जिससे स्टूडेंट्स को खाने-पीने की दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। स्टूडेंट्स का कहना है कि जो रेस्टोरेंट और ढाबे अभी खुले हैं, उन्होंने भी अपना मेन्यू सीमित कर दिया है। केवल दाल, चावल और रोटी ही मिल रही है। इसके साथ ही खाने के दाम भी में बढ़ा दिए हैं।स्टूडेंट्स का कहना है कि अगर यही स्थिति बनी रही तो कुछ दिनों में बचे हुए रेस्टोरेंट और ढाबे भी बंद हो जाएंगे।

गोविंदपुरा, मंडीदीप, धार और पीथमपुर के औद्योगिक क्षेत्रों में गैस की सप्लाई नहीं होने से दिनोंदिन बढ़ रही है दिक्कत

औद्योगिक क्षेत्रों के लिए गैस की सप्लाई रुकने से मुश्किल में सैकड़ों यूनिट समय पर डिलीवरी नहीं देने से अंतरराष्ट्रीय निर्यात पर मंडरा रहा खतरा

- ▶▶ 1900 में मिलने वाला गैस सिलेंडर उद्योगों को 5000 रुपए तक में खरीदना पड़ रहा
- ▶▶ चालू वित्तीय वर्ष का अंतिम होने के कारण उद्योगों पर अपने लंबित ऑर्डरों को समय पर पूरा करने का भारी दबाव
- ▶▶ गोविंदपुरा इंडस्ट्री एरिया में अगर दो-चार दिन हालात ऐसे ही रहे तो बंद हो सकते हैं 600 उद्योग

देशभर में गैस की बाधित हुई आपूर्ति ने आम लोगों के साथ-साथ उद्योग जगत को मुश्किल में डाल दिया है। शहर के गोविंदपुरा व उससे लगे इलाकों मंडीदीप, धार और पीथमपुर के औद्योगिक क्षेत्रों में गैस की सप्लाई नहीं होने से मुश्किलें बढ़ रही हैं। सैंकड़ों यूनिटों पर उनके संचालन और उत्पाद बनाने का लगातार दबाव बढ़ रहा है। स्थिति यह है कि 1900 का गैस सिलेंडर उद्योगों को 5000 रुपए तक में खरीदना पड़ रहा है, जबकि कई उद्योग ऐसे हैं जिन पर अंतरराष्ट्रीय निर्यात समझौतों पर खतरा मंडराने लगा है।

प्रदेश के पीथमपुर, खेड़ा और पूरे धार जिले में अवंतिका गैस की आपूर्ति अचानक रुकने से परेशानी बढ़ गई है। उद्योगपति मानते हैं कि यह केवल एक तकनीकी खामी नहीं, बल्कि हजारों करोड़ों के निवेश और रोजगार पर सीधा प्रहार है। इसके चलते उत्पादन में भारी गिरावट आ रही है। पीथमपुर के ऑटोमोबाइल, फार्मास्यूटिकल और केमिकल उद्योग प्राकृतिक गैस (पीएनजी) पर निर्भर हैं। गैस आपूर्ति बाधित होने से फर्नेस और बॉयलर ठंडे पड़ गए हैं, जिससे उत्पादन चक्र पूरी तरह टूट गया है।

गोंविदपुरा औद्योगिक क्षेत्र के एक उपक्रम का दृश्य।

पीथमपुर इंडस्ट्रीज एसो. अध्यक्ष गौतम कोठारी का कहना है कि गैस आपूर्ति रुकने से कंपनियों को रोजाना करोड़ों रुपए का नुकसान हो रहा है। साथ ही समय पर डिलीवरी नहीं दे पाने के कारण निर्यात समझौतों पर भी खतरा मंडरा रहा है। उनका कहना है कि अब तक करीब दस हजार श्रमिक ले ऑफ पर भेज दिए गए हैं और इतने ही दैनिक वेतनभोगी कार्यमुक्त हो चुके हैं । वहीं गोविंदपुरा इंडस्ट्रीज एसो. सचिव योगेश गोयल का कहना है कि ईरान युद्ध की स्थिति के कारण देश में गैस आपूर्ति पर कुछ प्रभाव अवश्य पड़ा है, लेकिन वास्तविक समस्या गैस की उपलब्धता से अधिक बाज़ार में पैदा की जा रही कृत्रिम कमी की है। वित्तीय वर्ष का अंतिम महीना चल रहा है, इसके कारण उद्योगों पर अपने लंबित ऑर्डरों को समय पर पूरा करने का भारी दबाव है।

मप्र फेडरेशन चैंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष दीपक शर्मा का कहना है कि फूड प्रोसेसिंग, हॉस्पिटैलिटी, बेकरी, डेयरी और अन्य लघु एवं मध्यम उद्योग-अपने दैनिक उत्पादन कार्यों के लिए कमर्शियल एलपीजी पर निर्भर हैं। सप्लाई में अनिश्चितता के कारण उत्पादन बाधित हो रहा है और कई इकाइयों को संचालन में व्यवधान झेलना पड़ रहा है। गोविंदपुरा इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष विजय गौड़ का कहना है कि गोविन्दपुरा इंडस्ट्रियल एरिया में पिछले पांच दिनों से एलपीजी सिलेंडर की सप्लाई नहीं हुई है। हालात ऐसे ही रहे तो दो-चार दिन बाद फैक्ट्री का प्रोडक्शन लगभग बंद हो जाएगा।

गैस एजेंसियों की जांच करने पहुंचे आरटीओ शर्मा

इन दिनों जहां गैस की किल्लत को लेकर राजधानी भोपाल सहित देशभर में लोग परेशान हैं। इसी के तहत अब गैस एजेंसी की जांच करने आरटीओ भी मैदान में आ गए हैं। शनिवार को आरटीओ भी रसोई गैस एजेंसियों की जांच करने पहुंचे। उन्होंने ब्राइट भारत गैस वितरक ललरिया और रामजी भारत ग्रामीण वितरक ग्राम रूनाहा में जांच की। आरटीओ शर्मा ने एजेंसियों के गोडाउन में सिलेंडरों की उपलब्धता के साथ रजिस्टर भी देखा। शर्मा ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में गैस सिलेंडरों की किल्लत नहीं है। पर्याप्त स्टॉक है।

मनीषा मार्केट की राय गैस एजेंसी पर हंगामा

ऑफलाइन बुकिंग से राहत, सिलेंडर के लिए धक्का-मुक्की, बुलाई पुलिस

- आम दिनों की अपेक्षा दोगुना बढ़ी घरेलू सिलेंडरों की डिमांड
- सिलेंडर संकट का सातवां दिन, एजेंसियों पर रही भीड़

प्रदेश में पिछले 7 दिन से घरेलू गैस सिलेंडरों की किल्लत जारी है। बुकिंग और डिलीवरी को लेकर उपभोक्ता परेशान हैं। बुकिंग में आ रही दिक्कत को देखते हुए इंडेन कंपनी ने ऑफलाइन बुकिंग शुरू कर दी है, जिससे लोगों को सिलेंडर मिलने की उम्मीद बढ़ गई है। शनिवार को भी गैस एजेंसियों के बाहर सुबह से लंबी कतारें लगी रहीं, तो कहीं लोग घंटों इंतजार के बाद भी खाली सिलेंडर लेकर लौटे। मनीषा मार्केट स्थित इंडेन की राय गैस एजेंसी पर सुबह से ही लंबी लाइन लग गई थी। आगे लगने के लेकर उपभोक्ताओं ने हंगामा शुरू कर दिया, जिसके बाद एजेंसी संचालक ने पुलिस बुलाई। ग्रामीण सहित शहरी लोग भी अब गैस के विकल्प के तौर पर लकड़ी और कोयला खरीदने को मजबूर हैं। ऑनलाइन बुकिंग नहीं होने से उपभोक्ता एजेंसी पर पहुंचकर ऑफलाइन बुकिंग करवा रहे हैं, फिर भी इंतजार ही हाथ लग रहा है। इधर प्रशासन का दावा है कि एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक है, फिर भी एजेंसी संचालक मनमानी कर रहे हैं।

शनिवार को बैरागढ़ तहसीलदार हर्ष विक्रम सिंह ने भैंसाखेड़ी स्थित भारत और इंडेन गैस एजेंसी की जांच कर कमर्शियल सिलेंडरों की बिक्री नहीं करने की हिदायत दी। उन्होंने कहा कि होटल और रेस्टोरेंट संचालकों को भी गैस की सप्लाई नहीं की जाए। इधर, शहर एसडीएम दीपक पांडेय ने जिंसी चौराहे पर दो गैस एजेंसियों की जांच की। गोविंदपुरा एसडीएम भुवन गुप्ता के निर्देश पर टीम ने मिनाल और अशोका गार्डन में दो गैस एजेंसियों की जांच की।

शुक्रवार को सर्वर डाउन होने के बाद शनिवार को नहीं हुई दिक्कत

छुट्टी वाले दिन भी रजिस्ट्री की भीड़, शाम सात बजे तक 536 ई-रजिस्ट्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शहर में एक अप्रैल से प्रॉपर्टी के दामों में बढ़ोतरी की भनक लगते ही प्रॉपर्टी के खरीदारों ने 31 मार्च के पहले रजिस्ट्री कराने के प्रयास शुरु कर दिए हैं, जिसके तहत पंजीयन दफ्तरों में प्रॉपर्टी के खरीदारों की भीड़ देखी जा रही है। प्रदेश के अधिकतर जिलों में रजिस्ट्री का आंकड़ा बढ़ने से पंजीयन का संपदा सर्वर आए दिन दिक्कत दे रहा है। जिसको लेकर शुक्रवार को सर्वर में एरर आने से दो से तीन घंटे तक रजिस्ट्री का काम ठप रहा, हालांकि शनिवार को देर शाम तक सर्वर ने दिक्कत नहीं दी, जिससे शाम तक भोपाल के आईएसबीटी, परी बाजार और बैरसिया के पंजीयन दफ्तर में 536 रजिस्ट्री दर्ज की गई हैं।

चार करोड़ की आमदनी, आज भी होंगी रजिस्ट्री

शनिवार को रजिस्ट्री की तादाद शाम सात बजे तक 536 पहुंच गई थी, जिससे पंजीयन विभाग को करीब चार करोड़ रुपए से ज्यादा की आमदनी हुई है। इधर, मार्च माह में छुट्टी वाले दिनों में भी रजिस्ट्री की जा रही हैं, जिसके तहत रविवार को भी पंजीयन दफ्तर खुले रहेंगे।

एक सब रजिस्ट्रार को 41 स्लॉट, जरूरत पर बढ़ेंगे

पंजीयन विभाग ने प्रॉपर्टी के खरीदारों की सहुलियत को देखते हुए सब रजिस्ट्रारों के स्लॉट में इजाफा करते हुए 35 से 41 कर दिया है, जिसके तहत जिले के 13 सब रजिस्ट्रार एक दिन में 533 रजिस्ट्री कर सकेंगे। हालांकि जरूरत पढ़ने पर स्लॉट की संख्या और बढ़ा दी जाती है।

पीएनजी की उपलब्धता से उपभोक्ता निश्चिंत

भोपाल। गैस की किल्लत के बीच सिद्धार्थ एनक्लेव, होशंगाबाद रोड की श्रीराम कॉलोनी, अवधपुरी समेत राजधानी अनेक क्षेत्रों के उपभोक्ता गैस की शॉर्टेज को लेकर चिंतित नजर नहीं आ रहे हैं। दरअसल, पीएनजी की आपूर्ति स्थिर बनी हुई है। वहीं कंपनी का कहना है कि यह निरंतरता बनी रहेगी।

न कोहरा न सर्दी, भोपाल देरी से आ रही ट्रेनें

कामायनी एक्सप्रेस 5:10 घंटे, पातालकोट 4 घंटे लेट आई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

इन दिनों न तो सर्दी अधिक है न ही कोहरा, लेकिन भोपाल आने वाली ट्रेनें देरी से आ रही है। शनिवार को भी दो दर्जन से अधिक ट्रेनें 20 मिनट से 5 घंटे की देरी से पहुंची। इसमें कामायनी 5:10 घंटे, पातालकोट एक्सप्रेस 4 घंटे की देरी से आई।

राजधानी से रोज हजारों यात्री सफर करते हैं। ट्विटर पर भोपाल से चलने और यहां से गुजरने वाली ट्रेनों को लेकर लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं।

यह ट्रेनें पहुंची देरी से

- ▶▶ 11072 कामायनी 5:10 घंटे
- ▶▶ 20424 पातालकोट 4.00 घंटे
- ▶▶ 12920 मालवा एक्स. 2:31 घंटे
- ▶▶ 11058 अमृतसर 0:26 मिनट
- ▶▶ 14116 प्रयागराज - डॉ. आंबेडकर नगर 1:52 घंटे
- ▶▶ 12156 भोपाल एक्सप्रेस 0:21 मिनट लेट आई
- ▶▶ 18238 छतीसगढ़ एक्स. 1.21 घंटे लेट आई
- ▶▶ 22537 कुशीनगर एक्सप्रेस 0:30 मिनट लेट आई

नगर निगम के फर्जी ई-बिल भुगतान मामले में निगम आयुक्त की कार्रवाई

सेवतकर को हटाया, शर्मा को जिम्मेदारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

नगर निगम भोपाल में शुक्रवार को आईटी सेल में लोकायुक्त की टीम द्वारा सर्वर सेंटर में सर्च कार्रवाई के बाद निगम प्रशासन में हड़कंप मच गया है। इस बीच निगम आयुक्त संस्कृति जैन ने वित्त एवं लेखा विभाग में प्रशासनिक बदलाव करते हुए अपर आयुक्त गुणवंत सेवतकर को इस जिम्मेदारी से हटा दिया है। उनकी जगह अपर आयुक्त मुकेश शर्मा को वित्त एवं लेखा विभाग का

अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। शनिवार को निगम आयुक्त संस्कृति जैन द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि अपर आयुक्त मुकेश शर्मा अपने वर्तमान कार्यों के साथ-साथ वित्त एवं लेखा विभाग की जिम्मेदारी भी संभालेंगे। वहीं अपर आयुक्त गुणवंत सेवतकर अब इस विभाग के कार्यों से मुक्त रहेंगे।

दरअसल, हाल ही में लोकायुक्त को शिकायत मिली थी कि नगर निगम की केंद्रीय कर्मशाला (मोटर वर्कशॉप) में निगम के वाहनों की मरम्मत, रंग-रोगन और मेंटेनेंस के नाम पर फर्जी ई-बिल तैयार कर लाखों का भुगतान करा लिया गया। आरोप है कि कई मामलों में बिना वास्तविक कार्य कराए ही बिल बनाकर उन्हें सिस्टम में अपलोड किया गया और बाद में भुगतान भी हो गया।

बिना जांच कैसे पास हुए बिल!

सामान्य तौर पर किसी भी भुगतान से पहले बिलों की तकनीकी और वित्तीय जांच की प्रक्रिया होती है, लेकिन आरोप है कि इस मामले में यह प्रक्रिया प्रभावी ढंग से नहीं अपनाई गई। केंद्रीय कर्मशाला से तैयार होकर वित्त विभाग तक पहुंचे ई-बिलों को बिना सत्यापन के ही पास कर दिया गया।

परिचितों की फर्मों को भुगतान

शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि जिन फर्मों के नाम पर भुगतान किया गया, उनमें से कुछ फर्में आरोपित कर्मचारियों के परिचितों और रिश्तेदारों के नाम पर संचालित बताई जा रही हैं। इन फर्मों के माध्यम से सरकारी राशि का हस्तांतरण कर घोटाले को अंजाम देने की आशंका जताई गई है।

सर्वर रिकॉर्ड की जांच में जुटी लोकायुक्त टीम

शुक्रवार को लोकायुक्त की टीम ने नगर निगम के सर्वर सेंटर में पहुंचकर डिजिटल रिकॉर्ड और ई-बिलिंग डेटा की जांच शुरू की। टीम भुगतान से जुड़े दस्तावेजों और ऑनलाइन एंट्री का मिलान कर रही है। आशंका जताई जा रही है कि इस मामले में कई अधिकारी और कर्मचारी भी जांच के दायरे में आ सकते हैं।

खबर संक्षेप

सीएमओ ने नल से आ रहे गंदे पानी का लिया जायजा

औबेदुल्लागंज। वार्ड 14 में कुछ घरों में नलों से गंदे पानी आने की शिकायत मिलने के बाद निरीक्षण करने सीएमओ किरण राहंगडाले पहुंची। निरीक्षण के दौरान निकाय के उपयंत्री मुकेश जैन, जल व्यवस्था स्वच्छता एंबेसडर पुरुषोत्तम शर्मा, प्रभारी प्रमोद तिवारी एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित थे। सीएमओ ने तत्काल समस्या के निराकरण करने के निर्देश दिए।

नाबालिग बेटी से छेड़छाड़ के दोषी पिता को 7 वर्ष का कारावास

भोपाल । 17 वर्षीय नाबालिग पुत्री के साथ अश्लील छेड़छाड़ करने वाले अभियुक्त पिता को न्यायाधीश मनोहर लाल पाटीदार ने बीएनएस की धारा 74,78,115(2) एवं लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 की धारा- 9/10 के अंतर्गत के अंतर्गत दोषी ठहराते हुए 7 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 2000 रूपए के अर्थदण्ड से दण्डित किया है। प्रकरण में अभियोजन की ओर से विशेष लोक अभियोजक अजय शंकर प्रजापति एवं श्रीमती ज्योति कुजूर द्वारा पैरवी की गई थी। अभियोजन के अनुसार दिनांक 21 मई 2025 को पीड़िता ने अपनी माता के साथ पुलिस थाना अशोका गार्डन भोपाल मे उपस्थित होकर इस आशय से रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

तलाकशुदा महिला से दस महीने तक लिव-इन पार्टनर ने किया दुष्कर्म

भोपाल। मिसरोद पुलिस ने 33 साल की तलाकशुदा महिला की शिकायत पर लिव-इन पार्टनर के खिलाफ दुष्कर्म की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। शादी का झांसा देकर आरोपी ने महिला को बैतूल से भोपाल बुला लिया था। दोनों जाटखेड़ी मिसरोद में लिव-इन रिलेशन में रह रहे थे। करीब दस माह तक शारीरिक शोषण करने के बाद आरोपी फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। पुलिस के मुताबिक मूलरूप से बैतूल की रहने वाली 33 साल की महिला का पांच साल पहले तलाक हो गया था। करीब एक साल पहले सोशल मीडिया पर महिला की पहचान गोलू यादव से हुई थी।

पचौरी ने बैतूल पहुंचकर खंडेलवाल की बेटी के निधन पर जताया शोक

औबेदुल्लागंज। भाजपा के वरिष्ठ नेता सुरेश पचौरी ने शनिवार को बैतूल पहुंचकर प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष एवं विधायक हेमंत खंडेलवाल की पुत्री के निधन पर शोक व्यक्त किया।

जनपद अध्यक्ष चौकसे के ससुर को दी श्रद्धांजलि

औबेदुल्लागंज। जनपद अध्यक्ष प्रीति बृजेश चौकसे के ससुर के निधन होने पर जिला जनपद सदस्य, अध्यक्ष सुलेखा रामपाल सिंह चौहान, जनपद सीईओ निखिलेश कटारे, हाकम सिंह गोलू, जगदीश मालवीय, रूपेश चौहान, धर्म सिंह मीणा, रामबाबू सहित अन्य जनपद सदस्यों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

शुभांक

कल्याण:	1736		
दिन:	357	54	248
रात:	177	58	378
तारा:			
दिन:	246	25	258
रात:	669	13	788

क्षेत्र की कई चाय नाश्ता की दुकाने बंद होने की कगार पर, वैकल्पिक व्यवस्था पर बना रहे खाना

औबेदुल्लागंज में गैस सिलेंडर की किल्लत से उपभोक्ता परेशान एजेंसी के लगा रहे चक्कर, ब्लैक में 1500 रु. में मिल रहा सिलेंडर

» लोगों ने अधिकारियों से शीघ्र ही समस्या का समाधान करने की अपील की है

» जल्द ही गैस सिलेंडर की नियमित आपूर्ति शुरू नहीं हुई तो समस्या और बढ़ सकती है

हरिभूमि न्यूज ⏭ औबेदुल्लागंज

नगर में इन दिनों घरेलू गैस सिलेंडर की किल्लत से उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई उपभोक्ताओं का कहना है कि गैस एजेंसियों पर समय पर सिलेंडर उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं, जिससे लोगों को रोजमर्रा के कामकाज में दिक्कतें आ रही हैं। बताया जा रहा है कि कई उपभोक्ताओं ने गैस सिलेंडर की बुकिंग कई दिन पहले करा दी थी, लेकिन अब तक डिलीवरी नहीं हो पाई है। वहीं कुछ लोगों को एजेंसी पर बार-बार चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। गैस की कमी के कारण कई परिवारों को वैकल्पिक व्यवस्था कर खाना बनाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

नगरवासियों का कहना है कि अचानक गैस सिलेंडर की आपूर्ति कम होने से यह स्थिति बनी है। लोगों ने प्रशासन और संबंधित गैस एजेंसियों से जल्द से जल्द पर्याप्त मात्रा में सिलेंडर उपलब्ध कराने की मांग की है। यदि जल्द ही गैस सिलेंडर की नियमित आपूर्ति शुरू नहीं हुई तो समस्या और बढ़ सकती है। उपभोक्ताओं ने संबंधित अधिकारियों से इस ओर ध्यान देकर समस्या का समाधान करने की अपील की है।

एलपीजी गैस सिलेंडर की किल्लत के चलते एजेंसी पर लगी उपभोक्ताओं की भीड़।

सिलेंडरों की हो रही जमकर कालाबाजारी

नगर में एलपीजी गैस सिलेंडर की कालाबाजारी करने वालों को आसानी से सिलेंडर मिल रहे हैं और वे ब्लैक में 1000 से 1500 रुपए तक में खुलेआम बेच रहे हैं। कई छोटी चाय नाश्ते की दुकानें गैस सिलेंडर न मिलने के कारण बंद होने की कगार पर हैं। भाजपा नेत्री रेखा कपूर ने बताया कि मैने 25 दिन पहले गैस सिलेंडर बुक किया था, मगर अभी तक नहीं मिला।

एक नंबर लगाकर दूसरे की बुकिंग कर रहे उपभोक्ता

इंडियन गैस एजेंसी के मैनेजर सुनील मालवीय ने बताया कि गैस सिलेंडर की कमी नहीं है, मगर आजकल गैस सिलेंडर एक नंबर लगाकर दूसरे गैस सिलेंडर की बुकिंग करने लगते हैं, जिससे उपभोक्ता भी परेशान हो रहे हैं और हमें भी परेशानी हो रही है। उपभोक्ता इतनी जल्दी जल्दी गैस सिलेंडर क्यों बुक कर रहे हैं? यह हमें भी नहीं मालूम। इसी कारण दिक्कत आ रही है।

घरेलू गैस की कोई समस्या नहीं

एसडीएम चंद्रशेखर श्रीवास्तव ने बताया कि घरेलू गैस की कोई कोई समस्या नहीं है। हमने इसके लिए पटवारी को निगरानी मैं लगाया है। तहसीलदार को पूरे निरीक्षण के लिए लगाया है। उन्होंने कहा उपभोक्ता घरेलू गैस का स्टॉक करने के लिए जल्दी-जल्दी नंबर लग रहे हैं। कुछ लोगों द्वारा गैस सिलेंडर की कालाबाजारी करने की शिकायत आई है, उनको चेतावनी दी है, साथ ही कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

गैस सिलेंडर न मिलने से परेशान केटरर्स अब फूंक रहे है चूल्हा, आगामी ऑर्डर किए कैंसिल

संतनगर। इजराइल-ईरान युद्ध का असर पेट्रोल, डीज़ल, गैस सिलेंडर सप्लाई के अलावा हर क्षेत्र पर पड़ रहा है। ख़ासकर खाने-पीने की वस्तु भी महंगी हो गई है। यहां पर बिकने वाला दाल पकवान जो 20 रुपए में मिलता था अब 25-30 रुपए में मिल रहा है। इसी तरह हर तरह की खाने पीने की वस्तुएं महंगी हो गई हैं।

इसका सबसे ज़्यादा असर केटरर्स व्यवसाय पर पड़ा है, जो शादी या अन्य प्रकार भी भोज़न बनने का काम करते थे। उन्हें अब सिलेंडर नहीं मिलने के कारण काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और अब लकड़ी आदि का चूल्हा जलाकर काम चलना पड़ रहा है। जो केटरर्स एडवांस ऑर्डर लिए थे वे भी संकट के कगार पर है।

चूल्हे में बन रहे खाना : वरिष्ठ समाजसेवी महेश खटवानी का कहना है कि कई केटर्स ने कामर्शियल गैस सिलेंडर की कमी के कारण लकड़ी के चूल्हे जला रहे हैं, जो ऑर्डर पुराने ले लिए हुए थे उनके ऑर्डर पूरे करने हैं। बीते एक सप्ताह से चल रही कामर्शियल गैस सिलेंडर की कमी के कारण यहां आम जनता के साथ-साथ केटर्स भी परेशान हैं।

20 रुपए का दाल पकवान 30 का हुआ

नाश्ते के भाव में 25% बढ़ोतरी

केटरर्स ऑर्डर पूरा करने के लिए चूल्हे पर बना रहे खाना।

चूल्हे पर बने भोजन में आधुनिक स्वाद नहीं आ पाता

केटरर्स संचालकों का सीधा कहना है कि हमें कमर्शियल सिलेंडर नहीं मिलेगा तो हम भोजन बनाने की व्यवस्था कैसे कर पाएंगे। लकड़ी के चूल्हे आदि की व्यवस्था करते हैं तो भोजन वह आधुनिक स्वाद नहीं आ पाता है, वो भी बड़ी काफी परेशानी है। फिलहाल काम लकड़ी के चूले जलाकर किया जा रहा है। प्रवीण केटर्स सहित कई केटर्स ने गैस सिलेंडर की कमी के कारण लकड़ी के चूल्हे जला कर अपना काम कर रहे हैं। केटर्स संचालक प्रवीण मेहरचंदानी ने बताया कि जो ऑर्डर पुराने लिए हुए हैं, उनके ऑर्डर पूरे करने है। अब नए ऑर्डर लेने में केटर्स काफी सोच विचार कर रहे हैं, और सभी आगामी ऑर्डर कैंसिल करने की नौबत आ गई है।

कलेक्टर ने गोदामों और एजेंसियों का किया निरीक्षण

बैरसिया। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने बैरसिया में घरेलू गैस गोदामों और एजेंसियों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मैदानी हकीकत जानी। जिले में एलपीजी सहित अन्य ईंधनों के परिवहन, भंडारण और वितरण पर विशेष निगरानी जारी है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि भोपाल में घरेलू गैस की कमी नहीं है, निर्बाध आपूर्ति जारी रहेगी। निरीक्षण के दौरान जिला खाद्य आपूर्ति नियंत्रक चंद्रभान सिंह जादौन को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

मंडीदीप में एलपीजी गैस एजेंसी के अनुज्ञप्ति की शर्तों का उल्लंघन

एसडीएम ने कार्रवाई कर 125 सिलेंडर किए जब्त, पंचनामा बनाया

मंडीदीप। मंडीदीप के सी सेक्टर सी के प्लॉट नंबर 15 में विनोद कुमार जैन प्रोपराइटर द्वारा एचपीसीएल कंपनी के कमर्शियल सिलेंडर के ऑटोराइज डीलर होने के साथ सिक्योरिटी पेपर मिल होशंगाबाद को सप्लाई करने के लिए 85 सिलेंडर ट्रक में रखे पाए गए, जो कि शुक्रवार को प्राप्त हुए थे। जो प्रेस न भेज कर अपने परिसर में रखे पाए गए हैं। इसी परिसर में 19 केजी के 115 नग व 5 केजी के 10 (5भरे व 5 रिक्त) रखे पाए गए, जो कि गोडाउन में न रखकर बाहर खुले में रखे पाए गए। जो कि अनुज्ञप्ति की शर्तों का उल्लंघन है। मौके पर विधिवत जब्त कर प्रो. विनोद जैन को सुपुर्द दिया गया। इस प्रकार मौके पर पंचनामा तैयार किया गया। यह कार्रवाई कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा के निर्देशन में राजस्व अधिकारी चंद्रशेखर श्रीवास्तव, जिला आपूर्ति अधिकारी राजू कातुलकर, तहसीलदार हेमंत शर्मा, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी प्रताप सिंह, सहायक आपूर्ति अधिकारी संगीता एवं थाना प्रभारी रंजीत सराठे द्वारा की गई।

मंडीदीप के औद्योगिक क्षेत्र में व्यावसायिक सिलेंडर की जानकारी लेते एसडीएम चंद्रशेखर श्रीवास्तव और खाद्य विभाग के आला अधिकारी।

इंडस्ट्रीज एसोसिएशन और जैन यूथ क्लब ने लगाया शिविर

213 यूनिट रक्त एकत्रित, 50 से अधिक उद्योगों के प्रतिनिधियों ने लिया भाग

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडीदीप

मंडीदीप में शनिवार को सुबह 10 बजे ऑल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन ऑफ मंडीदीप एवं जैन यूथ क्लब के तत्वावधान में एसोसिएशन की बिल्डिंग प्रांगण में रक्त दान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 213 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। एसोसिएशन के सचिव राजीव जैन ने बताया कि एसोसिएशन के द्वारा ये लगातार तीसरा वर्ष है।

भोपाल में जैन यूथ क्लब का 12वां वर्ष है, जिसमें मंडीदीप उद्योग के करीब 50 से अधिक उद्योगपतियों एवं उनके कर्मचारी ने हिस्सा लिया। इसके बाद रक्तदान के दानदाताओं को प्रशस्ति पत्र दिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से

एसोसिएशन ऑफ आल इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष विकाश मुंद्रा, पूर्व अध्यक्ष राजीव अग्रवाल, सचिव नीरज जैन, आदित्य मोदी, सुधीर बंसल, एन के सोनी, दीपक गुप्ता, हरीश डावर, तो जैन यूथ क्लब के विकाश, चैतन्य जैन, शुभम, शशांक, आदित्य बाफना एवं नितेश जैन उपस्थित रहे।

पेट्रोल पंप पर सिगरेट पीने से रोका तो मशीन में पत्थर से की तोड़फोड़, केस दर्ज

भोपाल। कजलीखेड़ा थाना क्षेत्र स्थित होलीक्रॉस स्कूल के पास पेट्रोल पंप पर शुक्रवार रात ऑटो चालक ने जमकर हंगामा करते हुए मशीन में तोड़फोड़ कर दी। दरअसल, सेल्समैन ने उसे पेट्रोल पंप पर सिगरेट पीने से मना किया था। इससे नाराज ऑटो चालक ने सेल्समैन से गाली-गलौज करते हुए मशीन में तोड़फोड़ कर दी। पुलिस ने सेल्समैन की शिकायत पर आरोपी आटो चालक के खिलाफ तोड़फोड़ सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार दीपक मालवीय (36) नीलबड़ चौराहा पर रहता है और होलीक्रॉस स्कूल के पास पेट्रोल पंप पर सेल्समैन की नौकरी करता है। उसने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि शुक्रवार रात करीब साढ़े 9 बजे वह ड्यूटी पर था। इसी दौरान ऑटो चालक दीपक तोमर ऑटो लेकर पहुंचा। ऑटो से उतरकर वह पेट्रोल पंप पर सिगरेट पीने लगा। उसने कहा कि आटो में पेट्रोल डाल दो। दीपक मालवीय ने उसे सिगरेट पीने से मना किया तो वह भड़क गया और गाली गलौज करने लगा। पत्थर से तोड़फोड़ करने लगा जिससे पंप की मशीन में नुकसान हुआ है।

पुलिस ने आरोपियों के पास से 80 हजार का मशरुका बरामद किया

घर में घुस कर चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, एक की तलाश जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ औबेदुल्लागंज

औबेदुल्लागंज थाना पुलिस ने कार्रवाई कर नकबजनी के दो मामले में 2 आरोपियों को गिरफ्तार कुल 80 हजार का मशरुका बरामद किया। पुलिस फरार एक आरोपी की तलाश में जुटी है।

16 जनवरी 2026 को फरियादी सुनीता ने थाने में आकर रिपोर्ट दर्ज कराया था। उन्होंने शिकायत में बताया कि 15 जनवरी की रात में कोई अज्ञात व्यक्ति ने घर का ताला तोड़कर घर के अंदर रखी लोहे की अलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवरात व नगदी करीबन 40 हजार रुपए सहित कुल मशरुका 1,75000 रुपए चोरी कर ले गया है। वहीं दूसरा मामला 16 जनवरी 2026 को पदम सिंह चौहान ने थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराया था। उन्होंने बताया कि 15 जनवरी 2026 की रात में घर का ताला तोड़कर कोई अज्ञात व्यक्ति ने घर में रखी 2 लोहे की अलमारियों में से सोने-चांदी के जेवरात व नगदी सहित कुल मशरुका 90,000 रुपए चोरी कर ले गया है। दोनों फरियादी की रिपोर्ट पर अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया।

पुलिस गिरफ्त में चोरी के आरोपी।

मुखबिर की सूचना पर पहुंची पुलिस

विवेचना के दौरान गठित टीम द्वारा आरोपियों की तलास शुरू की गई। इसी बीच मुखबिर की सूचना पर आरोपी कासिफ उर्फ सोहिल पिता असलम खान उम्र 30 साल, निवासी आयसर कंपनी के सामने सतलापुर एवं प्रवीण उर्फ अन्ना पिता भैयालाल लांझीवार उम्र 27 साल निवासी बगीचा कॉलोनी मंडीदीप को पकड़कर पूछताछ करने पर जुर्म करना स्वीकार किया एवं चोरी किए मशरुका में से चांदी के जेवरात व नगदी सहित कुल 80,000 का बरामद बरामद किया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में प्रस्तुत किया, जहां से जेल भेजा गया गया। एक अन्य आरोपी प्रांजल चौहान से सोने के जेवरात व नगदी की बरामदगी के लिए उसकी तलाश जारी है।

जनपद सदस्यों के 15 वित्त आयोग की जनसंपर्क निधि साढ़े तीन साल से अटकी

औबेदुल्लागंज जनपद पंचायत में हो रहा भारी भष्टाचार, विकास कार्य के नाम पर फर्जी बिल वाउचर लगा कर लाखों की हेराफेरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ औबेदुल्लागंज

प्रधानमंत्री और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री कि मनसा है कि पंचायतों में अच्छा एवं गुणवत्ता युक्त निर्माण हो। पंचायत में राम राज्य आए, आखिरी पंक्ति के लोगों को सरकार की योजनाओं का लाभ मिले। मगर औबेदुल्लागंज की पंचायत में खुली कमीशन बाजी और भारी भ्रष्टाचार जारी है। जनपद के निर्वाचित भाजपा के जनपद सदस्यों ने कहा है कि जनपद सदस्यों को 15 वित्त आयोग की जनसंपर्क निधि साढ़े तीन साल से नहीं मिली है। वहीं 2025 में मुख्यमंत्री द्वारा श्री गंगाजल संवर्धन योजना के कार्य औबेदुल्लागंज जनपद से गायब है।

जनपद सदस्यों ने कहा कि औबेदुल्लागंज जनपद पंचायत में बैठे

अधिकारी जनपद सदस्यों को कोई जानकारी नहीं देते हैं। जनपद की बैठक में जनपद सीईओ निखिलेश कटारे ने सभी के जनपद सदस्यों से कहा था कि चंद दिनों में जनपद सदस्यों की जनसंपर्क निधि से भूमि पूजन कराएंगे, आप सभी जनपद सदस्य तैयार रहें, लेकिन इस बात को भी कई महीने बीत जाने के बाद भी किसी भी कार्य का भूमि पूजन नहीं हुआ है। जनपद सदस्यों ने बताया कि औबेदुल्लागंज जनपद पंचायत में खुलेआम कमीशन बाजी के कारण करोड़ों का भ्रष्टाचार हुआ है, जिसमें फर्जी ठेकेदारों के नाम के लेटर हेड लगे हैं। प्रत्येक पंचायत में न दुकान का पता है न फॉर्म का पता। इसके बावजूद लोहा, सीमेंट, रेट, गिट्टी, ईंट, टाइल्स, बिजली फिटिंग आदि के फर्जी फॉर्म, फर्जी दुकानों के नाम बिल वाउचर बने हैं। यदि पंचायत के दस्तावेज की जांच की जाए जो बड़ा घोटाला सामने आ सकता है। जनपद सदस्यों एवं जनपद पंचायत के 300 पंच एवं 20 उप सरपंचों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल से मांग की है कि औबेदुल्लागंज जनपद पंचायत में हो रही गड़बड़ियों की जांच की जाए।

इन पंचायतों की होनी चाहिए जांच

जनपद सदस्यों ने कहा पंचायत मैंदुआ, आशापुरी, अंबाई, हर्रई, बड़बाई, इमलिया, गोंडी, बरबटपुर, कामतोन, कंसिया, धंभुसार, पड़ोनिया, पोलहा, साल्कनी, राजल, बाड़ी, नूरगंज, चिकलोद खुर्द आदि पंचायतों में सीसी रोड, नाली निर्माण, पौधरोपण, कचर गड्डा, कुआ निर्माण, शौचालय, खेत पर मेड़ बंधन, आंगनबाड़ी शाला पंचायत भवन, प्रधानमंत्री आवास, गोशाला, खेल मैदान आदि का सत्यापन कराया जाना चाहिए।

दोषियों पर होगी कार्रवाई

औबेदुल्लागंज जनपद सीईओ निखिलेश कटारे ने फोन पर बताया कि कार्रवाई चल रही है। जिला जनपद सीईओ कमल सोलंकी ने बताया कि मेने अभी पदभार ग्रहण किया है समस्याओं को मैं खुद जांच करुंगा और दोषियों पर सख्त कार्रवाई करूंगा।

विवाद के बाद परिजन हुए आमने-सामने

पतंग काटने पर नाबालिगों में विवाद, किशोर को मारी छुरी

» दोनों पक्षों की ओर से पुलिस ने किया काउंटर प्रकरण दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

टीलाजमालपुरा में पतंग काटने की बात पर दो नाबालिगों में विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर दोनों के परिवार आमने-सामने हो गए। इस दौरान लात घूंसे और डंडे सहित छुरी से हमला होने से दोनों पक्षों के लोगों को चोट आई है।

पुलिस ने दोनों पक्षों की ओर से काउंटर प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 16 साल का किशोर कांग्रेस नगर टीला जमालपुरा में रहता है। इसी इलाके में एक अन्य नाबालिग रहता है। दोनों शुक्रवार शाम पतंग उड़ा रहे थे। इस दौरान एक नाबालिग ने दूसरे नाबालिग की पतंग काट दी। नाबालिग रोता हुआ घर गया और अपने भाई को बताया। भाई पतंग काटने वाले नाबालिग को समझाइश देने पहुंचा तो उसने गाली-गलौज शुरू कर दी। उसके साथ मे हसीन और शाहिल भी आ गए। ये लोग भी गालियां देनी शुरू कर दी। इसी बीच उन्होंने डंडा से हमला किया था। विवाद होने पर दोनों पक्षों से लोग आमने सामने हो गए। इस विवाद में एक पक्ष की ओर से छुरी से हमला किया गया है। छुरी नाबालिग को नाक के पास लगी है, जिससे नाबालिग को चोट आई है।

आईसीएसआई ने 2047 तक 1.5 लाख सीएस बनाने का रखा लक्ष्य, बनाया जा रहा रोडमैप

आईसीएसआई भोपाल चैप्टर के विशेषज्ञों ने दी लोन, निवेश, संबंधित पक्ष लेनदेन पर जानकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

आईसीएसआई ने 2047 तक देशभर में 1.5 लाख सीएस बनाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए रोडमैप तैयार किया जा रहा है। यह बात आईसीएसआई के प्रेसिडेंट पवन चांडक ने शनिवार को भोपाल चैप्टर के ज्ञानोदय विषय पर होटल मोटल शिराज में आयोजित कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा कि फिलहाल 12000 सक्रिय सीएस हैं। देश की आर्थिक तरक्की के लिए ज्यादा से ज्यादा सीएस बनाने होंगे।

कार्यक्रम में भारतीय कंपनी सचिव संस्थान के कंपनी के प्रेसिडेंट, पदाधिकारी, सदस्य, छात्र एवं कॉरपोरेट जगत से जुड़ी हस्तियां मौजूद रहीं। कार्यक्रम के तकनीकी सत्रों में विशेषज्ञों ने आईसीएसआई से जुड़े विभिन्न विषयों पर जानकारी दी। प्रथम सत्र में सीएस वेंकटरामन कृष्णन ने प्रैक्टिसिंग कंपनी सेक्रेटरी ने लोन, निवेश, संबंधित पक्ष लेनदेन विषय पर जानकारी दी। द्वितीय सत्र में डॉ. प्रिया सोनपर ने समग्र स्वास्थ्य एवं कार्यस्थल पर तनाव विषय पर प्रतिभागियों को मानसिक संतुलन बनाए रखने के उपाय साझा किए। प्रेसिडेंट पवन चांडक ने संस्थान से जुडे.मुद्दों पर अपनी बात रखते हुए कहा कि वर्तमान समय में कंपनी सेक्रेटरी न केवल अनुपालन सुनिश्चित करने में बल्कि संगठनों के रणनीतिक निर्णयों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान (आईसीएसआई) के सीएस अंकुर चौकसे, सीएस मनीष पाटीदार, सीएस सीएस अमन जैन, सीएस प्रदीप मुटरेजा, सीएस प्रवेश धवन, सीएस आशीष करोडिया, सीएस राजेश तरपारा, सीएस अंकित रोहित भी उपस्थिति थे।

आयोजित कार्यक्रम में शामिल अतिथि।

आईसीएसआई के देशभर में हैं 35 सेंटर

आईसीएसआई के प्रेसिडेंट पवन चांडक ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि आईसीएसआई के पूरे देश में 35 सेंटर है। देश की बड़ी मल्टीनेशनल कंपनियों में सीएस के बिना कार्य करना नामुमकिन है। कंपनियों के टर्नओवर व विकास में सीएस का महत्वपूर्ण योगदान है। सीएस के बिना कंपनियां डूब सकती है। सीएस देश की अर्थवयव्स्था का अभिन्न अंग है। भोपाल चैप्टर में 5400 स्टूडेंटस सीएस की तैयारी कर रहे है। 60 प्रतिशत लड़कियां सीएस की तैयारी कर रहीं है। आईसीएसआई ने देश की नामी सेंट्रल, स्टेट व प्राईवेट यूनिवर्सिटीयों के साथ 186 एमओयू साइन किए है।

शहीद सैनिक की बेटी की सीएस तैयारी के लिए निःशुल्क शिक्षा

चांडक ने बताया कि अगर कोई शहीद सैनिक की बेटी सीएस की तैयारी करती है तो उनके लिए आईसीएसआई ने निःशुल्क शिक्षा देने का निर्णय भी लिया है। प्रेसिडेंट चांडक के मुताबिक सीए बनने से कहीं ज्यादा कठिन सीएस बनना है। सीए की मार्केटिंग सीएस के मुकाबलें ज्यादा है, इसलिए बच्चे सीए की तैयारी ज्यादा करते हैं।

खबर संक्षेप

मंत्री राजपूत करेंगे विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ

भोपाल। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत 15 मार्च, रविवार को सुबह 11 बजे कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे। साथ ही राज्य स्तरीय उपभोक्ता प्रदर्शनी का भी शुभारंभ करेंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि तथा जनप्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम का आयोजन खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की ओर से किया जा रहा है।

जनजातीय सम्मेलन में आज शामिल होंगे मुख्यमंत्री डॉ. यादव

विशेष प्रतिनिधि,भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 15 मार्च रविवार को बुरहानपुर जिले के नेपानगर में विभिन्न विकास कार्यों की सौगात देंगे। इस अवसर पर वे 363 करोड़ 82 लाख रूपए के 127 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन करेंगे। नेपानगर में 'जनजातीय सम्मेलन एवं विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमि-पूजन कार्यक्रम' में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत कार्यशाला भी आयोजित होगी। जनजातीय बाहुल्य नेपानगर में जनजातीय समुदाय की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। साथ ही डॉ. मोहन यादव समाज के लोगों से संवाद भी करेंगे। जनजातीय सम्मेलन में कृषि, उद्यानिकी, पशु चिकित्सा, आजीविका मिशन, वन विभाग की 'विकास प्रदर्शनी' भी रहेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सम्मेलन में विभिन्न योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को हितलाभ भी वितरित करेंगे।

शुजालपुर में हुआ सर्व धर्म सामूहिक विवाह सम्मेलन

सामूहिक विवाह सामाजिक सद्भाव बढ़ाने का सशक्त माध्यमः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

विशेष प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारी संस्कृति के मूल में सामाजिकता है, सद्भाव है और इस सद्भाव को बढ़ाने में सामूहिक विवाह सम्मेलन एक बड़ा ही मजबूत और कारगर माध्यम है। उन्होंने कहा कि पहले बेटी के जन्म होने के साथ ही उसके परिवार को बेटी की शादी की चिंता सताती थी, लेकिन अब मुख्यमंत्री कन्या विवाह-निकाह योजना के माध्यम से मध्यप्रदेश सरकार बेटियों का कन्यादान और विदाई कर रही है।

इस योजना से प्रदेश के गरीब-वंचित और जरूरतमंद परिवारों की बेटियों का घर बस रहा है। डॉ. यादव शनिवार को मुख्यमंत्री निवास से शाजापुर जिले के शुजालपुर में हुए सर्व धर्म सामूहिक विवाह सम्मेलन को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संबोधित कर रहे थे। सम्मेलन में 200 बेटियों का सामूहिक विवाह-निकाह सम्पन्न हुआ। इसमें 162 बेटियों का विधि-विधान से विवाह और 38 बेटियों का कबूलियत निकाह कराया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर नवविवाहित जोड़े को मंगलाशीष के तौर पर सरकार की ओर से गृहस्थी के लिए 49-49 हजार रूपए दिए जा रहे हैं।

162 बेटियों का विवाह और 38 बेटियों का हुआ निकाह

कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित करते मुख्यमंत्री डॉ. मोहन।

शादी-ब्याह में होने वाले फिजूलखर्चों से बचें: सीएम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि मितव्ययिता बेहद जरूरी है। इसलिए शादी-ब्याह में होने वाले फिजूलखर्चों से बचें। अपने बेटे-बेटियों का विवाह, निकाह सामान्य समारोह या सामूहिक विवाह सम्मेलन में ही करें। इससे जो धन बचे, वह अपने बच्चों के बेहतर जीवन के लिए बचाकर रखें। मुख्यमंत्री ने बताया कि उन्होंने अपने पुत्र का विवाह भी सामूहिक विवाह सम्मेलन में ही कराया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी नवविवाहित जोड़ों को बधाई और सफल वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं और आशीर्वाद दिया। मुख्यमंत्री ने आशा व्यक्त की कि यह सामूहिक विवाह सम्मेलन आगे और भी अधिक विशाल बनेगा।

योजना ने बनाई अपनी एक अलग ही पहचान

उच्च शिक्षा, आयुष एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने विवाह सम्मेलन में कहा कि हमारी सरकार ने समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए योजनाएं बनाई हैं। सामाजिक सुरक्षा और सद्भाव के लिए मुख्यमंत्री कन्या विवाह, निकाह योजना ने अपनी एक अलग ही पहचान बनाई है। आज के दौर में विवाह आयोजनों में फिजूलखर्ची बढ़ रही है। यह समाज के हित में नहीं है। इसलिए सभी को अपने पुत्र-पुत्रियों का विवाह सामूहिक विवाह और ऐसे आयोजनों में ही कराने की ओर बढ़ना होगा। परमार ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि सभी का जीवन प्रेम, विश्वास, सम्मान और संस्कारों से परिपूर्ण रहे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल के बैतूल निवास पहुंचे सीएम डॉ. मोहन, स्व. सुरभि को अर्पित की श्रद्धांजलि

खंडेलवाल से चर्चा करते सीएम।

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल के बैतूल स्थित निवास पहुंचे। यहां मुख्यमंत्री ने प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल की सुपुत्री सुरभि खण्डेलवाल के दुःखद निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित कर शोक संतप्त परिवार को संबल प्रदान किया।

स्व. सुरभि को श्रद्धांजलि अर्पित करते डॉ. यादव।

स्व. सुरभि खंडेलवाल को दी श्रद्धांजलि

भाजपा मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक हेमंत खंडेलवाल की सुपुत्री स्वर्गीय सुरभि खंडेलवाल के असामयिक निधन पर बैतूल पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा शोकाकुल परिजनों से भेंट कर उन्हें ढांढस बंधाया गया। इस दौरान ईश्वर से प्रार्थना की गई कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोक संतप्त परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी जिला मीडिया प्रभारी राजेंद्र गुप्ता, भारतीय जनता पार्टी झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ के जिला संयोजक दक्षिण पश्चिम विधानसभा के प्रभारी महेंद्र दवे, भाजपा जिला कार्यसमिति सदस्य विनय पांडे तथा महाराणा प्रताप मंडल महामंत्री अंकित शर्मा सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

श्रवण बाधित पेशेवरों एवं सांकेतिक भाषा इंटरप्रेटर्स के लिए देश का प्रथम भौतिक मध्यस्थता प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से श्रवण बाधित पेशेवरों तथा सांकेतिक भाषा इंटरप्रेटर्स के लिए भारत का प्रथम भौतिक 40-घंटे का मध्यस्थता प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया है। पांच दिवसीय यह गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम इंदौर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण इंदौर के सहयोग से तथा उच्चतम न्यायालय की मध्यस्थता एवं सुलह परियोजना समिति (एमसीपीसी) नई दिल्ली के तत्वावधान में किया जा रहा है।

न्याय तक समावेशी पहुंच को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए यह कार्यक्रम शुरू किया गया है। यह पहल न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा मुख्य न्यायाधिपति मप्र उच्च न्यायालय एवं मुख्य संरक्षक, मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के दूरदर्शी नेतृत्व में तथा न्यायमूर्ति विवेक रूसिया प्रशासनिक न्यायाधिपति मप्र उच्च न्यायालय एवं कार्यपालक अध्यक्ष, मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में शुरू की गई है। कार्यक्रम का शुभारंभ न्यायमूर्ति विजय कुमार शुक्ला न्यायाधिपति मप्र उच्च न्यायालय एवं अध्यक्ष, उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति, इंदौर की ओर से किया गया।

सहमति आधारित समाधान को सुगम बनाने की विधि

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को भारत में मध्यस्थता के विधिक ढांचे से भी परिचित कराया जा रहा है, जिसमें सिविल प्रक्रिया संहिता की धारा 89 के तहत निहित सिद्धांतों तथा मध्यस्थों से अपेक्षित व्यावसायिक मानकों की जानकारी शामिल है। इस पहल को आनंद सर्विस सोसाइटी व ज्ञानेंद्र पुरोहित ने श्रवण बाधित समुदाय के साथ समन्वय स्थापित करने और प्रतिभागियों की सहभागिता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में अनुप कुमार त्रिपाठी, प्रिंसिपल रजिस्ट्रार मप्र हाईकोर्ट खंडपीठ इंदौर, शिवराज सिंह गवली, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, इंदौर, अनिरुद्ध जैन, उप सचिव मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण और दीपक शर्मा, जिला विधिक सहायता अधिकारी उपस्थित रहे।

न्याय वितरण प्रणाली को निरंतर विकसित होना चाहिए

न्यायमूर्ति शुक्ला ने कहा कि मध्यस्थता न्याय की सबसे मानवीय और सहभागी विधाओं में से एक है, जहां टकराव के स्थान पर संवाद और आपसी समझ के माध्यम से स्थायी समाधान प्राप्त होते हैं। उन्होंने कहा कि न्याय वितरण प्रणाली को निरंतर विकसित होना चाहिए, जिससे विवाद निवारण की व्यवस्थाओं का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंच सके। श्रवण बाधित पेशेवरों और सांकेतिक भाषा इंटरप्रेटर्स को मध्यस्थता का प्रशिक्षण प्रदान करना इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे वैकल्पिक विवाद निवारण तंत्र अधिक समावेशी और सुलभ बन सके। मध्यस्थता का मूल आधार समझ, सहानुभूति और संवाद सुश्री सुमन श्रीवास्तव, सदस्य सचिव मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने कहा कि मध्यस्थता का मूल आधार समझ, सहानुभूति और संवाद है।

सुनो शहर सरकार

न लोकार्पण, न नामकरण, काम शुरू

निगम का नया मुख्यालय भवन किसी न किसी कारणों से इन दिनों चर्चा में है। आधे-अधूरे कामों के बीच बिना लोकार्पण किए और नामकरण के विभागों ने यहां पहुंचना शुरू कर दिया। हालात यह हो गए कि जिसके जहां समझ में आया अपनी सुविधा के अनुसार सामग्री जमाना शुरू कर दी, जबकि अलग-अलग फ्लोर पर सबकुछ पहले से ही तय था। इसकी भनक लगने पर निगम प्रशासन ने सख्ती करना शुरू की और अब चरणबद्ध तरीके से सामान पहुंचाया जा रहा है, लेकिन यह चर्चा आम है कि 40 करोड़ रुपए से बने भवन का न तो लोकार्पण किया न नामकरण और काम शुरू कर दिया। निगम प्रशासन लोकार्पण की तैयारी नहीं कर पा रहा है। कारण सभी विभागों का सामान और जमावट करने में एक माह से अधिक का समय लग जाएगा। हालांकि कुछ विभाग यहां पहुंच गए हैं और काम शुरू हो गया है, लेकिन लोकार्पण और नामकरण का इंतजार तो उन्हें भी है।

साहब एक रविवार तो अवकाश दे दीजिए!

राजस्व वसूली को लेकर नगर निगम ने सख्ती शुरू कर दी है। बीते करीब एक माह से हर शनिवार और रविवार जोन और वार्ड कार्यालयों में वसूली का काम हो रहा है। इसके चलते निगम कर्मियों को अवकाश नहीं मिल रहा है। सबसे अधिक परेशानी महिला कर्मचारियों को हो रही है। वे अवकाश के दिन भी लगातार ड्यूटी करने से बेहद नाराज हैं। अब तो उनका गुस्सा भी सामने आने लगा है। कई वार्ड ऐसे भी हैं, जहां महिला कर्मचारी केवल ड्यूटी कर रही हैं और उनके वार्ड में राजस्व वसूली का लक्ष्य लगभग पूरा भी हो गया है। बीते शनिवार को शहर के कामर्शियल जोन में एक वार्ड कार्यालय में पदस्थ महिला कर्मी ने वार्ड अधिकारी के आते ही अपना दर्द सुनाते हुए कहा कि साहब एक रविवार को तो अवकाश दे दीजिए, लेकिन साहब भी क्या करें, उनके हाथ में कुछ भी नहीं। निगम आयुक्त का आदेश है तो सभी को मानना पड़ेगा। अभी मार्च माह में चार विशेष राजस्व वसूली शिविर बाकी हैं, जो आगामी शनिवार और रविवार को लगेंगे।

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होते ही हो रही कार्रवाई

इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से हुई मौतों के बाद भोपाल नगर निगम ने शहरभर में पानी के सैंपल लेने, उसकी जांच करवाने, लीकेज सुधरवाने जैसे काम शुरू किए हैं। यह काम रोजाना ही हो रहा है, लेकिन शहर के कुछ क्षेत्र ऐसे भी हैं जहां पानी की लाइनें और सीवेज की लाइनें एक साथ बिछी हैं। गंदे पानी की समस्या भी है, लेकिन शिकायत पर सुनवाई नहीं होती। बीते माह अशोका गार्डन क्षेत्र में जब लोगों की शिकायत नहीं सुनी गई तो उन्होंने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। बस फिर क्या था मौके पर अधिकारी-कर्मचारी पहुंच गए। इसी तरह का एक मामला गत दिनों कल्याण नगर में भी सामने आया। लोग परेशान हो रहे थे, लेकिन सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद वहां पानी की सप्लाई बंद की गई और टैंकरों से पानी भी सप्लाई किया, अब उक्त क्षेत्र में पाइप लाइनें भी बदली जाएंगी। अब लोग बोलने लगे कि यह तरीका अच्छा है, जब सुनवाई नहीं हो तो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दो।

-एमएम सिद्दीकी

पुरानी पेंशन को लेकर कर्मचारी संघर्ष मोर्चा ने की बैठक

प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के नाम सौंपेंगे ज्ञापन

प्रदेश भर के कर्मचारी 25 अप्रैल को जंतर-मंतर पर करेंगे प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

होमगार्ड सैनिकों की पुरानी पेंशन की मांग का समाधान 20 अप्रैल तक नहीं हुआ तो प्रदेश भर के कर्मचारी 25 अप्रैल को दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करेंगे। कर्मचारी मांगों का ज्ञापन भी प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति को सोंपेंगे।

दिल्ली के जंतर-मंतर पर होने वाले आंदोलन की तैयारियों को लेकर प्रदेश भर में राष्ट्रीय कर्मचारी संघर्ष मोर्चा के पदाधिकारी दौरा कर कर्मचारियों के साथ बैठक कर उनकी लंबित मांगों का मांग पत्र बनाया जारहा है। शनिवार को मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील पाण्डेय, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मायाराम अटल ने जिला गुना हनुमान चौराहे पर राष्ट्रीय कर्मचारी संघर्ष मोर्चा की दिल्ली के जंतर मंतर पर आंदोलन को लेकर बैठक की अध्यक्षता की। प्रदेश अध्यक्ष होमगार्ड प्रकोष्ठ परिसंघ के निवास पर बैठक में सुशील पाण्डेय ने कर्मचारियों की मांगों पर चर्चा कर उसे प्रधानमंत्री को सौंपे जाने वाले मांग पत्र में शामिल किया। पाण्डये ने बताया कि बैठक में होमगार्ड प्रकोष्ठ के प्रांतीय पदाधिकारियों द्वारनिर्णय लिया गया है कि यदि 20 अप्रैल तक होमगार्ड की पुरानी पेंशन की समस्या का निदान नहीं हुआ तो दिल्ली के जंतर मंतर पर सभी परिसंघ से जुड़े होमगार्ड 25 अप्रैल को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करेंगे।

बैठक में शामिल सुशील पाण्डेय व पदाधिकारी शामिल हुए।

आम लोगों को मेट्रो से रूबरू कराने रखा गया था मॉडल

स्मार्ट पार्क के सामने रखा मेट्रो का मॉडल सुभाष नगर डिपो के सामने होगा शिफ्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

शहर के स्मार्ट पार्क के सामने बीते करीब ढाई साल से लोगों के आकर्षण का केंद्र रहे मेट्रो के मॉडल को अब सुभाष नगर मेट्रो डिपो के सामने रखा जाएगा। जल्द ही मेट्रो प्रशासन उक्त मॉडल को शिफ्ट करेगा। इसके लिए तैयारी पूरी हो चुकी है और सुभाष नगर डिपो के बाहर चल रहे निर्माण कार्य भी लगभग पूरे हो चुके हैं।

मेट्रो प्रशासन के अनुसार श्यामला हिल्स स्थित स्मार्ट पार्क में आम लोगों के लिए रखे मेट्रो ट्रेन का माक-अप माडल को हटाया जा रहा है। इसे मेट्रो डिपो के सामने बतौर माडल स्थापित किया जाएगा। यह माक-अप माडल अगस्त-2023 में पार्क में स्थापित किया गया था। तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इसका अनावरण किया था। इसे स्थापित करने का उद्देश्य शहर के लोगों को आगामी मेट्रो सेवा की झलक करीब से दिखाना था। ट्रेन की बनावट, सीटिंग व्यवस्था तथा अन्य सुविधाओं के बारे में जानकारी के लिए रखे उक्त मॉडल को लोग दूर-दूर से देखने आ रहे थे। लंबे समय तक यह आकर्षण का केंद्र रहा। अब मेट्रो के संचालन के बाद जरूर यह केवल शो-पीस बना हुआ था। इसकी अब जरूरत नहीं रही, इसलिए उसे डिपो में सामने रखा जाएगा। यहां इसे प्रदर्शन मॉडल के रूप में रखने से परियोजना से जुड़े आगंतुक और अन्य लोग भी इसे देख सकेंगे।

स्मार्ट पार्क के सामने रखा मेट्रो का मॉडल।

एमसीयू में हैप्पीनेस पर विशेष कोर्स शुरू

भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) में रेखी फाउंडेशन के सहयोग से एमसीयू रेखी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर द साइंस ऑफ हैप्पीनेस शुरू हुआ है। इसके तहत क्रेडिट आधारित एक नया ओपन इलेक्टिव कोर्स प्रारम्भ किया गया है। शनिवार को इस कोर्स की विशेष कक्षा में विद्यार्थियों ने भाग लिया। कक्षा का संचालन डॉ. श्रीहरि कृष्णा और डॉ. रितु शर्मा द्वारा किया गया। यह पहल विश्वविद्यालय और रेखी फाउंडेशन फॉर हैप्पीनेस के बीच हुए अकादमिक एमओयू के अंतर्गत की गई है।

महिला पुलिस अधिकारियों की उपलब्धियों पर सेमिनार आयोजित

प्रकरणों के अनुभव चुनौतियां एवं उपलब्धियों का प्रस्तुतिकरण किया

उत्कृष्ट विवेचना के लिए महिला अधिकारियों का सम्मान, 95 महिला पुलिस अधिकारी हुई शामिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

महिला सुरक्षा शाखा पुलिस मुख्यालय ने नवीन पुलिस मुख्यालय स्थित सभागार में महिला पुलिस अधिकारियों की उपलब्धियों का प्रस्तुतिकरण एवं सम्मान विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक से लेकर प्रधान आरक्षक स्तर तक की कुल 95 महिला पुलिस अधिकारी प्रतिभागी के रूप में सम्मिलित हुईं। सेमिनार के दौरान महिला पुलिस अधिकारियों की ओर से अपने विवेचित महत्वपूर्ण प्रकरणों से संबंधित अनुभव, चुनौतियां एवं उपलब्धियों का प्रस्तुतीकरण किया गया। प्रस्तुतियों में विवेचना की अवधि, अनुसंधान के दौरान सामने आई चुनौतियां तथा उनसे निपटने की प्रक्रिया, साक्ष्य संकलन की वैज्ञानिक एवं विधिक प्रक्रिया, न्यायालय की ओर से की गई महत्वपूर्ण टिप्पणियों का विश्लेषण तथा विवेचना के दौरान अपनाई गई प्रभावी रणनीतियों जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला गया।

फाइल फोटो

उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया

सेमिनार के समापन अवसर पर विशेष पुलिस महानिदेशक (महिला सुरक्षा) अनिल कुमार ने चयनित प्रतिभागियों को उत्कृष्ट विवेचना एवं उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया। प्रथम पुरस्कार उपनिरीक्षक लक्ष्मी बागरी जिला मैहर को मूल्यांकन के उपरांत उत्कृष्ट विवेचना के लिए प्रथम पुरस्कार उपनिरीक्षक लक्ष्मी बागरी (जिला मैहर), द्वितीय पुरस्कार उपनिरीक्षक मोनिका गौर (जिला नर्मदापुरम) तथा तृतीय पुरस्कार उपनिरीक्षक अंजली श्रीवास्तव (नगरीय पुलिस, इंदौर) को प्रदान किया गया। वहीं उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रथम पुरस्कार उपनिरीक्षक वीणा विश्वकर्मा (जिला टीकमगढ़) का चयन किया गया।

इंदौर में आग से तीन बसें जलकर खाक, पार्किंग में अचानक भड़की थी आग, बुझाने के लिए लगा 30 हजार लीटर पानी

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर में शनिवार रात एक निजी बस पार्किंग में अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और पार्किंग में खड़ी तीन बसें उसकी चपेट में आ गईं। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि दूर-दूर तक दिखाई दे रही थीं। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हादसा भंवरकुआं थाना क्षेत्र में तीन इमली ब्रिज के पास स्थित एक निजी बस पार्किंग में हुआ। बताया जा रहा है कि रात के समय पार्किंग में कई बसें खड़ी थीं। इसी दौरान एक बस में अचानक आग लग गई। शुरू में किसी को समझ नहीं आया कि आग कैसे लगी लेकिन कुछ ही मिनटों में आग तेजी से फैलने लगी। पास में खड़ी अन्य बसें भी आग की चपेट में आ गईं। आग बढ़ती देख वहां मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलते ही भंवरकुआं थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास मौजूद लोगों को सुरक्षित स्थानों पर हटाया गया। वहीं, दमकल विभाग की टीम भी तुरंत मौके पर पहुंच गई और आग बुझाने का काम शुरू किया गया। आग पर काबू पाने के लिए दमकल की करीब पांच गाड़ियां मौके पर पहुंचीं।

पेज एक का शेष..

कटनी में मेडिकल ...

97 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन किया। उन्होंने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत तालाब सौंदर्यीकरण की सौगात भी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को कटनी जिले के बरही में आयोजित किसान सम्मेलन एवं आभार रैली में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार ने गांव-गांव तक सिंचाई सुविधा पहुंचाने का संकल्प लिया है। किसानों को सिंचाई के लिए दिन में भी बिजली मिलेगी। गरीब, किसान और जरूरतमंदों के बच्चों को अच्छी शिक्षा मिले, इसके लिए प्रदेश में भव्य सांदीपनि विद्यालयों की स्थापना की जा रही है। मुख्यमंत्री ने विजयनाथ धाम की नगरी बरही में आयोजित किसान सम्मेलन में किसान कल्याण को समर्पित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। किसान सम्मेलन में मुख्यमंत्री को प्रतीक स्वरूप हल और स्मृति-चिन्ह भेंट किया गया।

किसानों की समृद्धि ...

रखा गया है। किसानों को सालभर में 12 हजार रुपए की सम्मान निधि का लाभ दिया जा रहा है।

लोकतंत्र का फर्ज ...

निर्वहन करते हुए युद्ध में फंसे विद्यार्थियों और नागरिकों को सुरक्षित निकाला है। प्रधानमंत्री मोदी ने देश के हितों को सर्वोपरि रखा है। अमेरिका-इजराइल और ईरान युद्ध के बीच हमारे जहाज तिरंगा लगाकर शान से स्वदेश लौट रहे हैं। कार्यक्रम को सांसद वीडी शर्मा ने संबोधित किया। इस मौके पर मंत्री, विधायक व अन्य लोग बड़ी संख्या में मौजूद थे।

92,700 मीट्रिक...

ओर बढ़ रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ घरेलू बाजार में आपूर्ति श्रृंखला को बाधित करने वालों के खिलाफ एजेंसियों ने सख्त रुख अपना लिया है। शनिवार को पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बताया कि 'शिवालिक और 'नंदा' नाम के एलपीजी टैंकर इस समय रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज पास को पार कर चुके हैं और भारत की ओर आगे बढ़ रहे हैं। यह एक बड़ा ऊर्जा लॉजिस्टिक्स ऑपरेशन है, क्योंकि ये दोनों पोत कुल मिलाकर 92,700 मीट्रिक टन गैस का बड़ा शिपमेंट लेकर आ रहे हैं। ये वाणिज्यिक जहाज पश्चिमी तट पर स्थित प्रमुख बंदरगाहों-मुंद्रा पोर्ट और कांडला पोर्ट पर एंकर करेंगे। शेड्यूलिंग के अनुसार ये शिपमेंट 16 और 17 मार्च को भारत पहुंच जाएंगे। इतनी बड़ी मात्रा में गैस की आवक से घरेलू बाजार में ऊर्जा की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित होगी और औद्योगिक व घरेलू मांग को सुचारू रूप से पूरा किया जा सकेगा।

कालाबाजारी के खिलाफ संयुक्त टीमों की छापेमारी: आपूर्ति तंत्र को मजबूत करने के साथ-साथ, घरेलू बाजार में गैस और आवश्यक वस्तुओं की कृत्रिम किल्लत पैदा करने वाले तत्वों पर भी कड़ा प्रहार किया जा रहा है। बाजार में कालाबाजारी के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए कई संयुक्त टीमों का गठन किया गया है, जो लगातार रेड कर रही हैं। इस प्रवर्तन अभियान का सीधा प्रभाव कई राज्यों में देखा जा सकता है। उत्तर प्रदेश में व्यापक कार्रवाई हुई है। राज्य में कालाबाजारी पर लगाम लगाने के लिए बड़े पैमाने पर 1400 स्थानों पर छापेमारी की गई है। इस दौरान अनियमितताओं में संलिप्त पाए गए 19 लोगों के खिलाफ मामले भी दायर किए गए हैं। अन्य राज्यों में भी चौकसी है। मप्र, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान में भी कई जगहों पर संयुक्त टीमों द्वारा छापेमारी की जा रही है।

11 एलपीजी बॉटलिंग....

सिलेंडर सप्लाई की जाएगी। कई जिलों से ऐसी सूचनाएं हैं।

शिकायत के लिए ये टोल फ्री नंबर्स

कंपनी	टोल फ्री नंबर
इंडियन ऑयल	1800-2333-555
हिंदुस्तान पेट्रोलियम	1800-258-7170
भारत पेट्रोलियम	1800-22-4344

घर बैठे बुकिंग के ये आसान तरीके
कंपनी वाट्सएप नंबर, मिस्ड कॉल सेवा, मोबाइल एप
भारत गैस-1800-22-4344, 7710955555, हेलो बीपीएल
इंडियन 7588888824, 8454955555 इंडियन ऑयल वन
एचपी गैस 9222201122, 9493602222 एचपी पे

निगरानी के लिए 6 ...

कंपनी के स्टेट नोडल ऑफिसर अजय श्रीवास्तव ने समीक्षा बैठक में बताया कि प्रदेश में गैस सिलेंडर का पर्याप्त स्टॉक है। घरेलू उपभोक्ताओं से अपील है कि पिछले अंतिम रिफिल के 25 दिन बाद पुनः बुकिंग कराएं। एसीएस श्रीमती शमी ने बताया समस्त जिला कलेक्टर्स को निर्देश दिए गए है कि यदि कहीं वितरण व्यवस्था में अनियमितता या देरी की शिकायत मिलती है, तो उस पर तत्काल कार्रवाई की जाए।

ट्रक ने बकरी...

को किसारोली गांव के पास पकड़ लिया। सोनू रजक पहाड़गढ़ क्षेत्र का रहने वाला था और बकरियां चरा रहा था। उसका सिर कुचलकर लगभग गायब हो गया। सोनू 6 बहनों का इकलौता भाई था। अतिरिक्त एसपी सुरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि पुलिस तेजी से जांच और पूछताछ कर रही है।

नर्मदापुरम में दूसरे ...

जिलों में तेज गर्मी की वजह से लू का खतरा बना हुआ है। मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या सुरेंद्रन का कहना है कि लोग दोपहर में जरूरी होने पर ही घर से बाहर निकलें। ठंडे पानी का सेवन करें। शनिवार को भोपाल में दिन का तापमान 37.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने 14 मार्च को सक्रिय होने वाले पश्चिमी विक्षोभ की वजह से तीन दिन का अलर्ट जारी किया है। जिसके तहत रविवार से प्रदेश में असर दिखाई देगा। जिन जिलों में बारिश होगी, वहां दिन और रात के तापमान में गिरावट रहेगी, लेकिन बाकी शहरों में पारा चढ़ा हुआ रहेगा।

श्रमिक की मौत...

मजदूर लल्लन की ऊंचाई से गिरने के कारण हुई मौत की अफवाह फैली थी। इतना ही नहीं उन्होंने शव छिपाने का आरोप लगाकर हंगामा शुरू कर दिया। हादसे के बाद 200 से ज्यादा पुलिस बल तैनात है। मौके पर एसडीएम, तहसीलदार, एडिशनल एसपी सहित कई थानों की पुलिस को स्थिति पर काबू पाने के लिए तैनात है। कंपनी में करीब 10 हजार से ज्यादा मजदूर काम कर रहे थे। कंपनी प्रबंधन और जिला प्रशासन का कहा है कि मजदूर की मौत देर रात हार्ट अटैक के चलते हई।

सड़क चौड़ीकरण के ...

निवासी ग्राम खड़ोतिया के रूप में हुई है। पाइप रिपेयरिंग के दौरान ग्राइंडर मशीन चलाते समय वे करंट की चपेट में आ गए। शनिवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद परिजन, शिवसेना और भीम आर्मी के पदाधिकारी और सूर्यवंशी समाज के लोग चरक अस्पताल के सामने इकट्ठा हुए। उन्होंने आगर रोड पर चक्काजाम कर पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। करीब एक घंटे तक पीएम रूम परिसर के बाहर हंगामा चलता रहा। प्रदर्शनकारियों ने ठेकेदार के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने, परिवार को आर्थिक सहायता देने और मृतक के बेटे को नगर निगम में आउटसोर्स के माध्यम से नौकरी देने की मांग की।

अब मैसेज से ...

व्यक्ति के बीच ही रहे। अब, इस फीचर के हट जाने से, इंस्टाग्राम मैसेज से प्राइवेसी की वह अतिरिक्त सुरक्षा हट जाएगी। मेटा ने कहा है कि एन्क्रिप्शन खत्म होने से पहले आप अपनी मौजूदा चैट्स और मीडिया डाउनलोड कर सकते हैं। मेटा ने अभी तक एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग में कटौती करने के बारे में कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया है, लेकिन इसका ऑनलाइन सुरक्षा को लेकर बढ़ते दबाव से काफी हद तक संबंध होने की संभावना है। दुनिया भर के कानून बनाने वाले और रेगुलेटर, एन्क्रिप्टेड प्लेटफॉर्म के जरिए फैलने वाले बच्चों के शोषण और दुर्व्यवहार जैसी चीजों को लेकर चिंतित हैं।

एसडीएम कार्यालय में ....

साथ न सिर्फ झूमाझटकी की बल्कि युवक का मोबाइल भी छीन लिया जिसके बाद एसडीएम कार्यालय के भृत्य सहित अनेक कर्मचारी मौके से भाग निकले। रात होते ही काम पेंडेंसी निपटाने के नाम पर एसडीएम कार्यालय में रुकने वाले एसडीएम और तहसीलदार के लिपिक कार्यालय को मयखाना बना देते हैं, जिसमें कई पटवारी भी शरीक होते हैं और यह सारी महफिल अनुविभागीय दंडाधिकारी कार्यालय के कमरा नंबर 10 में सजती है। वीडियो बनाने वाले युवक सूरज सोंधिया ने एसडीएम हुजूर डॉ. अनुराग तिवारी को घटना से अवगत कराया गया, जिसकी जानकारी मिलने के बाद कार्यालय पहुंचे एसडीएम डॉ. अनुराग ने पूरे मामले की जांच कराए जाने के बाद कार्यालय में शराबखोरी कर रहे लिपिकों के विरुद्ध कार्रवाई की बात कही है।

महाकाली नंदगिरी ....

प्रचार-प्रसार और गो संरक्षण के लिए भी सक्रिय बताई जाती हैं। महाकाली नंदगिरी मूल रूप से तेलंगाना के मंचेरियल जिले के कुशनपल्ली क्षेत्र की रहने वाली हैं। तेलंगाना में एक मंदिर में आत्मदाह की घोषणा को लेकर भी वे कुछ समय तक चर्चा में रही थीं। महामंडलेश्वर बनने के बाद महाकाली नंदगिरी ने कहा कि अघोरी का मतलब भयानक नहीं बल्कि निडर होता है। अघोर परंपरा में साधक भय से मुक्त होकर आध्यात्मिक जागृति पर ध्यान देता है। इस परंपरा में साधना के दौरान वैराग्य, जीवन-मृत्यु के सत्य और आत्मिक साधना पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

करीब 6 महीने ...

ठीक दो दिन पहले लेह में लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर बड़े प्रदर्शन हुए थे। इन प्रदर्शनों के दौरान हिंसा भी हुई थी, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी और 45 से ज्यादा लोग घायल हुए थे, जिनमें 22 पुलिसकर्मी भी शामिल थे। हिंसा के बाद लेह के जिला मजिस्ट्रेट के आदेश पर वांगचुक को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत हिरासत में लिया गया था, ताकि इलाके में कानून-व्यवस्था बनाए रखी जा सके। बाद में उन्हें राजस्थान के जोधपुर स्थित जेल में भेज दिया गया था। लद्दाख के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने सोनम वांगचुक की हिरासत समाप्त करने के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि यह केंद्र सरकार का एक सकारात्मक कदम है, जो लद्दाख में शांति, स्थिरता और आपसी विश्वास का माहौल बनाने में मदद करेगा।

अलग-अलग समुदायों, ...

चिंताओं और मांगों का समाधान निकाला जा सके। सरकार ने फिर से भरोसा दिलाया कि लद्दाख के लिए सभी जरूरी सुरक्षा उपाय किए जाएंगे। साथ ही उम्मीद जताई कि क्षेत्र से जुड़े मुद्दों का समाधान संवाद और बातचीत के जरिए निकलेगा। इसके लिए बनाई गई उच्च स्तरीय समिति और अन्य मंचों का भी इस्तेमाल किया जाएगा।

वांगचुक की पत्नी ....

तारीख तय की थी। इसके बाद कोर्ट ने यह भी सवाल उठाया था कि क्या उनके भाषण और सोशल मीडिया पोस्ट को वास्तव में भड़काऊ माना जा सकता है और क्या उनका 24 सितंबर 2025 को लेह में हुई हिंसा से कोई सीधा संबंध है।

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार श्री विष्णु कुशवाहा आत्मज श्री फूल सिंह कुशवाहा आयु-वयस्क निवासी ग्राम बेरखेड़ी बाज्याफत, हुजूर भोपाल मध्यप्रदेश के द्वारा श्रीमती सुनीता पवार पत्नि श्री प्रदीप सिंह पवार आयु वयस्क निवासी टाईप-3/25, ए.जी. कॉलोनी, भदभदा रोड़, हुजूर, भोपाल (म.प्र.) से उनके स्वत्व स्वामित्व एवं आधिपत्य का एक किता दो मंजिला मकान कमांक-ए जो नीलबड़ नगर निगम वार्ड 26, प.ह.न.-33, रा.नि.म.- 03, विकास खण्ड फंदा तहसील हुजूर, जिला भोपाल म.प्र. पर स्थित है को क्रय करने हेतु बयाना अदा कर सौदा तय किया है। सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त सम्पत्ति पर कोई भी व्यक्ति, फर्म, संस्था, बैंक आदि का कोई ऋण, भार, हक्क, पूर्व संव्यवहार हो, किसी का कोई हित मकान में समाहित हो, कोई अधिकार हो या विक्रय व्यवहार मे किसी प्रकार कि कोई अपत्ति हो तो वह इस जाहिर सूचना प्रकाशन से 7 दिवस के अन्दर मेरे कार्यालीन समय में लिखित आपत्ति मय दस्तावेज प्रस्तुत करें, अन्यथा निर्धारित अवधि पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी एवं मेरे पक्षकार उक्त संव्यवहार पूर्ण कर मकान के विक्रय पत्र का पंजीयन अपने पक्ष में कराने हेतु स्वतन्त्र होगा तथा सम्बंधित व्यक्ति स्वयं जिम्मेदार एवं जवाबदार रहेगा। सूचित होंवे।

भवदीय **अमन कटियार** अधिवक्ता
शॉप नंबर 8, लोअर ग्राउंड फ्लोर, नेहरू नगर स्क्वेयर, भोपाल 462003
M-7748808893

100 आवारा कुत्तों की जहरीले इंजेक्शन देकर हत्या

एजेंसी, हैदराबाद। तेलंगाना में आवारा कुत्तों को मारे जाने की एक और घटना सामने आई है। मनचेरियल जिले में कथित तौर पर लगभग 100 कुत्तों को जहर देकर मार डाला गया। जनवरी से अबतक तेलंगाना में 1200 कुत्तों की हत्या की जा चुकी है। पशु कल्याण कार्यकर्ता ए. गौतम ने पुलिस को दी गई शिकायत में कहा कि 7-8 मार्च की दरमियानी रात को किष्टापुर गांव में कुत्तों को जहर वाला इंजेक्शन दिया गया। मार दिया गया।

नक्कालो से सावधान

ऐसे दुकानदार भाई जो नकली और मिलावटी सामान बेचते है। वो सिर्फ गुरु पान मसाला ही नहीं आपके उपयोग की हर खाद्य और अखाद्य वस्तुएँ भी नकली और मिलावटी बेचते होंगें। ऐसे लालची दुकानदारो को पहचान कर उनसे सावधान रहें। आपकी जानकारी में यदि कोई गुरु पान मसाला नकली बना रहा हो या बेच रहा हो तो तुरन्त निम्नलिखित नं. पर सूचित करें। या whats App करें। आपके द्वारा दी गई सूचना पर यदि कोई दुकानदार अथवा निमार्ता पकड़ा जाता है। तो आपको रू 25000/- का नगद इनाम दिया जाएगा।

अधिक जानकारी एवं शिकायत के लिए angfoodproduct@gmail.com, Mobile No- 09893924181, ANG FOOD PRODUCTS Plot No- D-28 INDUSTRIAL AREA TEXTILE PARK ACHARPURA BHOPAL MP- 462038

TASTY GURU — GURU KA PAN MASALA
GURU द्वारा जनहित में जारी
व्यापारिक पूछताछ के लिए सम्पर्क करे । Mobile No.09893924181

कार्यालय नगर पालिक निगम, (यांत्रिक शाखा), भोपाल
निविदा आमंत्रण सूचना

क्र.161/ या.वि./2026 — भोपाल, दिनांक/0/03/2026

निम्न कार्य हेतु म.प्र. लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदारो से आनलाईन निविदा आंमत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण website https://www.mptenders.gov.in पर है।

क्र.	निविदा क्रमांक	कार्य का संक्षिप्त विवरण	अनुमानित लागत	निविदा क्रय करने का अंतिम	
				दिनांक	समय
1.	2026_UAD_488901_1	CONSTRUCTION OF COMMUNITY HALL NEAR BHAVANI DHAM MANDIR AIIMS AT SAKET NAGAR W-57 Z-14	1652914	07.04.2026	05:30 PM
2.	2026_UAD_476692_3	CONST.OF C.C.ROAD AND DRAIN WORK AT RAVI DAS NAGAR SLUM W-57 Z-14	835447	16.03.2026	05:30 PM
3.	2026_UAD_474789_3	CONST.OF DRAIN WORK FROM H.NO.124 SAHA TO KAILASH HOUSE NEAR ATAL CHORHA AT SHYAM NAGAR W-56 Z-14	628779	16.03.2026	05:30 PM

1. Interested bidders can view the NIT on website https://www.mptenders.gov.in/
2. Amendments to NIT, if any, would be published on website https://www.mptenders.gov.in/only, and not in newspaper

नि.क्र. 3322/025/026

Assistant Engineer
Municipal Corporation Bhopal
District Bhopal

आवश्यकता है | खरीदना है | बेचना है | व्यापार | चिकित्सा | ज्योतिष | डिस्प्ले विज्ञापन
हरिभूमि क्लासीफाइड
संपर्क सूत्र : 9407279644, 9977912473

हरिभूमि भोपाल बाजार
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें मो.9977912473

फार्म हाउस उपलब्ध है प्राकृतिक सोन्दर्य से भरपूर संपूर्ण सुविधाओं के साथ।
बैंक फाईनेंस सुविधा उपलब्ध
अम्बाड़ी हिल्स फार्महाउस
दीवानगंज में मेन विदिशा रोड पर

हर रविवार आफिस से साइट विजिट की सुविधा
सम्पर्क करें 9755600569, 9755600827
आफिस: आदित्य कन्स्ट्रक्शन एण्ड मार्केटिंग, हाउस न. 16, 66 फीट, कोकता ट्रांसपोर्ट नगर रोड, महोली, भानपुर, भोपाल

प्लाट मात्र 3,55,000 हजार में आसान किश्तों पर
साईट:- 220 फिट रिंग रोड न्यू बायपास से लगी हुई
डायवर्सन एवं NOC एप्रूव्ड
आफिस इंडिया प्रोपर्टी करोंद भोपाल
मो. 7772079910

Medical Help Line
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें : मो.9407279644

नये दागों का आना तुरन्त बंद

सफेद दाग
सफल ईलाज का 40 वर्षो का अनुभव
Timing 10:30 am to 8:00 pm
Dr. Safi's HOMEOPATHIC CLINIC
कृपया फोन पर अपॉइंटमेंट लें। M : 9425006131, 9827249409
5/4, संजय कॉम्पलेक्स माता मंदिर, टी.टी. नगर भोपाल | सौलत मंजिल पुरानी कजियात के सामने मोती मस्जिद भोपाल

छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं। नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक। घर बैठे मंगवाये। लाभ नही तो पैसे वापिस। 8515825081 9083218330
R- 12/03/26 to24/03/26
Not , 26,27/01/26, 15/02/26 , 04,08/03/2026

वैवाहिकी
वर चाहिए
वर चाहिए जीवन साथी चाहिए जिस किसी व्यक्ति को रिश्ता करना हो सम्पर्क करें 7566281535

वर/वधु चाहिए
वर/वधु चाहिए- (अन्य कलाम) 28 वर्षीय वधु के लिए वर तथा दो 32 वर्षीय वर के लिए वधू तथा 65 वर्षीय वर के लिए वधू चाहिए जाति बंधन नहीं संपर्क- 7400556967, 7400556967 (10411)

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (धन भेजने, लोन संबंधित, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित अथवा अनुबंध) से पहले अच्छी तरह जाँच पड़ताल कर लें। किसी भी उत्पाद या सेवायें के संबंध में किये किसी विज्ञापन दाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि की जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक संपादक और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाये किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

- व्यावस्थापक

शब्द पहेली - 6165

बाएँ से दाएँ
1.महीन व कीमती कपड़ा-4
3.गिरवी रखी वस्तु-3
5.चहा,पेय पदार्थ-2
6.ऐयार,गुप्तचर-3
7.संध्या,सांझ-2
9.रसद,किराणा सामग्री-3
11.करामात,करतब-5
14.विक्रय स्थल-3
16.कलाकार-4
17.चाहत,लगन-2
18.सद्,अच्छा-2
19.लंबा कोट-4
23.पानी की बूंद-3
24.कमर में पहना जाने वाला आभूषण-5
27.लोभ,लालसा-3
28.दौड़ना(अंग्रेजी-2)
30.रेखा,लाइन-3
31.अकुवा,आकड़ा-2
32.अव्यवस्थित भीड़-3
33.अचानक,सहसा-4

ऊपर से नीचे
1.शराब-2
2.सम्राट,शहंशाह-4
3.सांभर जैसा खाद्य-3
4.सरुर, मद-2
5.चापलूस-4
6.प्राण, जीवन तत्व-2
8.चिंतन-3
10.भद्र, कुलीन-3
12.अपराध-3
13.पिता का भाई-2
15.यात्री दल-3
17.प्रेम लगन-3
18.भ्रमर,जलावर्त-3
20.चमड़ी,त्वचा-2
21.अनुकृति-3
22.आर्द्रक-4
23.कटि,मध्यांग-3
25.हठ करना, जिद करना,रोना-4
26.साजन,सनम-3
27.थूक,लेस-2
29.भीगा हुआ-2
31.उम्मीद,आशा-2

शब्द पहेली- 6164 का हल

■	स	ह	का	रि	ता	■	अ	चा	न	क
हा	र	■	य	■	ना	वि	क	■	त	र
थ	■	त	र	जु	मा	■	ल	ता	■	दा
मा	कू	ल	■	■	र	थ	■	क	वि	ता
र	■	घ	■	फ	ना	■	खा	■	र	■
ना	म	र	ख	ना	■	रा	ज	म	ह	ल
■	थ	■	त	■	मो	ह	■	ह	■	प
क	ना	त	■	रा	ह	■	■	क	पा	ल
र	■	ना	प	■	त	म	क	ना	■	पा
ता	ना	■	ली	ड	र	■	थ	■	का	ना
र	च	यि	ता	■	मा	ख	न	चो	र	■

सूडोकु नवताल - 6175

★★★★☆ कठिन

4							1	8
			6	7				2
			8					
	8	5						
	2			1			7	
						3	5	
					5			
1				4	7			
9	6							4

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6174 का हल

1	9	7	4	8	6	2	3	5
4	5	3	9	1	2	7	6	8
2	6	8	7	3	5	9	1	4
5	3	1	2	7	9	4	8	6
9	2	4	8	6	1	5	7	3
7	8	6	5	4	3	1	9	2
3	4	9	6	2	7	8	5	1
6	7	2	1	5	8	3	4	9
8	1	5	3	9	4	6	2	7

राशिफल

मेष मन परेशान हो सकता है। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। पिता का साथ मिलेगा। नौकरी में यात्रा पर जा सकते हैं।

वृष नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों में मान-सम्मान मिलेगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। खर्च अधिक रहेंगे।

मिथुन कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। मन प्रसन्न रहेगा। व्यर्थ के क्रोध से बचें।

कर्क किसी मित्र के सहयोग से रोजगार के अवसर मिल सकते है। क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। पारिवारिक समस्याएं परेशान कर सकती हैं।

सिंह परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। सम्मान में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। पिता से धन की प्राप्ति हो सकती है। यात्रा पर जाना हो सकता है।

कन्या संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त हो सकते हैं। अफसरों से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

तुला नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। वाणी में मधुरता रहेगी। अपनी भावनाओं को वश में रखें। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा।

वृश्चिक मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। सेहत का ध्यान रखें। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

धनु सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। परिवार में व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें।

मकर किसी भवन या सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। कारोबार में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। परिश्रम अधिक रहेगा। भाई-बहनों का साथ मिलेगा।

कुंभ आय में वृद्धि तो होगी, परन्तु अनियोजित खर्चों में वृद्धि होगी। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों के लिए यात्रा पर जा सकते हैं।

मीन शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। आय भी बढ़ेगी। क्रोध के अतिरेक से बचें। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा।

दो हफ्तों से कच्चे तेल के झटकों का सामना कर रहे दुनिया के बाजार

गिरता बाजार दे रहा निवेश का मौका सावधानी के साथ उठा सकते हैं फायदा

निवेशकों की संपत्ति में लगभग 34 लाख करोड़ की कमी आई

भारतीय इक्विटी बाजारों को पिछले दो हफ्तों से कच्चे तेल के झटके (क्रूड शॉक) का सामना करना पड़ रहा है। अमेरिका-इजराइल-ईरान युद्ध और बढ़ती तेल कीमतों ने वैश्विक निवेशकों को डरा दिया है और सेंसेक्स तथा निफ्टी भी इस बिकवाली से अछूते नहीं रहे हैं। संघर्ष शुरू होने के बाद से सिर्फ दो हफ्तों और नौ ट्रेडिंग सत्रों में निवेशकों की संपत्ति में लगभग 34 लाख करोड़ रुपये की कमी आ गई। युद्ध खत्म होने के अभी कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं, इसलिए यह कहना मुश्किल है कि दलाल स्ट्रीट पर चल रही यह गिरावट कब और कहां थमेगी। 27 फरवरी को बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण 46,325,200.41 करोड़ रुपये था। 13 मार्च 2025 तक यह घटकर 42,939,960.29 करोड़ रुपये रह गया। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें (एक समय यह लगभग 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थीं), वैश्विक बाजारों में लगातार बिकवाली, विदेशी निवेशकों द्वारा लगातार पूंजी निकासी और भारतीय रुपये की कमजोरी इन सभी ने बाजार की धारणा को कमजोर किया है। निफ्टी-50 ने कई वर्षों में अपनी सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट दर्ज की है। होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने का असर सिर्फ तेल और एलपीजी की आपूर्ति पर ही नहीं, बल्कि अन्य व्यापारिक गतिविधियों पर भी पड़ रहा है, जिसका प्रभाव भारत के कई क्षेत्रों पर पड़ सकता है। ऐसे में सवाल उठता है कि निवेशकों को क्या करना चाहिए—क्या उन्हें शेयर बाजार में निवेश बनाए रखना चाहिए?

शेयर बाजार की स्थिति : क्या दीर्घकालिक विकास की कहानी बरकरार है?

बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि भू-राजनीतिक तनाव के समय सामान्य गिरावट भी वास्तविकता से कहीं ज्यादा गंभीर दिखाई दे सकती है। उनका मानना है कि भारतीय निवेशकों के नजरिये से भारतीय शेयर बाजार की दीर्घकालिक संभावनाएं अब भी सकारात्मक हैं। वे यह भी बताते हैं कि वैश्विक संकटों के बीच भी भारत की विकास दर मजबूत बनी हुई है। मूडीज एनालिटिक्स के अनुसार हालिया शिखरों से पिछले 12 महीनों की गिरावट को देखें तो चीन और भारत दोनों में गिरावट अपेक्षाकृत सीमित रही है और यह सामान्य बाजार उतार-चढ़ाव के अनुरूप है। रिपोर्ट के अनुसार, हालांकि दोनों अर्थव्यवस्थाएं खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) देशों से बड़ी मात्रा में तेल आयात करती हैं, लेकिन घरेलू खपत में ऊर्जा आयात का हिस्सा अपेक्षाकृत कम है, जिससे तेल कीमतों के झटकों के प्रति उनकी संवेदनशीलता सीमित रहती है। इसके अलावा शेयर बाजारों में विदेशी निवेशकों की भागीदारी भी अपेक्षाकृत कम है और चीन में पूंजी नियंत्रण भी अस्थिरता को सीमित करते हैं।

कॉरपोरेट आय का दृष्टिकोण मजबूत

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के रिसर्च प्रमुख विनोद नायर का कहना है कि भारत की दीर्घकालिक विकास और निवेश की कहानी अभी भी मजबूत है। उनके अनुसार बढ़ती घरेलू खपत, निरंतर बुनियादी ढांचा निवेश, व्यापक डिजिटल परिवर्तन और कॉरपोरेट बैलेंस शीट में सुधार जैसे संरचनात्मक कारक बाजार के सकारात्मक दृष्टिकोण को समर्थन देते हैं। इसके साथ ही विनिर्माण को बढ़ावा देने वाली नीतियां, ऊर्जा संक्रमण, कर सुधार, बुनियादी ढांचा विकास और निजी पूंजी निवेश में बढ़ोतरी भी इस दृष्टिकोण को मजबूत करती है। एक प्रमुख धारणा यह भी है कि मौजूदा अमेरिका-ईरान युद्ध लंबे समय तक नहीं चलेगा। हालांकि इससे बाजार मूल्यांकन दीर्घकालिक औसत से नीचे आ गया है, लेकिन आने वाले महीनों में वैल्यू-बायिंग के कारण तेज उछाल देखने को मिल सकता है। वित्त वर्ष 2027 के लिए कॉरपोरेट आय का दृष्टिकोण भी मजबूत माना जा रहा है।

तेज गिरावट से अब वैल्यूएशन आकर्षक

एसबीआई सिक्योरिटीज में फंडामेंटल रिसर्च प्रमुख सनी अग्रवाल का कहना है कि इतिहास बताता है कि बाजार हमेशा चिंता की दीवार चढ़ता है। बाजार ने कई युद्ध, वैश्विक आर्थिक संकट और महामारी जैसी स्थितियां देखी हैं और हर बार नए उच्च स्तर तक पहुंचा है। ऐतिहासिक आंकड़े बताते हैं कि लगभग 17 महीने तक ठहराव के बाद अगले 6 महीने से 3 साल के दौरान इक्विटी ने शानदार रिटर्न दिए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि पिछले कुछ महीनों में बाजार में आई तेज गिरावट के कारण अब वैल्यूएशन आकर्षक हो गए हैं। इनक्रेड मनी के सीईओ विजय कुप्पा बताते हैं कि विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की भारी बिकवाली के कारण भारतीय बाजार प्रभावित हुआ है।

निवेश मंत्रा | **बिजनेस डेस्क**

18 प्रतिशत तक की गिरावट सामान्य

आनंद राठी वेल्थ के कार्यकारी निदेशक चिराग मुनी के अनुसार अगले पांच वर्षों में भारत की आर्थिक बुनियाद मजबूत बनी रहने की संभावना है। वास्तविक जीडीपी वृद्धि 6–7 प्रतिशत के आसपास रहने और मुद्रास्फीति 4–5 प्रतिशत के बीच रहने की उम्मीद है, जिससे नाममात्र जीडीपी वृद्धि लगभग 11–12 प्रतिशत रह सकती है। इससे दीर्घकाल में कॉरपोरेट आय और शेयर बाजार को समर्थन मिलेगा। वे बताते हैं कि 2001 के बाद से लगभग 18 प्रतिशत तक की गिरावट सामान्य रही है और बाजार आम तौर पर एक साल में इससे उबर जाता है। भू-राजनीतिक तनाव के दौरान भी निफ्टी में 5–7 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिलती है और अधिकांश मामलों में एक महीने के भीतर बाजार संभल जाता है। घरेलू निवेशकों की भागीदारी भी बाजार को स्थिर रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। 2025 में घरेलू संस्थागत निवेशकों ने लगभग 7.88 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया, जबकि विदेशी निवेशकों ने करीब 1.66 लाख करोड़ रुपये की बिकवाली की। मार्च 2026 में भी स्मॉल-कैप फंड्स में लगभग 700 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश आया। इससे पता चलता है कि निवेशक घबराहट में फैसले नहीं ले रहे हैं।

निवेशकों को क्या करना चाहिए?

विशेषज्ञों का मानना है कि मध्य-पूर्व युद्ध और ऊर्जा कीमतों पर इसका असर अगले कुछ हफ्तों में कम हो सकता है। एसबीआई सिक्योरिटीज के अनुसार निवेशकों को इस अवसर का उपयोग दीर्घकालिक निवेश के लिए करना चाहिए और मजबूत बुनियादी कंपनियों में निवेश बढ़ाना चाहिए। जिन क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन की संभावना है उनमें बैंकिंग और वित्तीय सेवाएं (बीएफएसआई), ऑटो और ऑटो एंसिलरी, कंज्यूमर डिस्क्रिशनरी, न्यू-एज बिजनेस तथा पावर सेक्टर शामिल हैं। विजय कुप्पा का कहना है कि स्मॉल और मिडकैप शेयरों में अच्छी कीमत और समय के आधार पर सुधार हो चुका है। निवेशकों को हर गिरावट पर धीरे-धीरे निवेश बढ़ाना चाहिए। जो निवेशक सीधे शेयरों में निवेश करने में सहज नहीं हैं, वे ईटीएफ या म्यूचुअल फंड के माध्यम से निवेश कर सकते हैं। विशेषज्ञ संतुलित पोर्टफोलियो बनाए रखने की सलाह देते हैं। चिराग मुनी के अनुसार दीर्घकालिक निवेशकों को अनुशासन बनाए रखना चाहिए और निवेश रणनीति से विचलित नहीं होना चाहिए। उनके अनुसार पोर्टफोलियो में लगभग 80 प्रतिशत निवेश इक्विटी और 20 प्रतिशत डेट में रखना उचित हो सकता है। इक्विटी हिस्से में 55 प्रतिशत लार्ज-कैप और बाकी मिड व स्मॉल-कैप में निवेश किया जा सकता है। 10–15 प्रतिशत की बाजार गिरावट को अतिरिक्त निवेश के अवसर के रूप में देखा जा सकता है, जिससे निवेशक भविष्य में होने वाली रिकवरी का लाभ उठा सकें। हालांकि मिराए एसेट शेयरखान के रिसर्च विश्लेषक थॉमस वी. अब्राहम थोड़ी सावधानी बरतने की सलाह देते हैं। उनके अनुसार यदि संकट लंबा खिंचता है तो यह कॉरपोरेट मुनाफे पर दबाव डाल सकता है, पूंजी निवेश को टाल सकता है और विनिर्माण, फार्मा तथा हॉस्पिटैलिटी जैसे क्षेत्रों में आय वृद्धि को सीमित कर सकता है। उनकी सलाह है कि निवेशक मौजूदा निवेश बनाए रखें, लेकिन पोर्टफोलियो को अधिक स्थिरता के लिए पुनर्संतुलित करें। नई पूंजी को चरणबद्ध तरीके से मजबूत कंपनियों में लगाया जा सकता है।

ऐसा रख सकते हैं पोर्टफोलियो

- रक्षात्मक निवेश (60–70%): फार्मा और एफएमसीजी जैसे सेक्टर
- अवसरवादी निवेश (20–30%): बड़े कैप शेयर जैसे रिलायंस इंडस्ट्रीज में निवेश
- हेज (लगभग 10%): सोना, गोल्ड ईटीएफ, सॉवरेन बॉन्ड या 3–6 महीने की फिक्स्ड डिपॉजिट
- इस मिश्रण से अस्थिर दौर में स्थिरता बनाए रखते हुए अवसरों का लाभ उठाया जा सकता है।

सरकारी बैंकों की स्पेशल एफडी दे रही अच्छा रिटर्न

बिजनेस डेस्क

सुरक्षित निवेश की तलाश करने वाले लोगों के लिए इस समय सरकारी बैंकों की विशेष सावधि जमा (एफडी) योजनाएं आकर्षक विकल्प बनकर सामने आई हैं। देश के कई सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने सीमित अवधि के लिए विशेष सावधि जमा योजनाएं शुरू की हैं, जिनमें सामान्य सावधि जमा की तुलना में अधिक ब्याज दर दी जा रही है। इन योजनाओं की अवधि भी अपेक्षाकृत कम रखी गई है, जिससे निवेशकों को कम समय में बेहतर रिटर्न मिलने की संभावना रहती है। बैंक समय-समय पर ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए ऐसी विशेष योजनाएं लाते हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य बचत को बढ़ावा देना और बैंकिंग प्रणाली में निवेश को प्रोत्साहित करना होता है। वर्तमान में कई सरकारी बैंक 400 दिन से लेकर 666 दिन तक की अवधि वाली विशेष सावधि जमा योजनाएं चला रहे हैं, जिनमें सामान्य निवेशकों को लगभग 6.45 प्रतिशत से लेकर 6.75 प्रतिशत तक ब्याज दिया जा रहा है।

पंजाब एंड सिंध बैंक दे रहा सबसे अधिक ब्याज

इस समय सरकारी बैंकों में सबसे अधिक ब्याज दर पंजाब एंड सिंध बैंक की विशेष सावधि जमा योजना पर मिल रही है। यह बैंक 666 दिन की अवधि वाली विशेष एफडी पर लगभग 6.75 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दे रहा है। सुरक्षित निवेश के साथ बेहतर ब्याज दर की तलाश करने वाले निवेशकों के लिए यह योजना आकर्षक मानी जा रही है। अन्य सरकारी बैंकों की विशेष सावधि जमा योजनाएं देश के अन्य कई सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक भी अपनी विशेष एफडी योजनाओं के माध्यम से निवेशकों को आकर्षित कर रहे हैं।

किसी बैंक में कितनी ब्याज दर

- बैंक ऑफ महाराष्ट्र- 400 दिन की एफडी पर 6.65 प्रतिशत ब्याज
- बैंक ऑफ इंडिया- 450 दिन की एफडी पर 6.60 प्रतिशत ब्याज
- इंडियन बैंक- 444 दिन की एफडी पर 6.60 प्रतिशत ब्याज
- इंडियन ओवरसीज बैंक- 444 दिन की एफडी पर 6.60 प्रतिशत ब्याज
- पंजाब नेशनल बैंक- 444 दिन की एफडी पर 6.60 प्रतिशत ब्याज
- यूनियन बैंक ऑफ इंडिया- 444 दिन की एफडी पर 6.60 प्रतिशत ब्याज
- केनरा बैंक- 555 दिन की एफडी पर 6.60 प्रतिशत ब्याज
- सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया- 2222 और 3333 दिन की एफडी पर 6.50 प्रतिशत ब्याज
- बैंक ऑफ बड़ौदा- 444 दिन की एफडी पर 6.45 प्रतिशत ब्याज
- एसबीआई - 444 दिन की एफडी पर 6.45 प्रतिशत ब्याज

सीनियर सिटीजन को यह मिल रहा

- बैंक ऑफ महाराष्ट्र- 400 दिन की एफडी पर 7.15 प्रतिशत ब्याज
- बैंक ऑफ इंडिया- 450 दिन की एफडी पर 7.10 प्रतिशत ब्याज
- इंडियन बैंक- 444 दिन की एफडी पर 7.10 प्रतिशत ब्याज
- इंडियन ओवरसीज बैंक- 444 दिन की एफडी पर 7.10 प्रतिशत ब्याज
- पंजाब नेशनल बैंक- 444 दिन की एफडी पर 7.10 प्रतिशत ब्याज
- यूनियन बैंक ऑफ इंडिया- 444 दिन की एफडी पर 7.10 प्रतिशत ब्याज
- सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया- 2222 और 3333 दिन की एफडी पर 7 प्रतिशत ब्याज
- बैंक ऑफ बड़ौदा- 444 दिन की एफडी पर 7 प्रतिशत ब्याज
- एसबीआई- 444 दिन की एफडी पर 7.05 प्रतिशत ब्याज

इसलिए लोकप्रिय हो रही

निवेश विशेषज्ञों के अनुसार, हाल के समय में सुरक्षित निवेश की मांग बढ़ी है। शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव और अन्य जोखिमों के कारण कई निवेशक अपने पैसे को सुरक्षित विकल्पों में लगाना पसंद कर रहे हैं। ऐसे में सरकारी बैंकों की एफडी योजनाएं भरोसेमंद मानी जाती हैं।

सैलरी बढ़ने के साथ बढ़ रहे खर्चे निवेश नहीं हो पा रहा तो यह करें

सही योजना और अनुशासन से ही बढ़ेगी बचत और निवेश

खर्चों पर नियंत्रण और बजट से ही बनेगी मजबूत आर्थिक स्थिति

बिजनेस डेस्क

आमतौर पर माना जाता है कि जब किसी व्यक्ति की आय बढ़ती है तो उसकी बचत और निवेश भी बढ़ने लगते हैं। लेकिन वास्तविकता अक्सर इससे अलग होती है। कई लोग सैलरी बढ़ने के बावजूद बचत नहीं कर पाते और निवेश भी नहीं कर पाते। इसका मुख्य कारण यह होता है कि आय बढ़ने के साथ-साथ खर्च भी तेजी से बढ़ने लगते हैं। वित्तीय भाषा में इस स्थिति को लाइफस्टाइल इंफ्लेशन कहा जाता है। इसका अर्थ है कि जैसे-जैसे व्यक्ति की कमाई बढ़ती है, वैसे-वैसे उसका रहन-सहन और खर्च का स्तर भी बढ़ जाता है। यदि समय रहते इस प्रवृत्ति पर नियंत्रण नहीं किया जाए तो अतिरिक्त आय का लाभ बचत और निवेश के बजाय खर्चों में ही समाप्त हो जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि लोग अपनी बढ़ती आय के साथ खर्चों पर नियंत्रण रखें और व्यवस्थित तरीके से निवेश शुरू करें तो वे भविष्य के लिए मजबूत आर्थिक आधार तैयार कर सकते हैं।

छोटे-छोटे बढ़ते खर्चों पर रखें नजर

लाइफस्टाइल इंफ्लेशन अचानक नहीं बढ़ता, बल्कि यह धीरे-धीरे छोटे-छोटे खर्चों से शुरू होता है। उदाहरण के लिए, सैलरी बढ़ने के बाद कई लोग पहले की तुलना में अधिक कैब का इस्तेमाल करने लगते हैं, सामान्य ब्रांड की जगह महंगे ब्रांड खरीदने लगते हैं या फिर बार-बार बाहर खाना और घूमना शुरू कर देते हैं। इसके अलावा कई लोग प्रीमियम जिम, ऑनलाइन मनोरंजन प्लेटफॉर्म या अन्य डिजिटल सेवाओं की कई सदस्यताएं भी ले लेते हैं। शुरुआत में यह खर्च बहुत छोटे लगते हैं, लेकिन समय के साथ यह आपकी मासिक आय का बड़ा हिस्सा खर्च करने लगते हैं। इसलिए जरूरी है कि सैलरी बढ़ने के बाद भी अपने खर्चों पर नियमित नजर रखें और अनावश्यक खर्चों को सीमित करने की कोशिश करें।

वेतन वृद्धि सही नजरिए से देखें

जब आपकी सैलरी बढ़े तो सबसे पहले यह तय करें कि उस अतिरिक्त आय का कितना हिस्सा खर्च करना है और कितना हिस्सा बचत या निवेश में लगाना है। कई वित्तीय विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि सैलरी बढ़ने पर कम से कम आधा हिस्सा निवेश के लिए अलग कर देना चाहिए। इससे एक ओर आपकी बचत और निवेश लगातार बढ़ता रहेगा और दूसरी ओर आप अपनी आय में वृद्धि का आनंद भी ले पाएंगे। यदि आप अपनी आय बढ़ने के साथ बचत और निवेश भी बढ़ाते हैं तो लंबे समय में बड़ी पूंजी तैयार कर सकते हैं।

स्थायी खर्च करने से पहले सोचें

कुछ खर्च ऐसे होते हैं जो लंबे समय के लिए आपकी आर्थिक जिम्मेदारी बन जाते हैं। उदाहरण के लिए बड़ा घर किराए पर लेना, कार खरीदने के लिए कर्ज लेना या फिर महंगे क्लब और सेवाओं की सदस्यता लेना। ऐसे फैसले लेने से पहले यह जरूर सोचें कि यदि भविष्य में आपकी सैलरी कुछ समय तक नहीं बढ़ती या आय में कमी आ जाती है, तो क्या आप इन खर्चों को आसानी से संभाल पाएंगे। वित्तीय योजना बनाते समय यह ध्यान रखना जरूरी है कि आपकी आय का बड़ा हिस्सा स्थायी खर्चों में न फंस जाए। इससे आर्थिक दबाव बढ़ सकता है।

जीवनशैली को धीरे-धीरे सुधारें

सैलरी बढ़ने का मतलब यह नहीं है कि आप तुरंत अपनी पूरी जीवनशैली बदल दें। बेहतर तरीका यह है कि धीरे-धीरे और सोच-समझकर अपने जीवन स्तर में सुधार करें। उदाहरण के लिए, सबसे पहले स्वास्थ्य बीमा, आपातकालीन फंड और दीर्घकालीन निवेश जैसे जरूरी वित्तीय कदम उठाएं। इसके बाद ही अन्य खर्चों पर ध्यान दें। धीरे-धीरे जीवनशैली में बदलाव करने से आपकी आय और खर्च के बीच संतुलन बना रहता है और भविष्य के लिए मजबूत बचत भी तैयार होती है।

बजट बनाना भी जरूरी

लाइफस्टाइल इंफ्लेशन को नियंत्रित करने के लिए मासिक बजट बनाना भी बहुत जरूरी है। यदि आप अपनी आय और खर्च का रिकॉर्ड रखते हैं तो आपको आसानी से पता चल जाता है कि आपका पैसा कहां खर्च हो रहा है। बजट बनाने से आप यह तय कर सकते हैं कि कितनी राशि जरूरी खर्चों पर जाएगी, कितनी बचत में और कितनी निवेश में। इससे अनावश्यक खर्चों को कम करना आसान हो जाता है।

निवेश की आदत बनाएं : विशेषज्ञों का कहना है कि निवेश को खर्च की तरह ही एक नियमित आदत बना लेना चाहिए। जैसे ही सैलरी आपके खाते में आए, उसी समय कुछ राशि निवेश के लिए अलग कर दें। यदि निवेश को प्राथमिकता दी जाए तो धीरे-धीरे बड़ी पूंजी तैयार हो सकती है और भविष्य में आर्थिक सुरक्षा भी मिलती है।

बाजार की अनिश्चितता में फ्लेक्सी कैप फंड बने निवेशकों की पसंद

भू-राजनीतिक तनाव और उतार-चढ़ाव के दौर में रणनीतिक परिसंपत्ति आवंटन से बेहतर रिटर्न की उम्मीद

वैश्विक स्तर पर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और शेयर बाजार में बढ़ती अस्थिरता के बीच निवेशकों के लिए फ्लेक्सी-कैप फंड एक समझदारी भरा विकल्प बनकर उभर रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि बाजार में उतार-चढ़ाव के दौर में ऐसे फंड निवेशकों को बेहतर संतुलन और दीर्घकालीन रिटर्न देने में मदद कर सकते हैं। फ्लेक्सी-कैप फंड की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इनमें निवेश का वितरण बाजार पूंजीकरण के आधार पर तय नहीं होता। यानी फंड प्रबंधक अपनी रणनीति के अनुसार बड़ी, मझोली और छोटी कंपनियों के शेयरों में निवेश का अनुपात बदल सकते हैं। इससे बाजार की स्थिति के अनुसार जोखिम को नियंत्रित करने और अवसरों का लाभ उठाने में मदद मिलती है। फ्लेक्सी-कैप फंड का यही लचीलापन बाजार के विभिन्न चरणों में निवेशकों के लिए उपयोगी साबित होता है। उदाहरण के तौर पर, जब बाजार में अधिक अस्थिरता होती है तो फंड प्रबंधक अपेक्षाकृत स्थिर बड़ी कंपनियों के शेयरों में निवेश बढ़ा सकते हैं। वहीं जब बाजार में तेजी और विकास की संभावनाएं बढ़ती हैं, तब मझोली और छोटी कंपनियों में निवेश का अनुपात बढ़ाया जा सकता है। इस रणनीति के कारण फंड प्रबंधक बाजार में बदलती परिस्थितियों के अनुसार अपने पोर्टफोलियो को संतुलित कर सकते हैं। इससे निवेशकों को लंबे समय में स्थिर और प्रतिस्पर्धी रिटर्न मिलने की संभावना बढ़ जाती है।

बेहतर रिटर्न का रिकॉर्ड

आंकड़ों के अनुसार फ्लेक्सी-कैप फंड ने अन्य विविधीकृत इक्विटी फंड की तुलना में भी अच्छा प्रदर्शन किया है। पिछले तीन वर्षों में इन फंडों ने औसतन लगभग 17 प्रतिशत वार्षिक चक्रवृद्धि वृद्धि दर का रिटर्न दिया है। वहीं पिछले पांच वर्षों में इनका औसत रिटर्न लगभग 14.2 प्रतिशत रहा है। इसी कारण निवेशकों का भरोसा भी इन फंडों पर बढ़ रहा है। फरवरी 2026 में फ्लेक्सी-कैप फंड में करीब 6,925 करोड़ रुपये का निवेश आया, जो इक्विटी म्यूचुअल फंड की विभिन्न श्रेणियों में सबसे अधिक रहा। इससे यह संकेत मिलता है कि निवेशक शेयर बाजार में निवेश तो जारी रखना चाहते हैं, लेकिन वे ऐसी श्रेणी को प्राथमिकता दे रहे हैं जहां फंड प्रबंधकों को निवेश में लचीलापन मिलता हो।

अस्थिर बाजार में रणनीतिक विकल्प

फ्लेक्सी-कैप फंड निवेशकों के लिए इक्विटी पोर्टफोलियो का मुख्य हिस्सा बन सकते हैं। यदि निवेशक लंबे समय के लिए नियमित निवेश योजना के माध्यम से निवेश करते हैं तो वे बाजार के उतार-चढ़ाव के बावजूद चक्रवृद्धि लाभ का फायदा उठा सकते हैं। साल 2025 में बाजार में देखी गई अस्थिरता के दौरान कई फ्लेक्सी-कैप फंडों ने अपने निवेश का झुकाव अपेक्षाकृत स्थिर बड़ी कंपनियों की ओर बढ़ा दिया था। साथ ही उन्होंने लगभग 15 से 20 प्रतिशत निवेश मझोली कंपनियों में बनाए रखा और अधिक जोखिम वाले छोटी कंपनियों के शेयरों में निवेश को सीमित कर दिया था।

निवेश से पहले रखें ध्यान

फ्लेक्सी-कैप फंड में निवेश करने से पहले निवेशकों को कुछ महत्वपूर्ण बातों पर जरूर ध्यान देना चाहिए। सबसे पहले फंड प्रबंधक के पिछले प्रदर्शन और बाजार के विभिन्न चरणों में उनकी रणनीति को समझना जरूरी है। इसके अलावा यह भी देखना चाहिए कि फंड बड़ी, मझोली और छोटी कंपनियों में निवेश का संतुलन किस प्रकार बनाता है। निवेशकों को फंड के जोखिम प्रबंधन, खर्च अनुपात और पोर्टफोलियो के केंद्रीकरण जैसे पहलुओं का भी मूल्यांकन करना चाहिए। फ्लेक्सी-कैप फंड में निवेश करते समय फंड प्रबंधक की यह क्षमता बहुत महत्वपूर्ण होती है कि वह विभिन्न क्षेत्रों में मूल्यांकन के अवसरों की पहचान कैसे करता है।

बाजार में लगातार बदलाव

विशेषज्ञों का कहना है कि भू-राजनीतिक तनाव के कारण शेयर बाजार में अक्सर तेज उतार-चढ़ाव और विभिन्न क्षेत्रों में निवेश का रुझान बदलता रहता है। लंबे समय में बाजार के अलग-अलग हिस्से अलग समय पर बेहतर प्रदर्शन करते हैं। ऐसी परिस्थितियों में फ्लेक्सी-कैप फंड इन बदलावों का लाभ उठाने के लिए बेहतर स्थिति में होते हैं। यह निवेशकों के लिए फ्लेक्सी-कैप फंड व्यापक बाजार में निवेश का एक सुविधाजनक माध्यम हैं, क्योंकि इससे निवेश किसी एक क्षेत्र या श्रेणी तक सीमित नहीं रहता।

निवेशकों के लिए बेहतर विकल्प

विशेषज्ञों का मानना है कि फ्लेक्सी-कैप फंड उन निवेशकों के लिए अधिक उपयुक्त हैं जिनका निवेश दृष्टिकोण लंबी अवधि का है और जो अल्पकालिक बाजार उतार-चढ़ाव को सहन कर सकते हैं। यदि निवेशक नियमित और अनुशासित तरीके से निवेश करते हैं तो समय के साथ उन्हें बेहतर रिटर्न मिल सकता है। बदलते आर्थिक माहौल और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच फ्लेक्सी-कैप फंड निवेशकों के लिए ऐसा विकल्प बनकर उभर रहे हैं, जो जोखिम और अवसर के बीच संतुलन बनाते हुए दीर्घकालीन संपत्ति निर्माण में सहायक हो सकते हैं।

अलर्ट वरिष्ठ नागरिक आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनें, ताकि बाद में पछताना न पड़े

बुजुर्गावस्था में अपनी आर्थिक स्थिति कैसे मजबूत करें समय रहते सही निवेश और आय के स्थायी स्त्रोत बनाएं

आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्लान तैयार कर निवेश करें, इससे आसानी होगी

बिजनेस डेस्क

बढ़ती उम्र जीवन का स्वाभाविक चरण है, लेकिन इसके साथ आने वाली आर्थिक चुनौतियों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। जब तक व्यक्ति युवा होता है, तब तक वह शारीरिक और मानसिक श्रम के माध्यम से नियमित आय अर्जित कर सकता है। किंतु 60 वर्ष की आयु के बाद शारीरिक क्षमता धीरे-धीरे कम होने लगती है और आय के अवसर सीमित हो जाते हैं। इसके साथ ही स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ने लगती हैं, जिससे खर्च भी अधिक हो जाता है। ऐसे में बुजुर्गावस्था में आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए समय रहते निवेश की योजना बनाना बेहद आवश्यक हो जाता है। भारतीय समाज में परंपरागत रूप से यह माना जाता रहा है कि वृद्धावस्था में परिवार ही सबसे बड़ा सहारा होता है। लेकिन बदलती सामाजिक परिस्थितियों, छोटे होते परिवारों और बढ़ती जीवनशैली की लागत के कारण केवल पारिवारिक सहारे पर निर्भर रहना अब व्यावहारिक नहीं रह गया है। इसलिए यह जरूरी है कि व्यक्ति अपने कार्यकाल के दौरान ही ऐसी वित्तीय योजना बनाए जिससे रिटायरमेंट के बाद भी नियमित आय बनी रहे और उसे आर्थिक रूप से किसी पर निर्भर न रहना पड़े।

क्यों जरूरी है रिटायरमेंट प्लानिंग

- युवावस्था में व्यक्ति शारीरिक और मानसिक श्रम से आय अर्जित कर सकता है।
- 60 वर्ष के बाद शारीरिक क्षमता धीरे-धीरे कम होने लगती है।
- बढ़ती उम्र के साथ स्वास्थ्य पर खर्च भी बढ़ता है।
- इसलिए बुजुर्गावस्था में नियमित आय का स्रोत होना बेहद जरूरी है।

पेंशन और सरकारी योजनाएं

सरकारी सेवा या कुछ निजी संस्थानों में कार्यरत कर्मचारियों को मासिक पेंशन मिलती है। कर्मचारी पेंशन योजना 1995 (ईपीएस) संगठित क्षेत्र के कर्मचारियों को रिटायरमेंट के बाद आय प्रदान करती है। अटल पेंशन योजना (एपीवाई) असंगठित क्षेत्र के कामगारों के लिए है, जिसमें 60 वर्ष के बाद 1000 रुपये से 5000 रुपये तक मासिक पेंशन मिलती है।

वरिष्ठ नागरिक बचत योजना

- 60 वर्ष से अधिक आयु के लोग निवेश कर सकते हैं।
- ब्याज दर लगभग 8.2% वार्षिक।
- न्यूनतम निवेश 1000 रुपये और अधिकतम 30 लाख रुपये।
- अवधि 5 वर्ष, जिसे आगे 3 वर्ष बढ़ाया जा सकता है।
- ब्याज का भुगतान हर तिमाही किया जाता है।
- आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत कर छूट का लाभ मिलता है।

डाकघर मासिक आय योजना

- नियमित मासिक आय का सुरक्षित साधन
- ब्याज दर लगभग 7.4%।
- एकल खाते में अधिकतम निवेश 9 लाख रुपये।
- संयुक्त खाते में 15 लाख रुपये तक निवेश संभव।
- लॉक-इन अवधि 5 वर्ष।
- ब्याज का भुगतान हर महीने किया जाता है।

सिस्टमैटिक विड्रॉल प्लान (एसडब्ल्यूपी)

- एकमुश्त निवेश के बाद हर महीने या तिमाही निश्चित राशि निकाल सकते हैं।
- केवल कुछ यूनिट्स बिकती हैं, बाकी निवेश बढ़ता रहता है।
- यह उन सेवानिवृत्त लोगों के लिए उपयोगी है जो पूंजी को सुरक्षित रखते हुए आय चाहते हैं।

बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट

- वरिष्ठ नागरिकों को 6% से 8% तक ब्याज मिलता है।
- ब्याज दर बैंक और अवधि के अनुसार अलग-अलग हो सकती है।
- यह एक सुरक्षित और कम जोखिम वाला निवेश माना जाता है।

संपत्ति से आय के विकल्प

- मकान, दुकान या जमीन किराये पर देकर नियमित आय प्राप्त की जा सकती है।
- अनुभव का उपयोग कर ट्यूशन, लेखन, सलाहकार कार्य किया जा सकता है।
- किराने की दुकान
- घर का बना खाद्य पदार्थ बेचना
- ट्यूशन या कोचिंग
- ब्लॉगिंग या ऑनलाइन काम

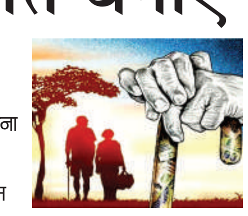

50 लाख निवेश करने पर संभावित आय

योजना	निवेश राशि	अनु. ब्याज	मा.आय
व. नागरिक बचत योजना	15,00,000	8%	10,000
डाकघर मासिक आय	9,00,000	7.4%	5,500
बैंक मियादी जमा	16,00,000	7%	9,300
अन्य पेंशन योजना	10,00,000	7.4%	6,000

कुल अनुमानित मासिक आय : लगभग 30,800

एक ही जगह निवेश न करें

रिटायरमेंट के बाद पूरी बचत एक ही जगह निवेश न करें। अलग-अलग योजनाओं में निवेश करने से जोखिम कम और आय स्थिर रहती है। यदि व्यक्ति बचत, निवेश और छोटे काम जारी रखे तो बुजुर्गावस्था में आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर रह सकता है। इससे आपको किी का मुंह नहीं ताकना पड़ेगा और बुढ़ापा आराम से कटेगा।

अमेरिका-इजराइल वर्सेज ईरान युद्ध दो सप्ताह से अधिक समय से जारी है। इसके चलते वैश्विक अर्थव्यवस्था चरमराने लगी है। ऊर्जा आपूर्ति, तेल की कीमतों में उछाल आया है। वहीं, खाड़ी क्षेत्र में काम करने वाले लाखों लोगों की सुरक्षा पर भी बड़ा खतरा पैदा हो गया है। दुनिया के कुछ बड़े देश जिनसे इस जंग को रुकवाने में हस्तक्षेप की उम्मीद थी, वह अपना-अपना गणित बैठाने में जुटे हुए हैं। उधर, संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका और औचित्य दोनों पर सवाल उठा है। दरअसल, यूएन की स्थापना का प्राथमिक उद्देश्य ही आने वाली पीढ़ियों को युद्ध की विभीषिका से बचाना और विश्व में शांति व सुरक्षा बनाए रखना था। वर्तमान में वह अपने इस उद्देश्य में असफल प्रतीत होने लगा है। नई दिल्ली के लिए सबसे बड़ी चुनौती केवल ऊर्जा बाजारों में ही नहीं, बल्कि रणनीतिक संबंधों के उस जटिल जाल को संभालने में है, जो अब युद्ध के कारण अलग-अलग दिशाओं में खिंचा चला जा रहा है। इस संघर्ष पर भारत की सार्वजनिक प्रतिक्रिया संयमित रही है। भारत ने किसी का पक्ष लेने से परहेज किया है। बहरहाल, इस तरह के संकट भारत की विभिन्न भू-राजनीतिक गुटों के साथ संबंध बनाए रखने की उसकी क्षमता की परीक्षा ले रहे हैं। ऐसे में कहा जा सकता है कि अगर यह युद्ध और अधिक लंबा चला तो इसके दूरगामी परिणाम भयावह हो सकते हैं। इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...

तीसरे विश्व युद्ध की ओर बढ़ रहे कदम

विश्लेषण

प्रभात कुमार राय
विदेशी मामलों के जानकार

> इजराइल-अमेरिका विरुद्ध ईरान युद्ध भीषण और विनाशकारी तौर पर निरंतर जारी है। दो सप्ताह से अधिक व्यतीत हो जाने के बाद भी युद्ध समाप्ति की तरफ अग्रसर होने के स्थान पर भीषण विध्वंसकता की तरफ विकरालता ग्रहण कर रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा इस ऐलान के साथ युद्ध का आगाज किया गया था कि यथाशीघ्र ही ईरान में सत्ता परिवर्तन अंजाम दे दिया जाएगा। इसमें कोई दोराय नहीं कि खाड़ी युद्ध यदि कुछ अधिक लंबा चल गया तो फिर इस जंग के तृतीय विश्व युद्ध में परिवर्तित हो जाने की प्रबल आशंका है।

इजराइल-अमेरिका विरुद्ध ईरान युद्ध भीषण और विनाशकारी तौर पर निरंतर जारी है। दो सप्ताह से अधिक व्यतीत हो जाने के बाद भी युद्ध समाप्ति की तरफ अग्रसर होने के स्थान पर भीषण विध्वंसकता की तरफ विकरालता ग्रहण कर रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा इस ऐलान के साथ युद्ध का आगाज किया गया था कि यथाशीघ्र ही ईरान में सत्ता परिवर्तन अंजाम दे दिया जाएगा। ईरान की जमीनी वास्तविकता को समझने में नेतन्याहू और डोनाल्ड ट्रंप ने बुनियादी गलती अंजाम दे डाली। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खुमैनी और ईरान के शीर्ष नेतृत्व एवं सैन्य कमांडरों को कत्ल कर दिए जाने के पश्चात ईरान और अधिक एग्रेसिव और आक्रामक हो गया है। अमेरिकी और इजराइली लीडरान ने इराक के विरुद्ध ईरान की शत अल अरब की जंग को विस्मृत कर दिया कि इस जंग में सद्दाम हुसैन की आक्रामक सेना के पीछे अमेरिका, यूरोप और खाड़ी देशों के सैन्य बलों की ताकत विद्यमान थी। इराक बनाम ईरान जंग तकरीबन दस वर्षों तक निरंतर जारी रही और इस जंग में ईरान के तकरीबन दस लाख ईरानी नौजवान मारे गए थे। इराक वस्तुतः ईरान के विरुद्ध जंग को फतेह नहीं कर सका था।

एनर्जी मार्केट, सप्लाई चेन बिगड़ी

इस्लामी गणराज्य ईरान के दुर्दान्त लड़ाकू चरित्र को देखते हुए यह कहना अत्यंत मुश्किल है कि वर्तमान जंग का खात्मा जल्दी होने वाला है। दुर्भाग्य से यदि यह भीषण जंग दीर्घकाल तक खिंचती चली गई तो फिर अमेरिका, इजराइल और ईरान के साथ ही साथ समस्त विश्व के समक्ष के विकराल दुष्परिणाम उपस्थित हो जाएंगे। इस जंग के कारण ग्लोबल एनर्जी मार्केट और सप्लाई चेन में अत्यंत उथल-पुथल व्याप्त हो गई है। दुष्कर हालत से प्रतीत हो रहा है कि वैश्विक आर्थिक संकट से अनेक देश निपटने की तैयारी कर रहे हैं। जबकि कुछ देशों को विशेष कर रूस और चीन को इस विभीषिका और अव्यवस्था के मध्य रणनीतिक और बेहतर आर्थिक अवसर भी हासिल हो रहे हैं। 28 फरवरी से निरंतर जारी जंग के दौरान ही तेल की क़ीमत आकाश को स्पर्श कर रही है। अभी तक की जंग से क्रूड तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच चुकी है। शिपिंग और ऊर्जा के बुनियादी ढांचों पर विध्वंसकारी हवाई आक्रमणों और होर्मुज स्ट्रेट के पूरी तरह बंद किए जाने से तेल की कीमत और भी अधिक बढ़ सकती हैं।

तेल की कीमतों में इजाफा

तेल और गैस पर बरपा हुआ यह भीषण संकट जिस तरह से दक्षिण एशियाई मुल्कों में विकराल से आच्छादित हो रहा है, वैसा और कहीं नहीं बरप रहा है। पिछले वर्ष होर्मुज स्टेट से गुजरने वाले कुल तेल और गैस का लगभग 90 फ़ीसदी दक्षिण एशिया के इलाके में भेजा गया था। आम नागरिकों को अपने घरों का चूल्हा जलाने, गाड़ियों में ईंधन भरने, बिजली उत्पादन के लिए तेल व गैस पर अत्यधिक निर्भर रहना पड़ता है। उद्योगों को संचालित करने के लिए कारोबारी जगत को भी तेल और गैस की बहुत बड़ी दरकार रहती है। विगत सप्ताह नागरिक विमानों में प्रयोग होने वाले तेल की कीमत तकरीबन 60 प्रतिशत बढ़ चुकी है। पाकिस्तान, बांग्लादेश, वियतनाम, कंबोडिया, थाईलैंड, फिलिपींस, इंडोनेशिया, जापान, साउथ कोरिया और भारत आदि दक्षिण एशिया के अनेक देश इस विकराल स्थिति का जबरदस्त दबाव और दंश झेल रहे हैं। जंग शुरू होने के बाद अमेरिका में भी पेट्रोल की औसत क़ीमत विगत दिनों की तुलना में 23 प्रतिशत अधिक हो गई है और डीजल की कीमत भी एक तिहाई से अधिक बढ़ गई है।

भारत को ईरान से मिली राहत

वहीं ब्रिटेन में डीजल की कीमत 9 प्रतिशत अभी तक बढ़ गई है। यह ऐसा मसला है जिससे तकरीबन सभी देशों की सरकारें बेहद परेशान हैं। रूस से आयातित तेल को भारत रिफाइन प्रक्रिया करके यूरोप को सप्लाई करता रहा था। फिलहाल रूस द्वारा यूरोप के लिए तेल और गैस और सप्लाई पूरी तरह बंद कर दी गई है। पेट्रोल और गैस की किल्लत का असर केवल चीन पर कदाचित नहीं हो रहा है। एशिया के अन्य देशों की तुलना में चीन की बिजली उत्पादन क्षेत्र में तेल और गैस पर निर्भरता बहुत कम है। भारत के लिए राहत की खबर है कि भारत में ईरान के राजदूत के ऐलान के मुताबिक भारत को होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित पैसेज प्रदान किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका द्वारा आयद प्रतिबंधों के बाद भारत द्वारा ईरान से तेल खरीदना बंद कर दिया गया था। इसके बावजूद भारत और ईरान के मध्य व्यापारिक और कूटनीतिक संबंध बाकायदा मित्रतापूर्ण कायम रहे। भारत द्वारा ईरान के चाबहार बंदरगाह के विकास के लिए भारी भरकम निवेश किया गया है।

अमेरिका द्वारा भारत सहित अनेक देशों को रूस से तेल खरीदने के लिए तीस दिनों की मोहलत प्रदान की गई है। इस अमेरिकन मोहलत की बदौलत ही रूस अपना खाली खजाना भर लेगा। अमेरिका के ईरान युद्ध में बुरी तरह से उलझ जाने के पश्चात यूक्रेन युद्ध में रूस को और अधिक कामयाबी हासिल हो सकती है। यूक्रेन को अब अमेरिकन हथियारों की सप्लाई बुरी तरह से बाधित हो जाएगी। रूस से भारत सहित अनेक देशों को तेल खरीदने की मोहलत प्रदान करने से यूरोपीय यूनियन के देश अमेरिका से और अधिक नाराज हो गए। कनाडा और ग्रीनलैंड पर डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अपने आधिपत्य का दावा पेश करने के पश्चात यूरोपीय यूनियन और अमेरिका के मध्य टकराव और तकरार शुरू हो गई थी।

खाद्य संकट छाने की आशंका

इस युद्ध में अपने पुराने नाटो सहयोगियों के मध्य अमेरिका अलग-थलग पड़ता जा रहा है। कृषि उत्पादन में फर्टिलाइजर्स का गहन अभाव हो जाने पर खाद्य संकट उत्पन्न हो सकता है। भारत की दोस्ती वस्तुतः इजराइल और ईरान दोनों देशों के साथ कायम रही है। खाड़ी देशों में निवास कर रहे तकरीबन 90 लाख भारतीयों की सुरक्षा की चिंता भी भारत सरकार को है। भारत समुचित कूटनीतिक पहल करे तो इस जंग को समाप्त कराने में वह जबरदस्त भूमिका का निर्वाह कर सकता है। खाड़ी युद्ध यदि कुछ अधिक लंबा चल गया तो फिर इस जंग के तृतीय विश्व युद्ध में परिवर्तित हो जाने की प्रबल आशंका है।

तेल, युद्ध और होर्मुज़ : हिल गई दुनिया की ऊर्जा व्यवस्था

संघर्ष

विवेक शुक्ला
वरिष्ठ पत्रकार

अमेरिका-इज़राइल और ईरान के बीच खाड़ी में छिड़ी जंग ने पूरी दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा को झकझोर दिया है। इस संघर्ष का सबसे बड़ा असर पड़ा है स्ट्रेट ऑफ होर्मुज (हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य) पर-वह संकरा समुद्री रास्ता, जिससे दुनिया का करीब 20% तेल और तरल प्राकृतिक गैस (एलएनजी) गुजरता है। जंग के कारण यह रास्ता लगभग ठप हो गया है। इसी वजह से इन दिनों यह नाम खबरों में बार-बार सुनाई दे रहा है। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी (आईईए) के मुताबिक, यह आधुनिक इतिहास की सबसे बड़ी ऊर्जा आपूर्ति रुकावट बन चुकी है। खाड़ी क्षेत्र में तेल-गैस उत्पादन रोज़ाना करीब 1 करोड़ बैरल तक घट गया है। ईरान के हमलों से कई खाड़ी देशों की ऊर्जा सुविधाओं को नुकसान पहुंचा है। नतीजा साफ है- तेल की कीमतें 100 से 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई हैं। इससे पूरी दुनिया में महंगाई का दबाव बढ़ गया है और अर्थव्यवस्थाओं पर भारी बोझ पड़ रहा है।

दुनिया पर असर : इस संकट की सबसे ज्यादा मार यूरोप और एशिया पर पड़ रही है, क्योंकि ये इलाके अपनी लगभग 90 फीसद ऊर्जा इसी रास्ते से आयात करते हैं। होर्मुज़ के लगभग बंद होने से तेल टैंकरों का आवागमन करीब 98 फीसद तक गिर गया है। इसका सीधा असर गैस बाजार पर भी पड़ा है। विकासशील देशों में ईंधन महंगा होने से खाने-पीने की चीजें महंगी हो रही हैं और उद्योगों की लागत बढ़ रही है। खाड़ी के प्रमुख उत्पादक- सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और इराक में उत्पादन रुकने से वैश्विक सप्लाई चेन में देरी और अनिश्चितता बढ़ गई है। यह संकट एक बड़ी सच्चाई भी उजागर करता है-दुनिया की अर्थव्यवस्था अब भी फॉसिल ईंधन (कोयला, तेल, गैस) पर बहुत ज्यादा निर्भर है। यह निर्भरता ऐसे छोटे-से "चोकपॉइंट" पर टिकी है, जो किसी भी समय संकट का कारण बन सकता है।

> भारत की स्थिति भी आसान नहीं है। देश अपनी जरूरत का 85–90% कच्चा तेल आयात करता है। इसमें से लगभग 45–50% तेल खाड़ी से, यानी होर्मुज के रास्ते आता है। भारत का करीब 90% एलपीजी और एलएनजी का बड़ा हिस्सा भी इसी क्षेत्र से आता है।

भारत पर क्या असर : भारत की स्थिति भी आसान नहीं है। देश अपनी जरूरत का 85–90% कच्चा तेल आयात करता है। इसमें से लगभग 45–50% तेल खाड़ी से, यानी होर्मुज़ के रास्ते आता है। भारत का करीब 90% एलपीजी और एलएनजी का बड़ा हिस्सा भी इसी क्षेत्र से आता है। अगर सप्लाई लंबे समय तक बाधित रही, तो देश में ईंधन की कमी का खतरा पैदा हो सकता है। भारत के पास रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार में सीमित अवधि का ही स्टॉक है। तेल महंगा होने से महंगाई बढ़ेगी, रुपया दबाव में आएगा और सरकारी बजट पर बोझ बढ़ेगा। इसका असर आम जिंदगी पर भी दिखने लगा है।

इससे हवाई यात्रा महंगी हो रही है, परिवहन लागत बढ़ रही है और देश भर में छोटे होटल, रेस्तरां और ढाबे तक प्रभावित हो रहे हैं। हालांकि संकट के बीच भारत ने कुछ समझदारी भरे कदम भी उठाए हैं। रूस से तेल आयात बढ़ाकर करीब 40% कर दिया गया। इसके अलावा, स्पॉट मार्केट (जहां तुरंत खरीद-बिक्री होती है) से करीब 3 करोड़ बैरल तेल खरीदा गया।

आगे का रास्ता क्या : कम अवधि में सबसे जरूरी कदम है आयात के स्रोतों को विविध बनाना। भारत और दुनिया को अमेरिका, नाइजीरिया, दक्षिण अमेरिका जैसे क्षेत्रों से ज्यादा तेल-गैस लाना होगा।लेकिन असली समाधान लंबी अवधि में है- साफ ऊर्जा। भारत ने 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता हासिल करने का लक्ष्य रखा है। इसमें सौर , पवन ऊर्जा परियोजनाएं और इलेक्ट्रिक वाहनों का विस्तार शामिल है, ताकि तेल पर निर्भरता कम हो सके। इसके अलावा- परमाणु ऊर्जा का विस्तार और केजी बेसिन में घरेलू गैस उत्पादन बढ़ाना भी है। ये सभी कदम ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत कर सकते हैं।

खाड़ी की यह जंग एक साफ संदेश देती है- दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा बेहद नाजुक है। अगर पूरी व्यवस्था कुछ संकरे समुद्री रास्तों पर टिकी रहेगी, तो ऐसे संकट बार-बार आते रहेंगे। भारत के लिए भी यही सबक है: ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से बढ़ना। विविध आयात, बड़े भंडार और हरित ऊर्जा में निवेश- यही भविष्य का रास्ता है। अगर सही फैसले लिए जाएं, तो यह संकट केवल खतरा नहीं बल्कि एक अवसर भी बन सकता है। एक ऐसी ऊर्जा व्यवस्था बनाने का अवसर, जो मजबूत हो, सुरक्षित हो और ज्यादा स्वतंत्र भी।

भारत के लिए कूटनीतिक संतुलन साधने की चुनौती

चिंतन

रवि शंकर
वरिष्ठ पत्रकार

अमेरिका और इजराइल का ईरान के साथ चल रहा युद्ध अब वैश्विक अर्थव्यवस्था पर असर डालने लगा है। दो हफ्तों से जारी इस संघर्ष के कारण ऊर्जा आपूर्ति, तेल की कीमतों और खाड़ी क्षेत्र में काम करने वाले लाखों लोगों की सुरक्षा पर बड़ा खतरा पैदा हो गया है। इसका सीधा असर भारत पर भी पड़ सकता है, क्योंकि भारत की ऊर्जा जरूरतें और बड़ी संख्या में भारतीय कामगार खाड़ी देशों पर निर्भर हैं। इजराइल-अमेरिका के ईरान पर हमले के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य के समुद्री मार्गों में जहाजों की आवाजाही प्रभावित हुई है, जो दुनिया के ज्यादातर देशों के लिए कच्चे तेल और गैस की सप्लाई का यह एक महत्वपूर्ण रास्ता है। इससे आपूर्ति प्रभावित होने और माल ढुलाई की लागत बढ़ने को लेकर चिंता बढ़ी है। पश्चिम एशिया भारत का एक महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदार है। भारत के निर्यात में इसकी लगभग 14 प्रतिशत और आयात में लगभग 21 प्रतिशत हिस्सेदारी है। ऐसे में यदि तनाव और बढ़ता है तो व्यापार के साथ ऊर्जा आपूर्ति भी प्रभावित हो सकती है। फिर भी भारत ने साफ कर दिया है कि वह जंग नहीं बल्कि शांति और कूटनीति का समर्थक है। हालांकि, भारत और ईरान के रिश्ते हमेशा वैचारिक समानता पर आधारित नहीं रहे, बल्कि इनका मूल आधार व्यावहारिक हित और रणनीतिक जरूरतें रही हैं। ऊर्जा आपूर्ति, व्यापार और वहां रहने वाले भारतीय नागरिकों की सुरक्षा जैसे कई मुद्दे इससे जुड़े हैं। इसलिए भारत कोशिश कर रहा है कि सभी पक्षों से संवाद बनाए रखते हुए संतुलित नीति अपनाई जाए। फिर भी देखा जाए तो, पिछले दो दशकों में भारत ईरान के साथ अपने संबंधों को लेकर पूरी तरह स्वतंत्र निर्णय नहीं ले पाया। इसकी एक बड़ी वजह अमेरिका की प्रतिबंधात्मक नीतियां रही हैं। ईरान से जुड़ा हर बड़ा फैसला भारत को अमेरिका के साथ अपने संबंधों को ध्यान में रखकर लेना पड़ा है। यही वजह है कि अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान के खिलाफ अभियान तेज किए जाने के बीच, भारत कूटनीति, ऊर्जा सुरक्षा और रणनीतिक साझेदारियों के बीच संतुलन बनाए रखने की कोशिश कर रहा है। क्योंकि भारत अपने कच्चे तेल का लगभग 80 प्रतिशत आयात करता है। ऐसे में युद्ध लंबा चला तो कच्चे तेल की कीमतों में आग लगेगी और भारत सीधे चपेट में आएगा। तेल महंगा होने से भारत में महंगाई बढ़ेगी और देश का व्यापार घाटा और ज्यादा बढ़ने का खतरा रहेगा। फिर भी, नई दिल्ली के लिए सबसे बड़ी चुनौती केवल ऊर्जा बाजारों में ही नहीं, बल्कि रणनीतिक संबंधों के उस जटिल जाल को संभालने में है जो अब युद्ध के कारण अलग-अलग दिशाओं में खिंचा चला जा रहा है। संघर्ष पर भारत की सार्वजनिक प्रतिक्रिया संयमित रही है। नई दिल्ली ने किसी का पक्ष लेने से परहेज किया है। इसके कारण स्पष्ट हैं। संघर्ष में शामिल सभी प्रमुख पक्षों के साथ भारत के महत्वपूर्ण संबंध हैं। चाबहार बंदरगाह परियोजना के माध्यम से भारत की क्षेत्रीय संपर्क संबंधी महत्वाकांक्षाओं में ईरान की केंद्रीय भूमिका है। वहीं, इजराइल भारत के सबसे महत्वपूर्ण रक्षा साझेदारों में से एक है, जो वायु रक्षा प्रणाली, ड्रोन और निगरानी प्लेटफॉर्म सहित उन्नत प्रौद्योगिकियां प्रदान करता है। साथ ही, पिछले एक दशक में संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ भारत की रणनीतिक साझेदारी में काफी मजबूती आई है, जिसमें रक्षा सहयोग, खुफिया जानकारी साझा करना और उभरती। वहीं पश्चिम एशियाई क्षेत्र में लगभग 90 लाख भारतीय प्रवासी रहते हैं। यह समुदाय भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए हर साल लगभग सौ अरब डालर का योगदान देता है। यह वित्तीय प्रवाह भारत के विदेशी मुद्रा भंडार के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। भारत और ईरान के संबंध वैचारिक निकटता की बजाय पारस्परिक हितों पर आधारित रहे हैं। तीनों प्रधानमंत्रियों की मुलाकातों ने यह सुनिश्चित किया कि संवाद की प्रक्रिया जारी रहे। अब पश्चिम एशिया के बदलते राजनीतिक परिदृश्य में यह देखना अहम होगा कि यह रणनीतिक साझेदारी किस दिशा में आगे बढ़ती है। बहरहाल, इस तरह के संकट भारत की विभिन्न भू-राजनीतिक गुटों के साथ संबंध बनाए रखने की उसकी क्षमता की परीक्षा ले रहे हैं। आने वाले महीनों में यह तय होगा कि संघर्ष सीमित रहेगा या एक व्यापक क्षेत्रीय संकट में बदल जाएगा। फिलहाल, मध्य पूर्व एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है, जिसके परिणाम युद्धक्षेत्र से कहीं आगे तक फैलेंगे।

> *युद्ध लंबा चला तो कच्चे तेल की कीमतों में आग लगेगी और भारत सीधे इसकी चपेट में आएगा। तेल महंगा होने से भारत में महंगाई बढ़ेगी और देश का व्यापार घाटा और ज्यादा बढ़ने का खतरा रहेगा।*

वैश्विक दबंगई देखने को लाचार संयुक्त राष्ट्र

औचित्य

उमेश चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

ईरान के खिलाफ अमेरिकी-इजराइली कार्रवाई के बाद एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका और औचित्य दोनों पर सवाल उठा है। दिलचस्प यह है कि अमेरिका ने अतीत में जब भी ऐसी कार्रवाई की, उसने संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्तावों को लागू करने का बहाना बनाया। चूंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अलबेले राजनेता हैं, उनके लिए नियम-कायदों और जगतगति से ज्यादा उनकी अपनी जुबान और सोच मायने रखती हैं। इसलिए ईरान के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए उन्होंने संयुक्त राष्ट्र संघ की ओट लेने की औपचारिकता भी नहीं निभाई।

संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना का सबसे बड़ा कारण प्रथम विश्व युद्ध के बाद गठित लीग ऑफ नेशन्स की असफलता रही। अमेरिकी राष्ट्रपति वुडरो विल्सन की पहल पर प्रथम विश्व युद्ध के बाद 10 जनवरी 1920 को स्थापित लीग ऑफ नेशन्स पहला ऐसा अंतरराष्ट्रीय संगठन था, जिसका मुख्य उद्देश्य कूटनीति और सामूहिक सुरक्षा के जरिए विश्व शांति बनाए रखना था। लीग ऑफ नेशन्स का प्रमुख उद्देश्य राष्ट्रों के बीच के विवादों को सुलझाना, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सामूहिक सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना और वैश्विक स्तर पर निरस्त्रीकरण को अमली-जामा पहनाना रहा। जिनेवा में स्थित वह संस्था ऐसा करने में पूरी तरह नाकाम रही। उसकी नाकामी के चलते जर्मनी और जापान ने विस्तारवादी नीतियां न सिर्फ अपनाईं, बल्कि रोजाना नए-नए राष्ट्रों पर कब्जा और हमला करने लगे। इसके बाद जो हुआ, वह विश्व इतिहास के काले पन्नों में दर्ज है। बेशक लीग ऑफ नेशन्स को 20 अप्रैल 1946 को आधिकारिक रूप से भंग किया गया, लेकिन इसके पहले ही 24 अक्टूबर 1945 को संयुक्त राष्ट्र की स्थापना कर दी गई। इसकी स्थापना का प्राथमिक उद्देश्य आने वाली पीढ़ियों को युद्ध की विभीषिका से बचाना और विश्व में शांति और सुरक्षा बनाए रखना था। अब सवाल यह है कि क्या वह अपने इस प्राथमिक उद्देश्य में सफल है? इस पर चर्चा से पहले संयुक्त राष्ट्र चार्टर पर ध्यान देना जरूरी है, जिसके अनुसार संयुक्त राष्ट्र का मुख्य

> **संयुक्त राष्ट्र की स्थापना का प्राथमिक उद्देश्य युद्ध की विभीषिका से बचाना और विश्व में शांति और सुरक्षा बनाए रखना था। सवाल यह है कि क्या वह अपने इस उद्देश्य में सफल है?**

उद्देश्य, दुनिया भर में शांति बनाए रखना और अंतरराष्ट्रीय संघर्षों का शांतिपूर्ण समाधान करना है। इसके साथ ही उसका एक और मकसद, राष्ट्रों के बीच समानता और आत्म-निर्णय के सिद्धांतों के आधार पर दोस्ताना संबंधों का विकास करना भी रहा है। संयुक्त राष्ट्र के चार्टर में साफ लिखा है कि यह अंतरराष्ट्रीय संगठन बिना किसी जाति, लिंग, भाषा या धर्म के भेदभाव के पूरी दुनिया के मानवाधिकारों और मौलिक स्वतंत्रता को बढ़ावा देगा। उसका मकसद, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और मानवीय समस्याओं को हल करने के लिए राष्ट्रों के बीच सहयोग स्थापित करने के साथ ही,गरीबी दूर करने, भूख, बीमारी और निरक्षरता से लड़ने और प्राकृतिक आपदाओं के समय सहायता प्रदान करने के लिए कार्य करना भी है। इसके साथ ही उसकी भूमिका अंतरराष्ट्रीय संधियों और कानूनों के प्रति सम्मान बनाए रखने के लिए प्रयास करने की भी है। सवाल यह है कि क्या संयुक्त राष्ट्र संघ ऐसा कर सका है? निश्चित तौर पर इसका जवाब ना में है।

मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में संयुक्त राष्ट्र की हालत सड़क के किनारे बैठे उस असहाय व्यक्ति जैसी हो गई है, जो सड़क पर जारी मारपीट को असहाय भाव से टुकुर-टुकुर देखने को मजबूर रहता है। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना का सबसे प्रमुख उद्देश्य युद्धों को रोकना है, लेकिन न तो यह शीत युद्ध को रोक सका, न ही मौजूदा दौर के संघर्षों को रोक पा रहा है। 1991 के खाड़ी युद्ध के लिए तो अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति जार्ज बुश ने संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्ताव को ही बहाना बनाया था। 2001 में भी जार्ज बुश के बेटे जूनियर जार्ज बुश और तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर ने भी इराक और अफगानिस्तान पर हमले के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्तावों और उसकी सेना की ओट ली थी। जब से ट्रंप ने अमेरिका की दोबारा कमान संभाली है, तब से उन्होंने संयुक्त राष्ट्र को और ज्यादा पंगु करने की कोशिश की है। विश्व स्वास्थ्य संगठन समेत संयुक्त राष्ट्र के कई अंगों में अपनी आर्थिक भागीदारी और सहयोग उन्होंने घटाना शुरू कर दिया है। उनका मानना है कि संयुक्त राष्ट्र के मंचों के जरिए अमेरिकी करदाताओं की बड़ी रकम बेकार के कामों में खर्च हो रही है, जिसका अमेरिका को सीधे फायदा नहीं मिलना है। ऐसे में आने वाले दिनों में संयुक्त राष्ट्र की स्थिति और भी ज्यादा निरीह होने वाली है।

आश्चर्यजनक है चीन और रूस की चुप्पी !

दृष्टिकोण

डॉ. एन. के. सोमानी
स्वतंत्र स्तंभकार

इजराइल-अमेरिका और ईरान के बीच चल रहा युद्ध तीसरे सप्ताह में प्रवेश कर चुका है। पूरी दुनिया में भय, चिंता और अफर-तफरी का माहौल है। युद्ध की लंबी खिंचती अवधि ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि सनकी शासकों की सनक के परिणाम स्वरूप होने वाले युद्धों का आगाज तो आसान है, लेकिन अंजाम सरल नहीं है। रूस-यूक्रेन युद्ध और गाजा-इजराइल के थकाऊ और उबाऊ संघर्ष से निकलकर सामने आ रही खौफनाक तस्वीरों के बावजूद दुनिया के कथित 'बुचर ब्रदर्स' अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके खासमखास इजराइली राष्ट्रपति बैंजामिन नेतन्याहू ने ईरान पर हमला कर दुनिया को संकट में डाल दिया। दोनों पक्ष एक दूसरे के सिविल और सैन्य ठिकानों पर हमला कर नुकसान पहंचाने का दावा कर रहे हैं। वैश्विक शांति की जिम्मेदारी जिन संस्थाओं और संगठनों ने ली हुई है, वह पूरी तरह से खामोश है। दुनिया के कुछ बड़े देश जिनसे हस्तक्षेप की धुंधली सी उम्मीद थी, वह अपना-अपना गणित बैठाने में जुटे हुए हैं। हालांकि चीन और रूस ने ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमलों की निंदा की है। दोनों देशों की ओर से ईरान को कूटनीतिक और तकनीकी समर्थन दिए जाने की बात कही जा रही है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् की बैठक में दोनों पक्षों के बीच हुई गरमा-गरम बहस में जहां एक ओर अमेरिका ने ईरान के साथ जारी जंग को सही ठहराने की कोशिश की। वहीं, दूसरी तरफ चीन और रूस ने ईरान के खिलाफ लगाए गए प्रतिबंधों का विरोध किया और मौजूदा संकट के लिए अमेरिका को जिम्मेदार ठहराया। कहने को तो चीन और रूस सैद्धांतिक रूप से ईरान के साथ खड़े दिख रहे हैं लेकिन दोनों महाशक्तियां सीधे सैन्य हस्तक्षेप से बचते हुए भी दिख रही हैं।

चीन की भूमिका : ईरान और इजराइल-अमेरिका संघर्ष में पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की चुप्पी आश्चर्यजनक है। ईरान द्वारा इस्तेमाल की जा रही मिसाइलों और ड्रोन्स में चीनी बेडू नेविगेशन सिस्टम के उपयोग की खबरें आई है। चीन लंबे समय से ईरान के परमाणु कार्यक्रम का समर्थक रहा है। सिंतबर 2025 में जब राष्ट्रपति शी जिनपिंग की ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से मुलाकात हुई, उस वक्त जिनपिंग ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम का समर्थन करते हुए कहा था कि वह ईरान के परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग के अधिकार का सम्मान करते है। ऐसे में सवाल यह है कि चीन की चुप्पी किसी दुविधा का परिणाम है या किसी दीर्घकालिक रणनीति का संकेत। कहीं ऐसा तो नहीं कि चीन मौजूदा संकट में कूटनीतिक अवसरों के जरिए अपने हितों को

> **कहने को तो चीन और रूस सैद्धांतिक रूप से ईरान के साथ खड़े दिख रहे हैं लेकिन दोनों महाशक्तियां सीधे सैन्य हस्तक्षेप से बचते हुए भी दिख रही हैं।**

साधने की कोशिश में जुटा हो। अगर ऐसा है तो मध्यपूर्व में अमेरिका को काउंटर करने में ईरान की जो भूमिका रही, चीन की ओर से उसकी अनदेखी करना उचित नहीं है। हो सकता है चीन अपनी ताइवान नीति के कारण ईरान के पक्ष में खुलकर आने से गुरेज कर रहा हो। बीजिंग अपनी 'वन चाइना पॉलिसी' में ताइवान को अपना क्षेत्र मानता है और वह पुनः इसे अपने देश का हिस्सा बनाना चाहता है। अमेरिका ताइवान की सुरक्षा के लिए वचनबद्ध है। ताइवान की रक्षा हेतु अमेरिका उसे लगातार हथियार और दूसरे सैन्य उपकरण उपलब्ध करवाता है। अब चूंकि अमेरिका ईरान के साथ उलझा हुआ है। ऐसे में दोनों के बीच की तनातनी कूटनीति तौर पर चीन के लिए हितकर कही जा सकती है। पूरे मामले में तेल का भी अपना खेल है। चीन युद्ध के बीच ईरान से तेल खरीद की मात्रा बढ़ाकर उसकी अर्थव्यवस्था को सहारा दे रहा है। चूंकि चीन के कच्चे तेल आयात में ईरान की हिस्सेदार 12 फीसदी है। चीन निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था है। युद्ध के लंबे चलने से उसकी अर्थव्यवस्था और निर्यात उद्योग प्रभावित हो सकता है। संक्षेप में कंहें तो ईरान से तेल की आपूर्ति, मध्य पूर्व में अपने प्रभाव को बढ़ाने की लालसा और ताइवान कुछ ऐसे कारक है जिसके चलते चीन ईरान के पक्ष में खुलकर उतरने में हिचकिचा रहा है।

रूस की भूमिका: चीन की तरह मध्यपूर्व में रूस भी ईरान का अहम सहयोगी और सैन्य साझेदार है। हालांकि ईरान के मौजूदा संकट में उसका झुकाव ईरान की तरफ जरूर दिख रहा है लेकिन वह भी चीन की तरह सिर्फ निंदा और हमले की आलोचना करने तक सीमित है। उसने ईरान पर किए गए हमलों की कड़ी निंदा की है और इसे संप्रभु राष्ट्र पर पूर्व-नियोजित और उकसावे वाली आक्रामकता कहा है, लेकिन युद्ध में सीधे सैन्य हस्तक्षेप से बच रहा है। दरअसल रूस स्वयं यूक्रेन युद्ध में उलझा हुआ है। यूक्रेन युद्ध में अमेरिका और उसके पश्चिमी सहयोगी यूक्रेन के साथ खड़े हैं। ईरान के साथ जंग शुरू होने से पहले अमेरिका के जो सैन्य संसाधन यूक्रेन में लग रहे थे, अब वे मध्यपूर्व में लग रहे हैं। इससे जेलेंस्की की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। जो पैट्रियट मिसाइलें पहले यूक्रेन के बार्डर पर तैनात थी, अब उन्हें मध्यपूर्व में तैनात किया जा रहा है। यह यूक्रेन से मोर्चा ले रहे रूस के लिए फायदेमंद है। यही वजह है कि रूस ईरान के पक्ष में किसी तरह के सैन्य हस्तक्षेप के लिए आगे बढ़ने से झिझक रहा है। पुतिन के व्यक्तिगत तौर पर भी ट्रंप के साथ अच्छे संबंध है। पिछले कुछ समय से दोनों के बीच की कैमेस्ट्री बेहतर हुई है। हालांकि सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के रूस के साथ अच्छे संबंध थे। वह रूस के साथ दीर्घकालिक सहयोग के समर्थक थे। वह पुतिन को भरोसेमंद साथी के रूप में देखते थे। यूक्रेन युद्ध के दौरान ईरान और रूस के बीच रक्षा सहयोग तेजी से बढ़ा है। ईरान ने रूस को ड्रोन तकनीक और अन्य हथियार उपलब्ध कराए। ऐसे में अयातुल्ला की शहादत रूस के लिए एक कूटनीतिक झटका है। कुल मिलाकर कहें तो रूस ईरान के आत्मरक्षा के अधिकार का तो समर्थन करता है लेकिन वह मौजूदा संघर्ष में केवल 'मध्यस्थ' के रूप में दिखना चाहता है, न कि सक्रिय भागीदार के रूप में ।

अमेरिका से ट्रेड डील का जिक्र कर राहुल ने सरकार को घेरा

किसानों के मुद्दे पर कांग्रेस लड़ती रहेगी, एमएसपी पर भी किए सवाल

केंद्र की नीतियों को लेकर विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने फिर फेसबुक पोस्ट लिखकर किसानों से जुड़ा मुद्दा उठाया है। राहुल ने कहा कि उन्होंने सरकार से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से जुड़ा सवाल पूछा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र सरकार की नीतियों को लेकर कांग्रेस सांसद और विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने फिर फेसबुक पोस्ट लिखकर किसानों से जुड़ा मुद्दा उठाया है। राहुल ने कहा कि उन्होंने सरकार से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से जुड़ा सवाल पूछा, लेकिन सरकार ने जवाब देने से बचने का रास्ता चुना और संसद के पटल पर पुरानी नीतियों को दोहराया गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस किसानों के हक में संसद से लेकर सड़क तक आवाज उठाते रहेगी।

न्यूनतम समर्थन मूल्य का निर्धारण करना चाहिए

स्वामीनाथन समिति के सुझावों पर जोर

राहुल ने पोस्ट में लिखा-लोकसभा में मैंने सरकार से सीधा सवाल पूछा। 2021 में किसानों से किया गया सी2 प्लस 50 फीसदी कानूनी एमएसपी का वादा अब तक लागू क्यों नहीं हुआ? सरकार ने अपनी पुरानी एमएसपी नीति दोहरा दी। इसे आम तौर पर स्वामीनाथन समिति के सुझावों की तरह भी देखा जाता है। इसके तहत सरकार को ये सुझाव दिया गया है कि खेती की कुल लागत (सी2) में 50 फीसदी मुनाफे को जोड़ने के बाद ही फसल के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का निर्धारण किया जाना चाहिए।

अमेरिका के साथ ट्रेड डील को लेकर भी घेरा

राहुल ने सरकार से संसद में मिले जवाब की प्रति भी साझा की है। विपक्ष के नेता ने सरकार को कठघरे में खड़ा करते हुए अपने फेसबुक पोस्ट में लिखा, 'सरकार ने यह भी स्वीकार किया कि उसने राज्यों पर एमएसपी बोनस खत्म करने का दबाव डाला, जिसे बिना किसी तर्क के 'राष्ट्रीय प्राथमिकताओं' के नाम पर सही ठहराया गया।

कांशीराम को लेकर राहुल पर भड़कीं मायावती

कांग्रेस की मानसिकता की वजह से ही बसपा बनी

उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने बसपा के संस्थापक कांशी राम के अनुयायियों और समर्थकों को कांग्रेस के खिलाफ सतर्क रहने की सलाह दी और कहा कि उनकी दलित विरोधी मानसिकता और सोच के कारण ही बसपा का गठन हुआ। राहुल से कई सवाल भी किए।

राहुल के कमेंट पर डीयू ने जताई आपत्ति | बयान देने से पहले उन्हें जानकारी तो लेनी थी...

दिल्ली यूनिवर्सिटी (डीयू) ने राहुल गांधी के बयान पर कड़ी आपत्ति जताई है। डीयू ने कहा कि छात्रों के प्रवेश और शिक्षकों की भर्ती को लेकर जो बातें कही गई हैं, वे सही तथ्यों पर आधारित नहीं है। यसार्वजनिक बयान देने से पहले तथ्यों की सही जानकारी लेना चाहिए। प्रवेश मुख्य रूप से कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट के अंकों के आधार पर किया जाता है।

भर्ती प्रक्रिया पर भी राहुल ने झूठ बोला : डीयू ने कहा कि अगर राहुल का बयान शिक्षकों या अन्य पदों पर भर्ती से जुड़ा था तो यह भी सही नहीं है। भर्तियों में सभी वर्गों को अवसर दिया गया है औरप्रक्रिया तय नियमों और मानकों के अनुसार की जाती है।

खबर संक्षेप

बिहार के नए राज्यपाल हसनैन ने ली शपथ

पटना। बिहार के नए राज्यपाल सैयद अता हसनैन ने शपथ ले लिया है। उन्होंने हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के. विनोद चंद्रन ने शपथ दिलाई। शनिवार सुबह बिहार लोकभवन में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया था। समारोह में सीएम नीतीश कुमार, दोनों डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा और कई मंत्री के साथ अधिकारी मौजूद रहे।

एनडीए से गठबंधन नहीं करेगी टीवीके पार्टी

चेन्नई। अभिनेता विजय के नेतृत्व वाली टीवीके ने तमिलनाडु में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के साथ गठबंधन की किसी भी संभावना से शनिवार को इनकार किया। भाजपा की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने पत्रकारों से इनकार कर दिया कि तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के साथ गठबंधन के लिए बातचीत हो रही है।

मर्डर करके पुलिस के सामने पहुंच गया पति

कल्याण। महाराष्ट्र में कल्याण के उंबर्डे परिसर में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक पति ने अपनी पत्नी की गला घोंटकर हत्या करने के बाद नासिक गया और सरकारवाड़ा थाने में जाकर पुलिसकर्मियों को हत्या करने की बात बताई। पुलिस को यकीन नहीं हुआ। नासिक पुलिस ने कल्याण की खड़कपाड़ा पुलिस से फौरन संपर्क किया।

10 साल बाद हत्या की आरोपी मां-बेटी अरेस्ट

नई दिल्ली। केरल के कन्नूर जिले से एक ऐसा मामला सामने आया है जिसे सुनकर हर कोई दंग है। 2016 में एक बुजुर्ग महिला की बेरहमी से हत्या कर फरार हुई दो महिलाओं को पुलिस ने करीब एक दशक बाद गिरफ्तार कर लिया है। पकड़ी गई आरोपियों की पहचान दिल्ली के नांगलोई की रहने वाली परवीन बानू और उसकी बेटी सकीना फातिमा के रूप में हुई है।

जय माता दी... शर्मा ने वैष्णो देवी में टेका माथा

रियासी। भारतीय क्रिकेट टीम को फाइनल जिताने में युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का अहम रोल रहा है। आईसीसी टी20 रैंकिंग के नंबर-1 बल्लेबाज शर्मा ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के रियासी में पवित्र वैष्णो देवी मंदिर में दर्शन किए। ऐतिहासिक जीत के हीरो में से एक रहे अभिषेक ने तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए 'जय माता दी' लिखा।

कोलकाता में भाजपा की मेगा परिवर्तन संकल्प रैली को प्रधानमंत्री मोदी ने किया संबोधित

टीएमसी के किसी अत्याचारी को सरकार छोड़ेगी नहीं, चुन-चुनकर हरेक का हिसाब लेगी, यह अपराधियों की बैसाखी पर चल रही

यहां पर कानून का राज हो गया खत्म, राष्ट्रपति को सम्मान नहीं दिया गया

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को ममता सरकार व टीएमसी पर अब तक का सबसे तीखा हमला बोलते हुए कहा कि वोट बैंक के लिए घुसपैठियों को यहां दिए जा रहे संरक्षण से रोटी, मांटी व बेटी तीनों को खतरा है। विधानसभा चुनाव की घोषणा से ठीक पहले बंगाल के दौरे पर आए पीएम ने कोलकाता के ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड मैदान में भाजपा की मेगा परिवर्तन संकल्प रैली को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि टीएमसी सरकार घुसपैठियों को यहां की जमीन पर कब्जा दिला रही है। पीएम ने कहा कि बंगाल के ज्यादातर इलाकों में डेमोग्राफी बदल गई है। टीएमसी सरकार गुंडों व अपराधियों की बैसाखी पर चलती है। पीएम ने सीएम ममता बेनर्जी का नाम लिए बिना उनके हालिया एक बयान का उल्लेख करते हुए कहा कि बंगाल के हिंदुओं को खुलेआम धमकी दी जा रही है कि एक समुदाय आपको कभी भी खत्म कर देगी। यह बात अशोभनीय है।

निर्मम सरकार का अंत निकट

पीएम ने लोगों से परिवर्तन का आह्वान करते हुए कहा कि बंगाल से इस निर्मम सरकार का अंत होकर रहेगा। मोदी ने कहा कि भाजपा की सरकार बनने पर बंगाल में कानून का राज लौटेगा। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा सरकार में टीएमसी संरक्षित हर अपराधी व अत्याचारी का चुन-चुन कर हिसाब लिया जाएगा।

रैली में अभिवादन करते प्रधानमंत्री

ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड मैदान में मोदी की **हुंकार**

'चाई बीजेपी सरकार अबकी बार'

प्रधानमंत्री ने इस दौरान कहा कि बंगाल में बदलाव अब दीवारों पर भी लिखा जा चुका है और बंगाल के लोगों के दिलों में भी छप चुका है। अब बंगाल से निर्मम सरकार का अंत होकर रहेगा, अब बंगाल से महाजंगलराज का खात्मा होगा।

निर्मम सरकार बौखला गई

पीएम मोदी ने कहा कि टीएमसी रैली में आने वाले आप सभी लोगों को चोर कहकर गाली दी है। असली चोर कौन है, ये बंगाल की प्रबुद्ध जनता जानती है। अपनी कुर्सी जाते हुए देखकर यहां की निर्मम सरकार बौखला गई है। सभा को रोकने के लिए निर्मम सरकार ने सारे हथियार निकाल लिए। आप लोगों को आने से रोकने के लिए ब्रिज बंद करवा दिए, गाड़ियां रुकवा दी, ट्रैफिक जाम करवाया, भाजपा के झंडे उखड़वा दिए। निर्मम सरकार देख लो, आज के जनसैलाब को रोक नहीं पाई हो। निर्मम सरकार चाहे अब जितना जोर लगा ले, परिवर्तन की इस आंधी को वो अब रोक नहीं पाएगी।

बंगाल से महाजंगलराज खत्म होगा

प्रधानमंत्री ने टीएमसी पर निशाना साधा और कहा कि आपका ये उत्साह, जोश बता रहा है कि बंगाल क्या सोच रहा है। ब्रिगेड परेड ग्राउंड का इतिहास साक्षी है कि जब-जब बंगाल देश को दिशा देता है, ये ब्रिगेड मैदान बंगाल की आवाज बनता है। उसका नतीजा ये हुआ कि अंग्रेजों के अत्याचार और लूट का खात्मा हुआ। आज एक बार फिर ब्रिगेड ग्राउंड से नए बंगाल की क्रांति का बिगुल बज गया है। यहां लोगों का उत्साह बता रहा जल्द महाजंगलराज खत्म होगा।

कटमनी न मिलने से टीएमसी सरकार रोक रही योजनाएं

पीएम मोदी ने कहा कि आज यहां का युवा न डिग्री ले पा रहा है और न ही उसे रोजगार मिल पा रहा है। आपके बेटे-बेटियों को काम की तलाश में दूसरे राज्यों में पलायन करना पड़ता है। पहले कांग्रेस, फिर कम्युनिस्ट और अब टीएमसी... ये आते रहे... अपनी जेबें भरते रहे... और बंगाल में विकास के काम ठप रहे। ये टीएमसी वाले काम नहीं करने देंगे। जब तक इनको अपना कटमनी नहीं मिल जाता, ये किसी भी योजना को बंद कर देते हैं।

राष्ट्रपति का अपमान किया

पीएम मोदी ने कहा कि टीएमसी ने राष्ट्रपति का अपमान किया। टीएमसी वाले घुसपैठियों को बुलाते हैं। ये लोग ना काम करेंगे और ना ही करने देंगे। मोदी की गारंटी है कि युवाओं का सपना पूरा करेंगे। जब तक टीएमसी को अपना हिस्सा नहीं मिलता, तब तक योजनाओं को गरीब तक नहीं पहुंचने देते।

रैली से पहले भिड़ी टीएमसी-भाजपा

झड़प, पत्थरबाजी में कई लोग घायल

पीएम मोदी के कोलकाता दौरे से पहले भाजपा और टीएमसी के कार्यकर्ताओं के बीच शहर गिरीश पार्क इलाके में भिड़ंत हो गई। इस दौरान दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर पत्थर भी फेंके। घटना में कई लोगों के चोटिल होने की खबर भी सामने आ रही है। इस घटना के बाद इलाके में तनाव की स्थिति बनी हुई है। पुलिस ने मामले को नियंत्रित करने के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है।

असम को दी 24 हजार करोड़ की सौगात

कांग्रेस का दिमाग जहां से लॉक तो वहीं से हमारा काम अनलॉक

सिलचर में पीएम मोदी

सिलचर। असम के सिलचर में पीएम मोदी ने शनिवार को 24 हजार करोड़ की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया।अपने संबोधन में पीएम मोदी ने असम की बराक घाटी की अहमियत पर बात करते हुए कहा कि सिलचर को बराक घाटी का गेटवे कहा जाता है। ये वो जगह है, जिसने भाषा, संस्कृति को मिलाकर एक विशेष पहचान बनाई है।

बड़ा लॉजिस्टिक और ट्रेड हब बनेगी बराक घाटी

पीएम मोदी ने शिलॉन्ग-सिलचर कॉरिडोर का भूमि पूजन किया। 166 किलोमीटर लंबे इस कॉरिडोर की लागत करीब 22,860 करोड़ होगी। इससे असम और मेघालय के बीच कनेक्टिविटी बेहतर होगी। इस कॉरिडोर से गुवाहाटी से सिलचर यात्रा का समय 5 घंटे रह जाएगा।

दक्षिण पूर्व एशिया के बड़े बाजार का रास्ता खुलेगा

पीएम मोदी ने कहा कि आज करीब 24 हजार करोड़ के सिलचर-शिलॉन्ग कॉरिडोर का भूमि पूजन हुआ है। ये उत्तर पूर्व का पहला एक्सेस कंट्रोल्ड हाई स्पीड कॉरिडोर होगा। इस कॉरिडोर से दक्षिण पूर्व एशिया का बाजार खुलेगा।

कांग्रेस ने फूट डालो... का काम किया

पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा का मंत्र है- जो विकास के दौड़ में पीछे रह गया, उसे प्राथमिकता देना। कांग्रेस की सरकारें बॉर्डर एरिया को देश के अंतिम गांव मानती थी। कांग्रेस ने यहां फूट डालो की नीति कायम की।

मोगा में चुनावी रैली को गृहमंत्री शाह ने किया संबोधित

केवल भाजपा मिटाएगी पंजाब से नशे का कारोबार, पंजाब में बनेगी भाजपा सरकार

एजेंसी ▶▶ मोगा

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मोगा, पंजाब में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए राज्य की स्थिति और लक्ष्यों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने 2027 के विधानसभा चुनावों में भाजपा की सरकार बनाने का संकल्प दोहराया। शाह ने पंजाब की कानून व्यवस्था, नशाखोरी और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर प्रशासन पर तीखा हमला बोला। शाह ने कहा कि पंजाब वर्तमान में नशीली दवाओं, गैंगस्टरों के आतंक और बढ़ते कर्ज के बोझ तले दबा हुआ है।

इस दौरान पंजाब सरकार को लिया आड़े हाथ

बदलाव रैली का किया गया आयोजन

किल्ली चहल में भाजपा की 'बदलाव रैली' का आयोजन किया गया है। शाह मुख्य अतिथि के तौर पर केसरिया पगड़ी पहनकर पहुंचे।

आप-दा सरकार ने ड्रग्स में डुबो दिया

शाह ने आप पर तीखा हमला करते हुए कहा कि रिमोट कंट्रोल वाली 'आप-दा सरकार' में राज्य ड्रग्स को कारोबार में डूब गया।

नष्ट करने के प्रयास में फटा विस्फोटक, बच्चे की मौत, पिता जख्मी

नोनी। मणिपुर के नोनी जिले के ताओलिंगपुंग गांव में शनिवार सुबह बम विस्फोट में एक चार वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। उसके पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना सुबह करीब 8:30 बजे नामकाओलोंग पार्ट-2 इलाके में तब हुई, जब बच्चों के हाथ लगा एक संदिग्ध विस्फोटक अचानक फट गया। बच्चे उसे घर ले आए थे और पिता नष्ट करने का प्रयास कर रहे थे। मृतक बच्चे की पहचान कलाइंगामपौ पामेई (4) के रूप में हुई है।

केंद्र सरकार ने जारी किए दिशा निर्देश

जल जीवन मिशन में फंड चाहिए तो राज्य सरकारों को माननी होगी 4 शर्तें

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में नल से जल आपूर्ति की महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन के तहत राज्यों को मिलने वाली धनराशि के लिए नई शर्तें तय कर दी हैं। केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा इस योजना को वर्ष 2028 तक बढ़ाने के बाद अब राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को फंड प्राप्त करने के लिए चार अनिवार्य शर्तों का पालन करना होगा। इन शर्तों के माध्यम से केंद्र सरकार का उद्देश्य योजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता बढ़ाना और अनियमितताओं पर नियंत्रण करना है।

राज्यों को पूरी करनी होंगी ये चार शर्तें

1. **एमओयू पर हस्ताक्षर:** राज्यों को केंद्र सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करना होगा।
2. **सुजल गांव आईडी का निर्माण:** ग्रामीण जल आपूर्ति योजनाओं की पूरी डिजिटल मैपिंग सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक योजना के लिए विशिष्ट डिजिटल पहचान तैयार करनी होगी।
3. **समय पर वित्तीय मिलान:** योजनाओं से संबंधित वित्तीय लेन-देन का समयबद्ध मिलान करना अनिवार्य होगा।
4. **राज्य संचालन एवं रखरखाव नीति की अधिसूचना:** राज्यों को जल आपूर्ति योजनाओं के संचालन और रखरखाव की नीति अधिसूचित करनी होगी।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर भारत में पहली बार इच्छामृत्यु की प्रक्रिया शुरू

हरीश राणा एम्स लाए गए,अब धीरे-धीरे हटेगा लाइफ सपोर्ट

एम्स दिल्ली के पैलिएटिव केयर विभाग में गोपनीय तरीके से शिफ्ट किया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली/गाजियाबाद

जिले के राजनगर एक्सटेंशन स्थित राज एंपायर सोसाइटी के निवासी 32 वर्षीय हरीश राणा को सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर परोक्ष इच्छामृत्यु (पैसिव यूथेनेशिया) के लिए एम्स दिल्ली के पैलिएटिव केयर विभाग में गोपनीय तरीके से शिफ्ट कर दिया गया है। यह पूरी कार्रवाई सीएमओ की देखरेख में की गई यह भारत में पहला ऐसा मामला है जहां सुप्रीम कोर्ट ने किसी व्यक्ति को इच्छामृत्यु की अनुमति दी है।

वर्ष 2013 से कोमा में हैं हरीश

हरीश 2013 में चंडीगढ़ में एक हादसे में चौथी मंजिल से गिरने के बाद स्थायी वेजिटेटिव स्टेट में हैं। 13 वर्षों से वे अचेत अवस्था में बिस्तर पर पड़े हुए हैं और लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर निर्भर हैं। उनके माता-पिता ने सुप्रीम कोर्ट में लाइफ सपोर्ट हटाने की मांग की थी, जिसे कोर्ट ने मंजूर कर लिया है।एम्स की मेडिकल रिपोर्ट में भी हरीश के ठीक होने की कोई संभावना नहीं बताई गई थी।

एम्स निदेशक ही जारी करेंगे बयान

बताया जा रहा कि उन्हें गाजियाबाद से एम्स तक एक ऐसे वाहन में लाया गया जिसमें एंबुलेंस की सुविधाएं तो थीं लेकिन बाहर से कोई प्रतीक नहीं था। डॉक्टरों का कहना है कि हरीश राणा को एम्स लाने में जीवन रक्षक प्रणाली की जरूरत नहीं थी।

पैलिएटिव केयर को जानें

एम्स चिकित्सकों के अनुसार पैलिएटिव केयर में ऐसी चिकित्सा देखभाल होती है, जिसका उद्देश्य गंभीर या असाध्य बीमारी से पीड़ित मरीज को आराम देना और उसकी जीवन गुणवत्ता बेहतर बनाना होता है। बीमारी को ठीक करने के बजाए मरीज के दर्द, सांस लेने में तकलीफ, घबराहट, बेचैनी या अन्य शारीरिक-मानसिक परेशानियों को कम करने पर ध्यान दिया जाता है। डॉक्टर, नर्स, काउंसलर मरीज और उसके परिवार की सहायता करते हैं।

आईटी डिपार्टमेंट ने दिया स्पष्टीकरण

टैक्सपेयर्स को मिले गलत ईमेल, हल निकाला जा रहा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

टैक्सपेयर्स को 'महत्वपूर्ण लेनदेन' से जुड़े गलत जानकारी वाले ईमेल मिलने के मामले में इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने स्पष्टीकरण दिया है। विभाग ने शनिवार को अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट किया है। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने इस पोस्ट में स्वीकार किया कि टैक्सपेयर्स को गलत जानकारी वाले ईमेल मिले हैं और इसके लिए विभाग ने टैक्सपेयर्स को हुई असुविधा के लिए खेद भी प्रकट किया है। विभाग ने पोस्ट में कहा कि हमें जानकारी मिली कि कुछ टैक्सपेयर्स को वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए चल रहे एडवांस टैक्स ई-कैंपेन के तहत उनके द्वारा किए गए 'महत्वपूर्ण लेनदेन' के बारे में गलत जानकारी वाले ईमेल मिले हैं। इस गलती को हमारे संज्ञान में लाने के लिए टैक्सपेयर्स का धन्यवाद करता है। हम सर्विस प्रोवाइडर संग मामले को सुलझाने काम कर रहे हैं।

ईरान के खर्ग द्वीप की उपग्रह से ली गई तस्वीर

यहां के टर्मिनलों में हर दिन करीब 70 लाख बैरल कच्चा तेल लोड करने की क्षमता

अमेरिका ने खर्ग द्वीप पर ईरान के 90 से अधिक सैन्य ठिकानों पर किया हमला

- समुद्र के नीचे बिछी पाइपलाइनों के जरिए ईरान प्रमुख तेल क्षेत्रों से जुड़ा
- अब ईरान अमेरिकी तेल और ऊर्जा परियोजनाओं को निशाना बनाएगा

सऊदी अरब में एयर बेस पर ईरान का हमला, 5 अमेरिकी विमान क्षतिग्रस्त

खर्ग द्वीप पर अमेरिका ने किए हमले

नौसैनिक खदान और मिसाइल भंडारण बंकर नष्ट

अमेरिकी केंद्रीय कमान ने शनिवार को बताया कि अमेरिकी सेना ने शुक्रवार रात ईरान के खर्ग द्वीप पर एक व्यापक और सटीक हमला किया। सेंटकॉम ने कहा कि अमेरिकी सेना ने खारग द्वीप पर ईरान के 90 से ज़्यादा सैन्य ठिकानों पर सफलतापूर्वक हमला किया और तेल बुनियादी ढांचे को सुरक्षित रखा। अमेरिकी सेना ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि इस हमले में नौसैनिक खदान भंडारण सुविधाएं, मिसाइल भंडारण बंकर और कई अन्य सैन्य स्थल नष्ट हो गए।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप बोले यह हमला मध्य पूर्व के इतिहास के सबसे शक्तिशाली बमबारी अभियानों में से एक

एजेंसी ⏭ वॉशिंगटन

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने ईरान के एक अहम ठिकाने पर बड़ा हवाई हमला किया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिकी सेना ने ईरान के खार्ग द्वीप पर बड़े पैमाने पर बमबारी कर वहां मौजूद सभी सैन्य ठिकानों को पूरी तरह नष्ट कर दिया है। ट्रंप ने कहा कि यह हमला मध्य पूर्व के इतिहास के सबसे शक्तिशाली बमबारी अभियानों में से एक था। कई देश इस संकट से प्रभावित हैं और वे अमेरिका के साथ मिलकर इस समुद्री मार्ग को खुला और सुरक्षित रखने के लिए अपने युद्धपोत भेजने की तैयारी कर रहे हैं। यह रास्ता दुनिया के लिए बेहद जरूरी है क्योंकि इसी रास्ते से बड़ी मात्रा में तेल और व्यापारिक सामान दुनिया भर में जाता है। अगर ईरान इस महत्वपूर्ण समुद्री रास्ते को बाधित करने की कोशिश करता है तो अमेरिका उसकी तटरेखा पर सैन्य हमले और तेज करेगा। इस समुद्री मार्ग की सुरक्षा की गारंटी के लिए 20 अरब डॉलर तक की बीमा राशि की पेशकश पर भी विचार किया है।

अमेरिका को नहीं छोड़ेंगेः ईरान

ईरान की सेना ने चेतावनी दी है कि यदि उसके तेल ढांचे पर हमला किया गया तो वह क्षेत्र में अमेरिकी हिस्सेदारी वाली तेल और ऊर्जा परियोजनाओं को निशाना बनाएगी। सैन्य प्रवक्ता ने कहा कि ऐसे सभी ठिकानों को नष्ट कर दिया जाएगा। यह बयान उस समय आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खार्ग द्वीप पर ईरानी सैन्य ठिकानों पर हमले का दावा किया है।

खर्ग द्वीप ईरान की जीवनरेखा

यहां से 90 फीसदी कच्चा तेल निर्यात होता है

खर्ग द्वीप ईरान की जमीन से करीब 50 किमी दूर फारस की खाड़ी में स्थित है। सिर्फ 6 से 8 किमी लंबे इस द्वीप को कूटनीतिक तौर पर ईरान की लाइफलाइन माना जाता है। ईरान द्वारा निर्यात किया जाने वाला लगभग सारा तेल इसी द्वीप से गुजरता है। खर्ग द्वीप, ईरान का सबसे संवेदनशील आर्थिक इलाका है। इसकी वजह है यहां के तेल निर्यात टर्मिनल, जहां से दुनिया भर में तेल की आपूर्ति की जाती है। इस द्वीप से ईरान का करीब 90 फीसदी कच्चा तेल निर्यात होता है। यहां के टर्मिनलों में हर दिन करीब 70 लाख बैरल कच्चा तेल लोड करने की क्षमता है। कच्चे तेल के व्यापार का केंद्र होने के नाते यह द्वीप ईरान की सरकार की आय का मुख्य स्त्रोत बन जाता है, जिससे ईरानी नौकरशाही और ईरान की सेना के वेतन का भुगतान होता है। इस द्वीप पर बड़े स्टोरेज टैंक हैं और यह द्वीप समुद्र के नीचे बिछी पाइपलाइनों के जरिए दक्षिणी ईरान के प्रमुख तेल क्षेत्रों से जुड़ा है। यही वजह है कि इस द्वीप को ईरान की जीवनरेखा भी कहा जाता है।

ईरान ने 'ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 4' की 46वीं लहर शुरू की

ईरान के खतम अल-अंबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर के प्रवक्ता एब्राहीम जोल्फाघरी ने शनिवार को टीवी पर संदेश जारी करते हुए कहा कि अमेरिका और जायनिस्ट हर उस खून की कीमत चुकाएंगे जो अन्याय से बहाया गया और हुए नुकसान का मुआवजा देंगे। जोल्फाघरी ने बताया कि ईरान की एयर डिफेंस सिस्टम्स ने देश के आकाश की रक्षा के तहत कई ड्रोन नष्ट किए हैं। उन्होंने कहा कि फिरोजाबाद और बंदर अब्बास में दो एमक्यू9 ड्रोन और तब्रिज के आसमान में एक ड्रोन को रोककर गिराया गया। उन्होंने दावा किया कि अब तक कुल 112 ड्रोन और लड़ाकू विमान नष्ट किए जा चुके हैं, जिनमें लड़ाकू, निगरानी और सुसाइड ड्रोन शामिल हैं।

इजराइली हमले से लेबनान में 2 स्वास्थ्यकर्मियों की मौत

लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि इजराइल के हवाई हमले में दो स्वास्थ्यकर्मियों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। मंत्रालय के अनुसार हमला एक संयुक्त मेडिकल पॉइंट पर हुआ, जिसे इस्लामिक हेल्थ अथॉरिटी और इस्लामिक मैसेज स्काउट्स मिलकर चला रहे थे। मंत्रालय ने कहा कि स्वास्थ्यकर्मियों को सुरक्षा देना अंतरराष्ट्रीय कानून में स्पष्ट रूप से तय है, इसके बावजूद पैरामेडिक्स को निशाना बनाना बेहद खतरनाक और अस्वीकार्य कदम है।

ईरान ने सऊदी के प्रिंस सुल्तान एयर बेस को भी निशाना बनाया और खूब बम बरसाए। इन हमलों में वहां खड़े पांच अमेरिकी वायु सेना के पांच रिफ्यूअलिंग (तेल भरने वाले) विमान क्षतिग्रस्त हो गए। सूत्रों के अनुसार, विमान पूरी तरह नष्ट नहीं हुए हैं और उन्हें मरम्मत के लिए भेजा गया है। हमले में किसी के घायल होने या मौत की सूचना नहीं मिली है।

अबू धाबी से सुरक्षित लौटे भारतीय बेंगलुरु उतरी एतिहाद की फ्लाइट

अबू धाबी से बेंगलुरु आ रही एतिहाद एयरवेज की उड़ान ईवाई-262 शनिवार को केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षित रूप से उतर गई। फ्लाइट में आए भारतीय नागरिकों ने बताया कि क्षेत्र में तनाव के बावजूद संयुक्त अरब अमीरात में हालात फिलहाल सामान्य बने हुए हैं। हालांकि उन्होंने आशंका जताई कि यदि संघर्ष लंबा खिंचता है तो इसका असर वहां काम कर रहे भारतीय कामगारों पर पड़ सकता है। अबू धाबी से लौटे यात्रियों ने बताया कि कुवैत और बहरीन की तुलना में संयुक्त अरब अमीरात में स्थिति अपेक्षाकृत स्थिर है। यात्रियों के अनुसार, रोजमर्रा की गतिविधियां और कामकाज सामान्य रूप से जारी हैं और किसी बड़े व्यवधान की स्थिति नहीं है।

बगदाद में अमेरिकी दूतावास परिसर पर ईरानी हमला

बगदाद में स्थित अमेरिकी दूतास के परिसर के अंदर एक मिसाइल आकर गिरी, जिससे वहां के हेलिपैड को निशाना बनाया गया। इस हमले की जानकारी दो इराकी सुरक्षा अधिकारियों ने दी है। शनिवार सुबह दूतावास परिसर के ऊपर धुएं का गुबार उठता हुआ दिखाई दिया।

भारत में ईरान के प्रतिनिधि बोले

हम युद्ध नहीं चाहते, वैश्विक नेता जंग रुकवाएं

पश्चिम एशिया संघर्ष पर भारत में ईरान के सर्वोच्च नेता के प्रतिनिधि डॉ. अब्दुल मजीद हकीम इलाही ने स्पष्ट किया है कि ईरान युद्ध नहीं चाहता था। इलाही ने आरोप लगाया कि जब वे बातचीत की मेज पर थे, तब उन पर हमला किया गया और इसी से इस युद्ध की शुरुआत हुई। उन्होंने कहा कि ये वैश्विक समस्याएं और संघर्ष ईरान की वजह से नहीं हैं, बल्कि दूसरे पक्ष द्वारा पैदा किए गए हैं। ईरान दूसरे लोगों की पीड़ा, गैस, पेट्रोल या तेल की कमी से खुश नहीं है। इलाही ने दुनिया के नेताओं से अपील की कि यह उनका कर्तव्य और जिम्मेदारी है कि वे संयुक्त राज्य अमेरिका पर दबाव डालें। उन्होंने आग्रह किया कि वैश्विक नेता अमेरिका से कहें कि इस युद्ध को रोका जाए, क्योंकि लोग पीड़ित हैं।

ट्रंप के धार्मिक पैनल से मुस्लिम महिला ने दिया इस्तीफा

व्हाइट हाउस धार्मिक स्वतंत्रता आयोग में सेवा देने वाली एक मात्र मुस्लिम महिला समीरा मुंशी,ने इस्तीफा दे दिया है, जिन्हें 2025 में ट्रंप ने नियुक्त किया था। समीरा ने घोषणा की कि वह ट्रंप प्रशासन के अन्याय और अत्याचारों के कारण पर छोड़ रही है। ये अत्याचार अमेरिका और विदेशों, दोनों जगह पर हो रहे हैं। एक्स पर उन्होंने कहा कि वह ईरान के खिलाफ अमेरिका सरकार के अवैध युद्ध से बहुत परेशान हैं। उन्होंने तर्क दिया कि यह सैन्य कार्रवाई अमेरिका संविधान या कांग्रेस की उचित मंजूरी के बिना शुरू की गई थी।

मोजतबा खामेनेई पर 1 करोड़ डॉलर का इनाम

अमेरिका के 'रिवॉर्ड्स फॉर जस्टिस' कार्यक्रम ने तहत ईरान के नए सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई समेत 10 शीर्ष नेताओं की जानकारी देने पर 10 मिलियन डॉलर (करीब 83 करोड़ रुपए) तक का इनाम घोषित किया है। अमेरिकी विदेश विभाग का आरोप है कि ये नेता आईआरजीसीके जरिए आतंकवादी गतिविधियों और अमेरिकी ठिकानों पर हमलों से जुड़े नेटवर्क का संचालन करते हैं। खामेनेई के अलावा सूची में अली लारीजानी, वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी और पूर्व संसद अध्यक्ष; एस्कंदर मोमेनी, ईरान के वर्तमान गृह मंत्री; इस्माइल खतीब, खुफिया और सुरक्षा मंत्री; अली असगर हेजाजी, दिवंगत अली खामेनेई के डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ भा शामिल हैं।

खबर संक्षेप

मस्क की टीम में शामिल हुए भारतीय मूल के देवेंद्र

नई दिल्ली। भारतीय मूल के एआई और रोबोटिक्स विशेषज्ञ देवेंद्र चपलोट दुनिया के मशहूर उद्योगपति एलन मस्क के साथ काम करेंगे। एलन मस्क ने उन्हें अपनी एयरोस्पेस कंपनी स्पेसएक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस स्टार्टअप एक्सएआई की टीम में शामिल किया है। देवेंद्र चपलोट ने बताया कि वह एलन मस्क की टीम के साथ मिलकर 'सुपरइंटेलिजेंस' बनाने के लिए काम करेंगे।

नीदरलैंड के यहूदी स्कूल में धमाका, सब सुरक्षित

एम्स्टर्डम। नीदरलैंड के एम्स्टर्डम के एक यहूदी स्कूल में शनिवार की सुबह हुए विस्फोट ने शहर को हिलाकर रख दिया। एम्स्टर्डम की मेयर फेमके हलसेमा ने इसे यहूदी समुदाय के खिलाफ जानबूझकर हमला करार दिया। शहर के दक्षिणी हिस्से में स्थित इस उच्च वर्ग के आवासीय इलाके में हुए विस्फोट से स्कूल को सीमित नुकसान पहुंचा, लेकिन किसी को चोट नहीं आई। पुलिस जांच में जुट गई है।

ट्रंप समर्थक लूमर ने भारत से मांगी माफी

वॉशिंगटन। अमेरिका की राजनीतिक कार्यकर्ता और कट्टर ट्रंप समर्थक लॉरा लूमर ने पूर्व में भारत और भारतीयों के लिए की गई अपनी टिप्पणियों के लिए माफी मांगी है। लॉरा ने कहा कि उनके दिल में भारत के लिए नफरत नहीं है और उन्होंने जो भी कहा, वह अपने देश और देशवासियों के प्रति प्यार के चलते कहा।

पश्चिम एशिया संकट पर विदेश मंत्रालय ने दी अहम जानकारी, प्रवक्ता जायसवाल बोले

बेहद जटिल स्थिति से निपट रहे, ऊर्जा सुरक्षा प्राथमिकता, सभी 'कूटनीति' से हल निकालें

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

- **फारस की खाड़ी में 22 जहाजों पर 611 भारतीय पूरी तरह सुरक्षित**
- **ईरानी युद्धपोत अभी कोच्चि बंदरगाह पर ही ठहरा हुआ**

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच शनिवार को भारत ने सुरक्षित ऊर्जा आपूर्ति और सामान के निर्बाध आवागमन की आवश्यकता पर जोर दिया और कहा है कि स्थिति बेहद जटिल है। इस संकट पर एक अंतर-मंत्रालयी ब्रीफिंग के दौरान विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि संघर्ष शुरू होने के बाद से भारत लगातार संवाद और तनाव कम करने की अपील करता रहा है।

उन्होंने कहा कि सामान और ऊर्जा की आपूर्ति निर्बाध जारी रहनी चाहिए और नागरिक ढांचे, खासकर ऊर्जा से जुड़ी सुविधाओं पर हमले से बचना चाहिए। संघर्ष का प्रभाव वैश्विक स्तर पर महसूस किया जा रहा है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल

अफगानिस्तान की संप्रभुता का सम्मान करे पाकिस्तान

जायसवाल ने कहा कि भारत अफगानिस्तान की सीमा के भीतर पाकिस्तान की ओर से किए गए हवाई हमलों की कड़ी निंदा करता है। इन हमलों में कई नागरिकों की मौत हुई है और नागरिक ढांचे को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा कि भारत दोहराता है कि अफगानिस्तान की संप्रभुता और उसकी क्षेत्रीय अखंडता का पूरी तरह सम्मान किया जाना चाहिए।

ब्रिक्स देश में राय बनाने की कोशिश जारी

प्रवक्ता ने कहा कि ब्रिक्स के सदस्य देश पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति में सीधे तौर पर शामिल हैं। ब्रिक्स के अध्यक्ष के रूप में हम, शेरपा चैनल के माध्यम से ब्रिक्स सदस्य देशों के बीच चर्चा को सुगम बना रहे हैं। ब्रिक्स के शेरपाओं की पिछली बैठक 12 मार्च को ऑनलाइन हुई थी। हम एक राय बनाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। लेकिन अलग-अलग विचारों के कारण यह मुश्किल हो रहा है। जायसवाल ने कहा, हमारा नेतृत्व भी बातचीत में लगा हुआ है। वह ब्रिक्स के सदस्य देशों का साथ जुड़ा हुआ है और हम भी ब्रिक्स के सदस्य देशों के साथ बातचीत जारी रखेंगे।

कोई अप्रिय घटना नहीं

पोर्ट्स, शिपिंग और जलमार्ग मंत्रालय में विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि अब फारस की खाड़ी में 22 भारतीय ध्वज वाले जहाज मौजूद हैं, जिनमें कुल 611 भारतीय नाविक सवार हैं और सभी सुरक्षित हैं और पिछले 24 घंटों में उनके साथ किसी भी तरह की अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली है। उन्होंने बताया कि पहले इस क्षेत्र में 24 भारतीय ध्वज वाले जहाज होर्मुज स्ट्रेट के पश्चिम में मौजूद थे, जिनमें से दो जहाज 'शिवालिक' और 'नंदा' सुरक्षित रूप से आगे बढ़ चुके हैं।

ईरानी नागरिकों को भेजा

जायवाल ने बताया कि भारत ने अपने यहां फंसे हुए ईरानी नागरिकों को वापस भेजने के लिए एक चार्टर्ड उड़ान की व्यवस्था की, जिनमें वे ईरानी भी शामिल थे, जो पर्यटक के रूप में भारत आए थे या यहां राजनयिक के रूप में तैनात थे। यह उड़ान कल रात कोच्चि से रवाना हुई। यात्रियों में आईआरआईआईएस लावन के चालक दल के गैर-जरूरी सदस्य भी शामिल थे। यह ईरानी युद्धपोत अभी कोच्चि बंदरगाह पर ठहरा हुआ है।

अमेरिका-दक्षिण कोरिया के अभ्यास के बीच

उत्तर कोरिया ने दागी 10 मिसाइलें समुद्र में गिरीं, कोई हताहत नहीं

- **मिसाइलों ने 350 किमी तक उड़ान भरी**

एजेंसी ⏭ सिओल

उत्तर कोरिया ने शनिवार को पूर्वी सागर की ओर करीब 10 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। दक्षिण कोरिया की सेना ने कहा कि यह प्रक्षेपण ऐसे समय किया गया, जब दक्षिण कोरिया और अमेरिका के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास जारी है। दक्षिण कोरिया के जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के मुताबिक, मिसाइलें प्योंगयांग के पास सुनान क्षेत्र से दागी गईं। इन मिसाइलों ने लगभग 350 किलोमीटर तक उड़ान भरी। जापान के रक्षा मंत्रालय ने भी पुष्टि की कि ये हथियार जापान के विशेष आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) के बाहर समुद्र में गिरे और किसी नुकसान की खबर नहीं है। दक्षिण कोरियाई सेना ने कहा है कि उसने निगरानी बढ़ा दी है और किसी भी अतिरिक्त लॉन्च की आशंका को देखते हुए पूरी तैयारी बनाए रखी है। सियोल, वॉशिंगटन और टोक्यो घटनाक्रम को लेकर सूचनाएं साझा कर रहे हैं।

उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन

सैन्य अभ्यास हमले की तैयारीः उत्तरी कोरिया

यह मिसाइल परीक्षण ऐसे वक्त हुआ है, जब अमेरिका और दक्षिण कोरिया का वार्षिक फ्रीडम शील्ड सैन्य अभ्यास 9 मार्च से 19 मार्च 2026 तक चल रहा है। इस अभ्यास का मकसद दोनों देशों की संयुक्त सैन्य क्षमता और युद्धक तैयारियों को परखना बताया गया है। उत्तर कोरिया लंबे समय से अमेरिका-दक्षिण कोरिया के संयुक्त सैन्य अभ्यासों को हमले की तैयारी बताता रहा है। इसी पृष्ठभूमि में किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने हाल ही में चेतावनी दी थी कि अगर उत्तर कोरिया की सुरक्षा को चुनौती दी गई तो इसके भयानक परिणाम होंगे। तनाव इसलिए भी बढ़ा हुआ है क्योंकि पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच दक्षिण कोरिया में तैनात अमेरिकी मिसाइल रक्षा प्रणालियों, जैसे थाड और पैट्रियट, के संभावित पुनर्स्थापन को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं।

भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण का दावा

अरुणाचल में 189 वर्षों बाद दुर्लभ पौधे की प्रजाति मिली, सीएम ने दी 'बधाई'

एजेंसी ⏭ ईटानगर

भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के वैज्ञानिकों को अरुणाचल प्रदेश में पाई जाने वाली एक दुर्लभ पौधे की प्रजाति 189 साल बाद दिखी है। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि यह प्रजाति 189 वर्ष पहले लोहित जिले में एक क्षेत्रीय सर्वेक्षण के दौरान अंतिम बार दर्ज की गई थी। उन्होंने बताया कि 'हेंकेलिया मोनोफिला' नामक इस प्रजाति का दस्तावेजी उल्लेख 19वीं सदी की शुरुआत के बाद से नहीं मिला था इसलिए यह खोज पूर्वी हिमालय के वानस्पतिक अभिलेखों में एक महत्वपूर्ण योगदान है। हेंकेलिया मोनोफिला एक बारहमासी शाकीय पौधा है जो आमतौर पर आर्द्र वन वातावरण में पाया जाता है। अरुणाचल प्रदेश के सीएम पेमा खांडू ने 189 साल बाद यह प्रजाति मिलने पर वैज्ञानिकों को बधाई दी। सीएम ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि अरुणाचल प्रदेश में पाई जाने वाली एक दुर्लभ पौधे की प्रजाति हेंकेलिया मोनोफिला के लगभग 189 वर्षों के बाद फिर से मिलने के बारे में जानकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता हुई।

सीएम पेमा खांडू

हेंकेलिया मोनोफिला

भारतीय नौसेना का नौकायन प्रशिक्षण पोत आईएनएस सुदर्शिनी वैलेटा पहुंचा

भारत-माल्टा समुद्री संबंधों को मिली मजबूती, आपसी सहयोग बढ़ेगा

- **माल्टा से पहले स्वेज नहर पार की, अगला पड़ाव फ्रांस**

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

भारतीय नौसेना का नौकायन प्रशिक्षण पोत आईएनएस सुदर्शिनी 12 मार्च 2026 को माल्टा के ऐतिहासिक बंदरगाह वैलेटा पहुंचा। यह उसके ऐतिहासिक समुद्री अभियान लोकायान-26 का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। यह यात्रा भारत और माल्टा के बीच गहरे समुद्री संबंधों को दर्शाती है और पोत की महत्वाकांक्षी 22,000 समुद्री मील की वैश्विक यात्रा का अहम चरण है। वैलेटा पहुंचने से पहले पोत ने स्वेज नहर को सफलतापूर्वक पार किया और हाल ही में अलेक्जेंड्रिया में भी ठहराव किया था।

आईएनएस सुदर्शिनी वैलेटा बंदरगाह पर

उच्चायुक्त से पोत के कमांडिंग अधिकारी की मुलाकात

रचिता भंडारी से पोत कमांडर की भेंट

आगमन के बाद पोत के कमांडिंग अधिकारी ने माल्टा गणराज्य में भारत की उच्चायुक्त रचिता भंडारी से मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में भारतीय नौसेना की भूमिका पर चर्चा हुई। उच्चायुक्त ने कहा कि माल्टा में आईएनएस सुदर्शिनी की उपस्थिति महासागर परियोजना की परिकल्पना का सशक्त प्रतीक है। यह समुद्री सहयोग को मजबूत करने के साथ-साथ जन-जन के संबंधों को भी बढ़ावा देती है।

स्कूली बच्चों से होगा संवाद

इस यात्रा के दौरान पोत का चालक दल माल्टा के सशस्त्र बलों के साथ पेशेवर बातचीत और शिष्टाचार भेंट करेगा। इससे आपसी विश्वास और सहयोग को और बढ़ावा मिलेगा। पोत पर सामुदायिक गतिविधियों का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें माल्टा में रहने वाले स्कूली बच्चों और भारतीय प्रवासी समुदाय के सदस्यों के लिए निर्देशित "ओपन शिप" कार्यक्रम शामिल है।

कोच्चि से शुरू हुई वैश्विक समुद्री यात्रा

आईएनएस सुदर्शिनी फिलहाल अपनी यात्रा के दूसरे महीने में है। यह यात्रा 20 जनवरी 2026 को कोच्चि से शुरू हुई थी। माल्टा की यात्रा के बाद जहाज फ्रांस के तट की ओर रवाना होगा, जहां वह एस्केल आ सेट समुद्री उत्सव में भाग लेगा। इस उत्सव में वह दुनिया के कई प्रसिद्ध विशाल जहाजों के साथ भारत का प्रतिनिधित्व करेगा।

विशेषः विश्व खुशी दिवस, 20 मार्च

कभी दूर न हो मन-जीवन से खुशी

आज के दौर में लोगों के पास सुख-सुविधाओं की कमी नहीं है, आर्थिक विकास भी हो रहा है, लेकिन फिर भी वास्तविक खुशी बहुत कम ही लोग महसूस कर पाते हैं। खुशी कोई चीज नहीं है, जिसे पैसा, सुख, सुविधाओं से पाया जा सकता है। खुशी तो जीवनशैली है। इसे महसूस करने के लिए अपनी सोच और जीने के अंदाज में बदलाव करना होगा।

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

वर्तमान में इंसान जितनी सुख-सुविधाओं के संग जी रहा है, अब के पहले किसी भी दौर में इसकी कल्पना तक नहीं की गई थी। लेकिन हैरानी की बात यह है कि इंसान फिर भी खुश नहीं है। साल 2012 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने भी इस बात पर गहराई से सोचा और खुशी की भूटान द्वारा तय की गई अवधारणा को न केवल वास्तविक खुशी के रूप में मान्यता दी बल्कि दुनिया भर को इस तरह की खुशी हासिल करने की दिशा में प्रेरित करने के लिए 20 मार्च को अंतरराष्ट्रीय खुशी दिवस मनाए जाने की घोषणा भी की।

भूटान ने बताया जीएनएच का महत्व

संयुक्त राष्ट्र संघ ने विश्व खुशी दिवस मनाने के संबंध में निर्णय लेते हुए यह माना कि आर्थिक विकास के साथ-साथ लोगों की खुशी और कल्याण की वैश्विक नीतियों का लक्ष्य ही वास्तविक खुशी होती है। इसकी बुनियाद में भूटान की जो खुशी संबंधी अवधारणा थी, वह खुशी को सकल घरेलू उत्पाद के रूप में मान्यता देने की थी। भूटान ने वास्तव में जीडीपी की जगह जीएनएच यानी 'ग्रॉस नेशन हैप्पीनेस' की अवधारणा प्रस्तुत की थी। संयुक्त राष्ट्र ने इसे विश्व स्तर पर स्वीकार्य बनाने के लिए ही 20 मार्च को वैश्विक खुशी के दिन के रूप में मान्यता दी और तब से हर साल यह दिन मनाया जाता है।

ऐसे बनती है हैप्पीनेस रिपोर्ट

विश्व खुशी दिवस के मौके पर हर साल वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट जारी की जाती है, जिसमें दुनिया के अलग-अलग देशों के लोगों की कुछ निश्चित पैमानों के मुताबिक उनकी खुशी का आकलन किया जाता है। इस पैमाने के तहत खुशी के लिए जो मानक तय किए जाते हैं, उसमें किसी व्यक्ति के लिए मौजूद सामाजिक समर्थन, उसकी आय और उसका जीवन स्तर, स्वास्थ्य और जीवन प्रत्याशा, व्यक्तिगत आजादी, उस देश और समाज में भ्रष्टाचार का स्तर, वहां के लोगों के बीच आपसी विश्वास और जीवन संबंधी उदारता को पैमाना बनाया जाता है। इस रिपोर्ट के अनुसार पिछले कई सालों से दुनिया के सबसे खुश देशों में फिनलैंड, डेनमार्क, आइसलैंड और स्वीडन जैसे देश लगातार शीर्ष पर बने हुए हैं, क्योंकि इन देशों में बेहतर सामाजिक सुरक्षा, संतुलित जीवनशैली और सामुदायिक विश्वास को खुशहाली का मुख्य कारण माना जाता है। दुर्भाग्य से हमारे अपने देश की स्थिति इस रिपोर्ट में अपेक्षाकृत काफी नीचे रही है। इससे स्पष्ट होता है कि वास्तव में खुशी पाने के लिए आर्थिक विकास के साथ-साथ सामाजिक और मानसिक संतुलन पर भी ध्यान देना जरूरी है।

खुशी दिवस मनाने का उद्देश्य

विश्व खुशी दिवस केवल एक औपचारिक उत्सव भर नहीं है। यह आधुनिक जीवन की कई गंभीर समस्याओं की ओर ध्यान दिलाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक दुनिया में आज करोड़ों लोग तनाव, अवसाद और चिंता जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। आधुनिक जीवन में प्रतिस्पर्धा, नौकरी के दबाव, आर्थिक चिंताएं और सामाजिक अपेक्षाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। ऐसे माहौल में खुशी और मानसिक संतुलन को प्राथमिकता देना बेहद जरूरी हो गया है। चूंकि आज सफलता को लोग पद, पैसा और प्रतिष्ठा से जोड़ते हैं। ऐसे में विश्व खुशी दिवस हमें याद दिलाता है कि जीवन की यह वास्तविक सफलता, मानसिक संतोष और रिश्तों की गर्माहट में ही होती है।

असंतोष से दूर हो रही खुशी

देखने में आता है कि सोशल मीडिया की वजह से पहले की तुलना में लोग आपस में कहीं ज्यादा जुड़े रहते हैं। लेकिन हकीकत यह है कि लोगों के बीच से सामाजिक संबंध आज बेहद कमजोर हो गए हैं। अकेलापन आज कई देशों में एक बड़ी सामाजिक समस्या बन चुका है। ऐसे में यह खुशी दिवस हमें परिवार, मित्रों और समाज के साथ वास्तविक जुड़ाव की अहमियत बताता है। किसी देश-समाज में चाहे जितना भी आर्थिक विकास हो गया हो, लेकिन अगर वहां लगातार तनाव रहता है, लोग अनेक किस्म के असंतोषों के साथ जी रहे होते हैं, तो वह विकास अधूरा ही कहलाएगा। इसलिए आज कई अर्थशास्त्री तथा नीति-निर्माता जीवन की गुणवत्ता को विकास का महत्वपूर्ण मापदंड मानते हैं। यही वजह है कि आज की तेज रफ्तार जीवनशैली में लोगों के पास जीवन जीने के साधन चाहे जितने बढ़ गए हों, लेकिन वह खुशी के मामले में अतीत से काफी पिछड़े हुए हैं।

प्रकृति से दूरी ने कम की खुशी

यकीनन, मोबाइल फोन ने हमारे रोजमर्रा के जीवन के काम-काज को तो आसान बनाया है, लेकिन इसकी वजह से लगातार हम जितने ज्यादा लोगों के संपर्क में रहते हैं, हमारे असंतुष्ट और तनावग्रस्त होने की उतनी ही अधिक आशंका मौजूद रहती है। आज दुनिया के 97 फीसदी से ज्यादा लोग किसी न किसी वजह से अपने आपको इतिहास के किसी भी दूसरे समय के मुकाबले कहीं ज्यादा व्यस्त पा रहे हैं। यही कारण है कि आज दुनिया में आधे से ज्यादा लोगों का प्रकृति के साथ पहले जो सीधा रिश्ता हुआ करता था, वह रिश्ता पूरी तरह से खत्म हो गया है। जिन लोगों का थोड़ा बहुत रिश्ता बचा भी है, वह बेहद औपचारिक तथा लेन-देन का हो गया है। प्रतिस्पर्धा की लगातार बढ़ती आदत हमें प्राकृतिक रूप से खुश नहीं रहने देती है। ऐसे में इस खुशी दिवस के मौके पर हर किसी को यह अपने मन में गांठ बांध लेनी चाहिए कि जीवन की असली सफलता और उपलब्धियां कहीं पहुंच जाना भर नहीं है बल्कि कहीं पहुंचकर भी खुश और संतुलित जीवन बिताना ही सही मायनों में जिंदगी की समग्र खुशी है। *

हमारे भीतर होते हैं खुशी के रसायन

आधुनिक मनोविज्ञान काफी पहले यह साबित कर चुका है कि खुशी को केवल भावनात्मक अनुभव ही नहीं बल्कि मानसिक और जैविक प्रक्रिया भी समझा जाता है। जब हम खुश होते हैं तो वैज्ञानिकों के मुताबिक हमारे शरीर में से कई महत्वपूर्ण रसायनों का स्राव होता है, जैसे डोपामाइन जो हमें प्रेरणा और आनंद की स्थिति में ले जाता है। सेरोटोनिन, जो मन को स्थिर और संतुलित बनाए रखता है। इसी क्रम में ऑक्सीटोसिन एक ऐसा रासायनिक स्राव है, जो हममें सामाजिक संबंधों और विश्वास से जुड़े हार्मोन पैदा करता है, जिससे कि हम खुश रहते हैं और एक-दूसरे के प्रति लगाव महसूस करते हैं। इसी तरह एंडोर्फिन भी इसी क्रम का एक हार्मोन है, जो खुश रहने पर हमारे शरीर में पैदा होता है और जिससे हम अपने दर्द को कम करने व खुशी को बढ़ाने में कामयाब होते हैं।

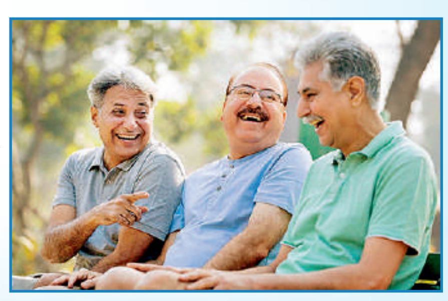

जीवनशैली
शिखर चंद जैन

वैसे तो खुशी पाने के लिए अपने स्तर पर आप हर संभव प्रयास करते ही होंगे। लेकिन यहां हम कुछ ऐसे छोटे-छोटे आसान और नायाब तरीकों के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आपको जिंदगी में भरपूर खुशी हासिल होगी।

आपको खुशियों से भर देंगे ये आसान-नायाब तरीके

इस दुनिया का हर इंसान खुशी हासिल करना चाहता है। लोग खुशी के लिए न जाने कितने जतन करते हैं। लेकिन कई बार खुशी बड़ी-बड़ी चीजों से नहीं मिल पाती बल्कि छोटी-छोटी सी कोशिशों से मिल जाती है।

इमेजिनेशनः केवल 30 सेकेंड के लिए कल्पना करें कि जो चीजें आपके पास हैं (जैसे आपका घर, पसंदीदा डिवाइस या कोई प्यारा रिश्ता) वो आपके पास नहीं हैं। इनकी अनुपस्थिति वाली स्थिति से जब आप हकीकत में लौटेंगे और अपने पास इन चीजों को पाएंगे तो आपको उन चीजों के होने की असली खुशी भीतर तक महसूस होगी।

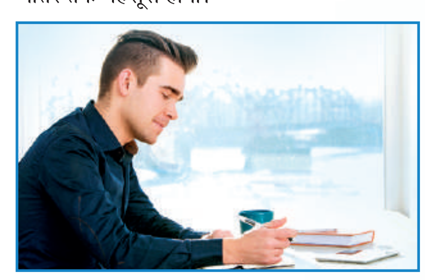

भविष्य के नाम खतः आने वाले कुछ वर्षों बाद जैसे जीवन की चाहत आप करते हैं, उसको ध्यान में रखते हुए 'स्वयं' को अपनी आज की खुशियों और सपनों के बारे में एक पत्र लिखें और उसे छिपा दें। जब कभी आप उसे पढ़ेंगे, खुशी मिलेगी।

पुराने किस्सों का पिटाराः बचपन की सुखद यादें या परिवार के साथ बिताई गई छुट्टियां 'हैप्पीनेस एंकर' की तरह काम करती हैं, जो भविष्य में कठिन समय आने पर हमें सहारा देती हैं। परिवार या पुराने दोस्तों को फोन करें और पुरानी यादें ताजा करें। अच्छी यादें दिल और दिमाग को सुकून देती हैं। बुजुर्गों से उनके चटपटे अनुभव और सीख देने वाली दिलचस्प कहानियां सुनना भी सुकून देता है।

साइलेंट डिस्को पार्टीः घर पर अकेले या परिवार के साथ हेडफोन लगाकर अपनी पसंद के गानों पर कुछ देर नाचें। इससे बिना किसी शोर-शराबे के तनाव कम होगा, मूड अच्छा होगा और आपको खुशी मिलेगी।

बच्चों वाली शरारतेंः जब कभी मन करे चॉक लेकर स्लेट पर या पेन, पेंसिल से कॉपी में कुछ मजेदार चित्र बनाएं या हॉप-स्कॉच (पकड़ा-पकड़ी) जैसा कोई खेल खेलें। अपने 'इनर चाइल्ड' को बाहर लाना खुशी का बेहतरीन स्रोत है। कभी-कभी बच्चों की तरह बिना किसी खास वजह के जोर से हंसने की कोशिश करें। यह शरीर में एंडोर्फिन हार्मोन रिलीज करता है, इससे मूड तुरंत हैप्पी फील करता है।

पास्ट-सेल्फ को 'थैंक यू' कहेंः केवल भविष्य की चिंता करने की बजाय, हर हफ्ते कुछ मिनट निकालकर अपने 'पुराने स्वरूप' को धन्यवाद दें। अपने पुराने स्वरूप को धन्यवाद कहना खुद से जुड़ने और अपनी प्रगति को सराहने का एक खूबसूरत तरीका है। जैसे मुश्किल समय में डटे रहने के लिए, सही चुनाव करने के लिए, सीखने और बढ़ने के लिए, खुद पर विश्वास रखने के लिए, धैर्य के लिए।

द मिस्टेक सेलिब्रेशनः जब आपसे कोई छोटी गलती हो जाए, तो उस पर झुंझलाने के बजाय मुस्कुराएं और कहें, 'वाह, एक और सीख मिली!' अपनी गलतियों को उत्सव की तरह देखने से तनाव कम होता है।

नकली मुस्कान का जादूः विज्ञान कहता है कि भले ही आप अंदर से खुश न हों, लेकिन शीशे में देखकर जबरदस्ती मुस्कुराने से दिमाग में खुशी वाले न्यूरोकेमिकल्स रिलीज होते हैं। इससे खुशी का अहसास होता है। इसे 'फेक इट टिल यू मेक इट' कहते हैं।

मिट्टी से जुड़ावः नंगे पैर मिट्टी या घास पर चलें। यह शरीर की इलेक्ट्रिकल ऊर्जा को संतुलित करता है और मन को शांत-खुश रखने में मदद करता है।

घर की सजावट बदलेंः अपने रहने की जगह को व्यवस्थित करें। साफ-सुथरा और सजा हुआ घर मानसिक शांति और खुशी देता है।

पेड़ों-पक्षियों को निहारनाः पेड़-पौधों और पशु-पक्षियों को निहारना मन को सुकून देता है। केवल एक मिनट के लिए किसी ऊंचे पेड़ को ऊपर की ओर देखें। यह आपको रोजमर्रा की भाग-दौड़ में ठहरने और प्रकृति से जुड़ाव महसूस कराएगा। किसी पार्क में बैठें और बस पक्षियों की चहचहाहट और हरकतों पर ध्यान दें। शोध बताते हैं कि पक्षियों के संग समय बिताने से खुशी मिलती है।

वर्क प्लेस के लिएः ऑफिस में तनाव को कम करने और छोटी-छोटी खुशियां ढूंढ़ने के लिए अपनी डेस्क पर ऐसी चीजें रखें, जो आपको मुस्कुराने पर मजबूर कर दें, जैसे कोई मजेदार मैग्नेट, छोटा पौधा या अपनी पसंदीदा वैकेशन की फोटो। बोरियत या स्ट्रेस के समय, दिन भर की छोटी-छोटी उपलब्धियों को लिखें। यह आपको एहसास कराएगा कि आप प्रगति कर रहे हैं। हर एक घंटे में 2-3 मिनट के लिए अपनी सीट से उठें। गहरी सांस लें या बस थोड़ा चलें, इससे दिमाग को ताजगी-खुशी मिलती है। *

लघुकथा / रंजना जायसवाल

राजा बेटा

आज सुबह से माया को अपने बेटे विक्रम की बहुत याद आ रही थी। उसे आज भी वह दिन याद है, जब वह उसका आंचल पकड़े दिन भर इधर से उधर घूमता रहता था। उसकी इस हरकत पर उसका नाम ही पड़ गया था पिछलग्गू। पर वक्त के साथ कितना कुछ बदल गया था। बगल वाली शुक्ला भाभी अपने दो छोटे बच्चों को छोड़ जब इस दुनिया से चली गई थीं। कितना डर गया था विक्रम। कहीं उसकी मां भी शुक्ला आंटी की तरह...।

उनके बच्चे बार-बार यही कहकर रो रहे थे, 'अब हम बिल्कुल शैतानी नहीं करेंगे, मां आप वापस आ जाओ।' बेचारे कहां जानते थे उनकी मां तो ऐसी दुनिया में चली गई थीं जहां से कोई लौटकर नहीं आता। विक्रम ने सहम कर पूछा था, 'मां! आप तो मुझे छोड़कर कहीं नहीं जाएंगी न'

'तुझे छोड़कर भला मैं कहां जा सकती हूं। तू तो मेरा राजा बेटा है।'

माया ने विक्रम के भोले चेहरे को पुचकारते हुए कहा था। 'और मां आप? राजा की मां तो रानी मां हुई न' वह खिलखिला कर हंस पड़ी थीं, 'हां बिल्कुल।'

'रानी मां कहां रहती हैं?' विक्रम के सवाल खत्म होने को नहीं आते थे। 'वोवो तो महलों में रहती हैं, अपने राजा बेटे के साथ।'

'मैं भी आप के साथ महलों में रहूंगा' विक्रम खुशी से चिल्ला पड़ा था, उसकी इस हरकत से उनकी आंखें भर आईं थीं। तभी एक तेज आवाज से माया की तंद्रा टूटी। वह वर्तमान में लौटी। उसकी नजर आश्रम के बोर्ड पर पड़ी जहां बड़े-बड़े अक्षरों में लिखा था 'वृद्धाश्रम।'

वह मन ही मन बुदबुदाई, 'राजा बेटे ने तो रानी मां के साथ रहने का वायदा किया था पर वह उन्हें यहां छोड़कर क्यों चला गया?' *

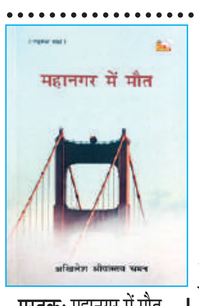

पुस्तकः महानगर में मौत, **लेखकः** अखिलेश श्रीवास्तव चमन, **मूल्यः** 225 रुपए, **प्रकाशकः** न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन, नई दिल्ली

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

मर्मस्पर्शी लघुकथाएं

वरिष्ठ साहित्यकार अखिलेश श्रीवास्तव चमन का नया लघुकथा संग्रह 'महानगर में मौत' कुछ समय पूर्व छपकर आया है। इसमें कुल जमा 55 लघुकथाएं संकलित हैं। ये लघुकथाएं अपने छोटे कलेवर में भी जीवन से जुड़े तमाम पहलुओं की श्याम-श्वेत छवियां उजागर करती हैं। महानगरीय जीवनशैली ने किस तरह हमें संवेदनशून्य बना दिया है और हमारे रिश्तों में से भावनात्मक जुड़ाव छीजता जा रहा है, इसकी बानगी 'महानगर में मौत' और 'बीमारी' लघुकथाओं में देखी जा सकती है। हमारे समाज में सांप्रदायिकता और जातिवाद आज भी किस कदर हावी है और इस मानसिकता का स्वार्थी लोग कैसे दुरुपयोग करते रहते हैं, इसे प्रभावी तरीके से 'राजनीति' और 'इंटरव्यू' में पढ़ सकते हैं। 'अजूबा' और 'गाली' जैसी कुछ लघुकथाओं में लेखक ने आज के दौर की जीवनशैली और नेताओं पर कटाक्ष किया है। कह सकते हैं कि ये लघुकथाएं हमारे समय के विद्रूप को मार्मिकता से व्यक्त करती हैं। *

व्यंग्य / पंकज प्रसून

घर पहुंचा विश्व युद्ध!

कल दोपहर किचन में दाल पक रही थी। जैसे ही कुकर की सीटी बजी, मैं डाइनिंग टेबल के नीचे दुबक गया। मुझे लगा ईरान ने इजराइल के चक्कर में मिसाइलें इधर ही दाग दी हैं और अब अगला सायरन साक्षात यमराज ही बजाएंगे।

एआई इमेज

आजकल मेरी रीढ़ की हड्डी के स्थान पर 55 इंच का एक एलईडी पैनल फिट हो चुका है, जिस पर चौबीसों घंटे ब्रेकिंग न्यूज का हड़कंप मचा रहता है। मेरा हाल यह है कि मैं अपने घर के सोफे के बजाय एक अभेद्य बंकर में विराजमान होता हूं। शाम के सात बजने पर जैसे ही न्यूज चैनल चालू होता है, मेरे ड्राइंग रूम में भी जैसे तीसरे विश्व युद्ध का आगाज हो जाता है। एंकर महोदय इस तरह चिल्लाते हैं मानो मिसाइल का पिछला हिस्सा उन्हीं के स्टूडियो में रखा हो और वे बस माचिस दिखाने ही वाले हों। उनके चिल्लाने की आवृत्ति इतनी तीव्र होती है कि घर की छिपकलियां तक सरेंडर कर देती हैं।

मेरी इंद्रियों का पूरी तरह सैन्यीकरण हो चुका है। कल दोपहर किचन में दाल पक रही थी। जैसे ही कुकर की सीटी बजी, मैं डाइनिंग टेबल के नीचे दुबक गया। मुझे लगा ईरान ने इजराइल के चक्कर में मिसाइलें इधर ही दाग दी हैं और अब अगला सायरन साक्षात यमराज ही बजाएंगे। पत्नी ने तंज कसा, 'उठिए महाराज, यह कोई 'आयरन डोम' फेल होने की आवाज होने से रही, अरहर की दाल है, तीन सीटी में गलती है।' मगर उसे क्या पता कि जिसे वह दाल कहती है, मुझे उसमें बारूद की गंध आती है। शाम को पड़ोस का बच्चा छत पर पतंग उड़ा रहा था, नीले आसमान में वह लाल पतंग मुझे साक्षात किलर-ड्रोन नजर आई। मैं वहीं बालकनी में लेट गया और रेंगते हुए अंदर आया। मुझे पूरा यकीन था कि यह पतंग महज कागज का टुकड़ा होने के बजाय मोसाद द्वारा भेजा गया कोई सर्वेक्षण यान है, जो मेरी फटी हुई बनियान की जासूसी कर रहा है।

फेसबुक खोलता हूं तो लगता है कि देश का हर वह व्यक्ति, जिसके पास डेढ़ जीबी का डेटा पैक है, वह व्हाइट हाउस का मुख्य सलाहकार बना बैठा है। जिस आदमी को यह पता तक है कि पड़ोस की गली में नाली क्यों जाम है, वह भी फेसबुक पर दुनिया का नक्शा लेकर समझा रहा है कि ईरान को मिसाइलें किस एंगल से छोड़नी चाहिए थीं। हमारे मित्र वर्मा जी, जो मोहल्ले की क्रिकेट टीम में 'एक्स्ट्रा' खिलाड़ी बनने के लायक भी नहीं समझे जाते, फेसबुक पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ बने घूम रहे हैं। उन्होंने पोस्ट डाली है- 'अगर मैं नेतन्याहू की जगह होता, तो अब तक बटन दबा चुका होता।' नीचे उनके साढ़ू ने कमेंट किया है, 'भाई साहब, पहले सुबह मोटर चलाकर पानी तो भर लिया कीजिए, भाभी चिल्ला रही हैं।' न्यूज चैनलों पर बैठने वाले रक्षा विशेषज्ञ तो और भी अद्भुत हैं। वे ऐसे चहकते हैं जैसे युद्ध के बजाय गांव का मेला चल रहा हो। एक रिटायर्ड सैन्य अधिकारी ने पेन उठाकर नक्शे पर ऐसी लकीर खींची जैसे वे स्कूल में बच्चों को 'क' से कबूतर सिखा रहे हों। उन्होंने कहा, 'देखिए, यहां से मिसाइल जाएगी और सीधे किचन में गिरेगी।' मैंने डर के मारे चाय का कप नीचे रख दिया, कहीं मिसाइल मेरी चाय में ही लैंड न कर जाए।

ऑफिस से घर लौटकर चैन की उम्मीद थी, मगर वहां द्विपक्षीय वार्ता पहले ही विफल हो चुकी थी। पत्नी ने पूछा, 'सब्जी लाए?' मैंने कहा, 'युद्ध के कारण वैश्विक बाजारों में उतार-चढ़ाव है, टमाटर की कीमतों ने बैलिस्टिक मिसाइल की गति पकड़ ली है।' पत्नी का पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया। उसने जो 'वाक-युद्ध' शुरू किया, उसके सामने न्यूज चैनल के एंकर भी पानी भरें। उसने कहा, 'ये जो चौबीस घंटे टीवी देखते हो, इससे दिमाग का सॉफ्टवेयर करप्ट हो गया है। घर में गृहयुद्ध की स्थिति है और तुम्हें ईरान-इजराइल की चिंता है।' झगड़ा बढ़ा तो उसने बेलन हाथ में उठा लिया। उस क्षण मुझे अहसास हुआ कि असली हाइपरसोनिक वेपन तो यही है। मैंने तुरंत युद्धविराम की घोषणा कर दी। बिना शर्त माफी मांगना ही सबसे सुरक्षित डिफेंस सिस्टम है।

रात को जब टीवी बंद करता हूं और सन्नाटा छाता है, तो दिल के किसी कोने में एक सिहरन दौड़ जाती है। टीवी के पर्दे पर जो आग दिखती है, वह दूर किसी के घर को सचमुच राख कर रही होती है। आसमान में उड़ती पतंग जब ड्रोन लगने लगे और कुकर की सीटी सायरन बन जाए, तो समझ लेना चाहिए कि युद्ध केवल सीमाओं पर लड़े जाने के बजाय हमारे दिमागों के भीतर घुसकर बमबारी कर रहा है। हम सब एक ऐसे 'वॉर जोन' में जी रहे हैं, जहां शांति एक ब्रेकिंग न्यूज बनकर रह गई है और हमारी संवेदनाएं कहीं मलबे में दबी पड़ी हैं। मिसाइल शायद मेरे घर पर गिरने से रही, मगर उस डर की मिसाइल ने मेरे सुकून को तो जख्मी कर ही दिया है। टीवी का रिमोट हाथ में है, पर जीवन का कंट्रोल शायद उन लोगों के हाथ में है, जो युद्ध की कमेंट्री बेचकर अपना घर चला रहे हैं। *

भाई पर किए गए जानलेवा हमले का बदला लेने के लिए की वारदात

हिस्ट्रीशीटर के घर फायरिंग, बेटे के पैर में लगी गोली बदमाश पीछा करते हुए पहुंचे अस्पताल, फायरिंग की

हमलावरों की फायरिंग से अस्पताल के दरवाजे और खिड़की में लगी गोलियां, टूटे कांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

अशोका गार्डन थाना क्षेत्र स्थित शंकर गार्डन में शनिवार सुबह कुख्यात बदमाश लल्लू रईस के घर पहुंचे दर्जनभर बदमाशों ने जमकर उत्पात मचाते हुए फायरिंग कर दी। बदमाश शादाब गेट ने अपने आठ-दस साथियों के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया है। पैर में गोली लगने से लल्लू रईस का बेटा घायल हुआ है। हमलावर लल्लू रईस को निशाना बनाना चाहते थे। पुलिस का कहना है कि कुछ समय पूर्व हिस्ट्रीशीटर के बेटे ने शादाब गेट के भाई पर जानलेवा हमला किया था। बदला लेने के बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया है। घर पर फायरिंग करने के तीस मिनट बाद आरोपी हमीदिया अस्पताल पहुंचे। आरोपियों ने वहां भी फायरिंग कर दहशत फैलाई है। हमले में लल्लू रईस बाल-बाल बच गया। हमीदिया अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में दरवाजे और खिड़की पर गोलियां लगी हैं। अशोका गार्डन और कोहेफिजा पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दोनों ही थाना पुलिस की अलग अलग टीम लगाई गई। पुलिस के अनुसार लल्लू रईश शंकर गार्डन अशोका गार्डन में रहता है। उसने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि शनिवार सुबह करीब पौने 6 बजे उसके घर पर फायरिंग की गई। बदमाश शादाब गेट अपने साथी शाहवर मौलाना, गुड्डू स्टेशन व अल्लू परवेज समेत 8-10 लोगों के साथ उसके घर पहुंचा। आरोपी उसके बेटे इमरान का पीछा करते हुए उसके घर पहुंचे। इमरान जैसे ही घर पहुंचा, पीछा कर रहे बदमाशों ने उस पर फायरिंग कर दी। जान बचाकर इमरान घर में घुस गया और अंदर से दरवाजा बंद कर लिया। फायरिंग में इमरान के बाएं पैर में गोली लगी है। फायरिंग करने के बाद बदमाश मौके से भाग निकले।

काले कारनामों के वीडियो वायरल करता हूं इसलिए कराया हमला

हिस्ट्रीशीटर लल्लू रईस का कहना है कि आरोपी शादाब गेट व उसके साथी शहर के अलग-अलग इलाकों जुए व सट्टे का अवैध कारोबार चलाते हैं। वह अक्सर उनके काले कारनामों का वीडियो बनाकर वायरल करता रहता है। पुलिस कार्रवाई कर उनके अवैध धंधे बंद करा देती है। इसी वजह से आरोपी उसकी हत्या करना चाहते हैं ताकि वे अपने अवैध कारोबार का संचालन कर सकें।

पीछा करते हुए अस्पताल तक पहुंचे आरोपी

लल्लू रईस बेटे इमरान को लेकर हमीदिया अस्पताल पहुंचा, वहां इमरजेंसी वार्ड में उसका इलाज शुरू किया गया। इसी बीच सवा 6 बजे बदमाश फिर अस्पताल पहुंच गए और फायरिंग की। अस्पताल में फायरिंग होने से अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बदमाश शादाब गेट और उसके साथियों ने लल्लू रईस को निशाना बनाकर फायरिंग की थी। हालांकि लल्लू रईस को गोली नहीं लगी है। गोलियां अस्पताल परिसर के दरवाजे और खिड़की में लगी है। इमरान आरोपी शादाब के भाई पर जानलेवा हमला कर चुका है। हमले में उसके भाई की अंगुलियां कट गई थीं। आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर खोजबीन शुरू कर दी गई है।

मोबाइल दीवार से टिकी हुई अवस्था में मिला, अनुमान वीडियो कॉल करते हुए की आत्महत्या

फ्रेंड से बात करते-करते बीटेक छात्र ने फांसी लगाकर दी जान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

अशोका गार्डन थाना क्षेत्र स्थित बैंक नगर कॉलोनी में शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात बीटेक छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। घटना के समय वह अपनी फ्रेंड से मोबाइल पर बातचीत कर रहा था। फ्रेंड ने छात्र के रूम पर उसके दोस्त को भेजा। दोस्त जब पहुंचा तब तक छात्र फांसी लगा चुका था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया, लेकिन सुसाइड नोट नहीं मिला है। छात्र का मोबाइल दीवार से टिका हुआ मिलने से अनुमान है कि उसने मोबाइल पर वीडियो कॉल कर फांसी लगाई है। हालांकि मोबाइल का पैटर्न लॉक होने के कारण मोबाइल की जांच नहीं हो सकी है।

पुलिस के अनुसार मोहम्मद इफ्तिखार (21) मूलतः पूर्वी चंपारण, बिहार का रहने वाला था। यहां बैंक नगर कॉलोनी अशोका गार्डन में किराए से रह रहा था और रातीबड़ स्थित निजी कॉलेज से बीटेक थर्ड ईयर की पढ़ाई कर रहा था। मोहम्मद इफ्तियार खान अपने दोस्तों के साथ रहता था। बुधवार रात उसके दोस्त अपने अन्य दोस्तों के रूम पर थे, जबकि रूम पर वह अकेला था। रात करीब दो बजे तक वह अपनी फ्रेंड से बातचीत करता रहा फिर फांसी लगा ली।

फ्रेंड ने दोस्त को भेजा घर

रात करीब दो बजे फ्रेंड से बातचीत करते समय इफ्तिखार ने आत्महत्या की बात कही थी। फ्रेंड ने इफ्तिखार के दोस्त को बताया। दोस्त जब घर पहुंचा तो कमरा अंदर से बंद था। किसी तरह दरवाजा तोड़ा गया। इस दौरान इफ्तिखार की लाश फांसी के फंदे पर लटकी मिली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बताया कि इफ्तिखार का मोबाइल दीवार से टिका हुआ था। अनुमान है कि उसने फ्रेंड को वीडियो कॉल कर फांसी लगाई है। हालांकि उसने फांसी लगाकार आत्महत्या क्यों की यह पता नहीं चला है। पुलिस मोबाइल का पैटर्न लॉक खुलवा रही है। साथ ही उसकी फ्रेंड के बयान दर्ज करेगी, जिससे आत्महत्या के कारण स्पष्ट हो सके। पुलिस ने शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है। बिहार से परिजन के भोपाल पहुंचने पर शव का पीएम कराया जाएगा।

गर्मी शुरू होते ही पानी सप्लाई पर उठे सवाल

कई इलाकों में नहीं पहुंच रहा पानी टैंकर, स्टाफ की कमी से परेशानी

निजी टैंकर मंगवाने को मजबूर जनता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

गर्मी की शुरुआत होते ही नगर निगम की पानी सप्लाई व्यवस्था पर सवाल खड़े होने लगे हैं। शहर के कई इलाकों में नियमित रूप से पानी नहीं पहुंच पा रहा है, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हालात यह हैं कि कई कॉलोनियों में लोग निजी टैंकर मंगवाने को मजबूर हैं।

टैंकर मंगाने के बाद भी लोगों को समय पर पानी नहीं मिल पा रहा है। कई जगहों पर टैंकर आने में एक से दो दिन तक का समय लग रहा है, जिससे रहवासियों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। खासकर स्लम एरिया सतनामी नगर, झील नगर और इंद्रपुरी में लोगों दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। कई बार दो दिन बाद पानी पहुंचता है। इन क्षेत्रों के रहवासियों का कहना है कि उनके पास पानी का नियमित कनेक्शन नहीं है और वे पूरी तरह टैंकर के भरोसे रहते हैं। इसके बावजूद पानी समय पर नहीं मिलने से रोजमर्रा के कामकाज में दिक्कत हो रही है। नाम न बताने की शर्त पर नगर निगम के कर्मचारी ने बताया कि शहर में पानी सप्लाई के लिए पर्याप्त स्टाफ और टैंकर उपलब्ध नहीं हैं। सीमित संसाधनों के कारण इतनी बड़ी आबादी तक समय पर पानी पहुंचाना मुश्किल हो रहा है। इसी वजह से कई क्षेत्रों में पानी सप्लाई प्रभावित हो रही है और लोगों को इंतजार करना पड़ रहा है। नगर निगम के तन्मय वी शर्मा ने कहा कि हमारे पास पर्याप्त पानी टैंकर है जिसकी सप्लाई रोजाना हो रही है।

हिंदू नववर्ष पर अटल पथ पर गूंजेगा काव्य स्वर, 18 मार्च को अखिल भारतीय कवि सम्मेलन

कर्मश्री का कवि सम्मेलन बना चुका भोपाल की सांस्कृतिक पहचानः मंत्री विश्वास

अटल पथ पर आयोजन स्थल का मंत्री सारंग, विधायक रामेश्वर शर्मा, भगवानदास सबनानी ने किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

कर्मश्री संस्था द्वारा हिन्दू नववर्ष के पावन अवसर पर राजधानी भोपाल में आयोजित होने वाले अखिल भारतीय कवि सम्मेलन की तैयारियां तेज हो गई हैं। 18 मार्च को होने वाले इस सांस्कृतिक आयोजन के लिए अटल पथ टीटी नगर स्थित कार्यक्रम स्थल का शनिवार को कर्मश्री के अध्यक्ष एवं विधायक रामेश्वर शर्मा ने निरीक्षण दौरान बताया कि कैबिनेट मंत्री विश्वास सारंग एवं दक्षिण-पश्चिम विधानसभा के विधायक भगवान दास सबनानी की उपस्थिति में आयोजन स्थल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया है।

निरीक्षण के समय पुलिस प्रशासन, जिला प्रशासन तथा नगर निगम के अधिकारी भी मौजूद रहे और कार्यक्रम की तैयारियों से संबंधित आवश्यक निर्देश दिए गए। हिन्दू नववर्ष के स्वागत में आयोजित होने वाला यह अखिल भारतीय कवि सम्मेलन इस वर्ष अपने 25वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। स्थल निरीक्षण के दौरान सारंग ने कहा कि विधायक रामेश्वर शर्मा हर साल प्रतिपदा के अवसर पर विशाल कवि सम्मेलन का आयोजन कराते है और यह परंपरा लगातार कर्मश्री संस्था के द्वारा चल रही है। इस बार 18 मार्च को विधायक रामेश्वर शर्मा द्वारा अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है और बड़ी बात यह है कि देश के सुप्रसिद्ध कवि डॉ. कुमार विश्वास जी इस आयोजन में विशेष रूप से के मुख्य आकर्षण होंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे शुभारंभः रामेश्वर

विधायक रामेश्वर शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर देश के प्रसिद्ध कवि मंच को अपनी काव्यधारा से आलोकित करेंगे। विशेष रूप से कवि डॉ. कुमार विश्वास की उपस्थिति इस आयोजन को और अधिक आकर्षक बनाएगी। वीर, हास्य, व्यंग्य और श्रृंगार रस से परिपूर्ण काव्य पाठ के साथ यह कवि सम्मेलन हिंदू नववर्ष के उल्लास को कई गुना बढ़ाएगा।

भगवा यात्रा आज

विधायक रामेश्वर शर्मा ने बताया कि हिंदू नववर्ष, गुड़ी पड़वा, चैत्र नवरात्रि एवं चेती चांद के पावन अवसर पर कर्मश्री द्वारा रविवार शाम पांच बजे अटल पथ टीटी नगर से विशाल भगवा यात्रा का आयोजन भी किया जा रहा है। इस यात्रा में समाज के विभिन्न वर्गों के लोग शामिल होकर सनातन संस्कृति, राष्ट्र गौरव और सामाजिक एकता का संदेश देंगे।

शिकायत करने शुजालपुर गए पिता से की जमकर मारपीट

मौसेरे भाई ने 11वीं की छात्रा से की छेड़छाड़, विरोध करने पर पिता को पीटा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

परवलिया सड़क पुलिस ने 11 वीं कक्षा की छात्रा की शिकायत पर मौसेरे भाई के खिलाफ छेड़छाड़, मारपीट व पॉक्सो एक्ट समेत अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है। आरोपी ने परीक्षा देने गई छात्रा के साथ छेड़छाड़ की। पिता को जब इस बात की जानकारी हुई तो वह शिकायत लेकर शुजालपुर पहुंचे। आरोपी ने शुजालपुर में छात्रा के पिता से भी जमकर मारपीट की। पुलिस के मुताबिक परवलिया थाना क्षेत्र में रहने वाली साढ़े 15 साल की किशोरी 11 वीं कक्षा की छात्रा है।

विगत दो मार्च को वह परीक्षा देने परवलिया के निजी स्कूल गई थी। वहां उसका मौसेरा भाई भी पहुंच गया। दोनों के बीच पहले से बातचीत होती थी। वहां उसने किशोरी को स्कूल के पीछे बुलाकर अश्लील हरकतें कीं। आरोपी ने धमकी दी कि यदि इसकी जानकारी किसी को दी तो वह जान से मार देगा। घटना के बाद वह बार-बार किशोरी को फोन लगाकर परेशान कर रहा था। तंग आकर पीड़िता ने दो दिन पहले अपने पिता को सारी बात बता दी। पिता आरोपी की शिकायत लेकर उसके घर शुजालपुर जा पहुंचे। वहां आरोपी ने छात्रा के पिता के साथ अभद्र व्यवहार करते हुए मारपीट कर दी।

स्थानीय खेल समाचार

बैंड म्यूजिक पर सैकड़ों लोगों ने फिटनेस के लिए लगाए पुशअप्स

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

एसएआई सीआरसी भोपाल द्वारा आयोजित दो दिवसीय 'फिट इंडिया कॉर्निवल' का शुभारंभ शनिवार को टीटी नगर स्टेडियम में अत्यंत उत्साह के साथ हुआ। यह कार्निवल 14 से 15 मार्च तक प्रतिदिन शाम 5 बजे से रात 9 बजे तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें शहर भर से बड़ी संख्या में फिटनेस प्रेमियों, युवाओं और परिवारों ने भाग लिया।

कार्निवल का औपचारिक उद्घाटन खेल एवं युवा कल्याण राज्य मंत्री विश्वास सारंग द्वारा किया गया। उद्घाटन समारोह में एसएआई सीआरसी भोपाल के क्षेत्रीय निदेशक अभिषेक सिंह चौहान (आईटीएस) तथा मध्यप्रदेश खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संयुक्त संचालक बीएस यादव भी उपस्थित रहे। कार्निवल के पहले दिन कार्यक्रम में जनता की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली। आगंतुकों ने विभिन्न आकर्षक फिटनेस एवं मनोरंजक गतिविधियों में सक्रिय रूप से हिस्सा लिया। कार्यक्रम स्थल पर गेम जोन, फन जोन तथा वर्चुअल रियलिटी (वीआर) जोन स्थापित किए गए थे, जिनका उद्देश्य लोगों को रोचक और सहभागितापूर्ण तरीके से फिटनेस के प्रति जागरूक करना था।

आज बॉलीवुड-टीवी एक्टर अभिनव शुक्ला करेंगे संवाद

कार्यक्रम के दूसरे दिन के आयोजन को लेकर लोगों में विशेष उत्साह है, जिसमें प्रसिद्ध बॉलीवुड एवं टेलीविजन अभिनेता अभिनव शुक्ला प्रतिभागियों से संवाद करेंगे तथा फिटनेस और स्वस्थ जीवनशैली के संदेश को आगे बढ़ाएंगे।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी

कार्निवल में सांस्कृतिक और पारंपरिक प्रस्तुतियों ने भी विशेष आकर्षण का केंद्र बनाया। इस दौरान मल्लखंब के प्रदर्शन, पारंपरिक नृत्य प्रस्तुतियां तथा संगीत बैंड की जीवंत प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को उत्साहपूर्ण बना दिया और दर्शकों को पूरे दिन बांधे रखा। जनता की उत्साहपूर्ण भागीदारी और सकारात्मक प्रतिक्रिया के साथ कार्निवल का पहला दिन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

एनएसटी 6वीं मीडिया खेल कॉर्निवाल

जनसंपर्क की आज फाइनल में डिजियाना-11 से होगी भिड़ंत

सेमीफाइनल में राहुल सिंह पाल और जगदीश कुशवाहा की शानदार गेंदबाजी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

ओल्ड चैंपियन मैदान पर आयोजित नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स की ओर से आयोजित 6वीं मीडिया खेल कार्निवाल-2026 के सेमीफाइनल मुकाबले में जनसंपर्क की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दैनिक भास्कर को 72 रन से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। जहां उसका सामना डिजियाना-11 से रविवार को होगा।

जनसंपर्क ने तय 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 181 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी दैनिक भास्कर की टीम शुरुआत से ही दबाव में रही और पूरी टीम 18.1 ओवर में 109 रन पर सिमट गई। राहुल पाल सिंह मैन ऑफ द मैच बने। अपर संचालक जनसंपर्क गणेश जायसवाल और वरिष्ठ पत्रकार अक्षत शर्मा ने मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार प्रदान किया।

एमपीएल टीम रॉयल निमाड़ ईगल्स के लिए 16 को क्रिकेट ट्रायल्स का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग (सिंधिया कप) 2026 में आईसेक्ट ग्रुप की पुरुष क्रिकेट टीम 'रॉयल निमाड़ ईगल्स' के गठन के साथ भोपाल डिवीजन के युवा क्रिकेट खिलाड़ियों के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने का महत्वपूर्ण अवसर सामने आया है। इसी क्रम में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के चयन हेतु 16 मार्च को स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी के क्रिकेट ग्राउंड, नर्मदापुरम रोड में चयन ट्रायल्स आयोजित किए जाएंगे। आईसेक्ट समूह के कार्यकारी उपाध्यक्ष डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने कहा कि ट्रायल्स सुबह 8 बजे से प्रारंभ होंगे, जिनमें भोपाल एवं आसपास के जिलों के खिलाड़ी भाग ले सकेंगे। पात्रता के अनुसार, खिलाड़ी की आयु 1 दिसंबर 2025 तक न्यूनतम 19 वर्ष होना आवश्यक है तथा खिलाड़ी का मध्य प्रदेश से संबंध जन्म या स्थायी निवास (डोमिसाइल) के आधार पर होना चाहिए।

'बैंकर्स प्रीमियर लीग' में 12 टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले शुरू

बैंकर्स ने थामा बल्ला, ठोक रहे चौके-छक्के

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

बैंकिंग पेशे की व्यस्तता के बीच खेल भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'द एसोसिएट' की ओर से बैंकर्स प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। यह टूर्नामेंट 14, 15 और 22 मार्च को खेला जा रहा है, जिसमें विभिन्न बैंकों के अधिकारी और कर्मचारी उत्साह के साथ हिस्सा ले रहे हैं। प्रतियोगिता में कुल 12 टीमें शामिल हैं और लगभग 180 खिलाड़ी मैदान में अपनी

प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। टूर्नामेंट के मुकाबले 10 ओवर के होंगे और टेनिस बॉल से खेले जाएंगे। पहले चरण में सभी टीमों के बीच लीग मैच खेले जाएंगे, जिनमें जीत हासिल करने वाली टीमें सेमीफाइनल में प्रवेश करेंगी। इसके बाद विजेता टीमें 22 मार्च को होने वाले फाइनल मुकाबले में आमने-सामने होंगी। प्रतियोगिता में बैंक ऑफ इंडिया, एसबीआई, कोटक महिंद्रा बैंक और केनरा बैंक सहित कई प्रमुख बैंक भाग ले रहे हैं। विजेता और उप-विजेता टीमों को ट्रॉफी और नकद पुरस्कार दिए जाएंगे, वहीं बेस्ट बल्लेबाज, बेस्ट गेंदबाज और बेस्ट फील्डर को भी विशेष पुरस्कार, प्रमाणपत्र और मेडल प्रदान किए जाएंगे।

इंडियन वेल्स मास्टर्स : लिंडा को 6-3, 6-4 से हराया

सबालेंका ने 1 घंटे 28 मिनट में जीता मैच, लिंडा को हराकर फाइनल में एंट्री

एलेना और आर्यना में आज होगा खिताबी मुकाबला

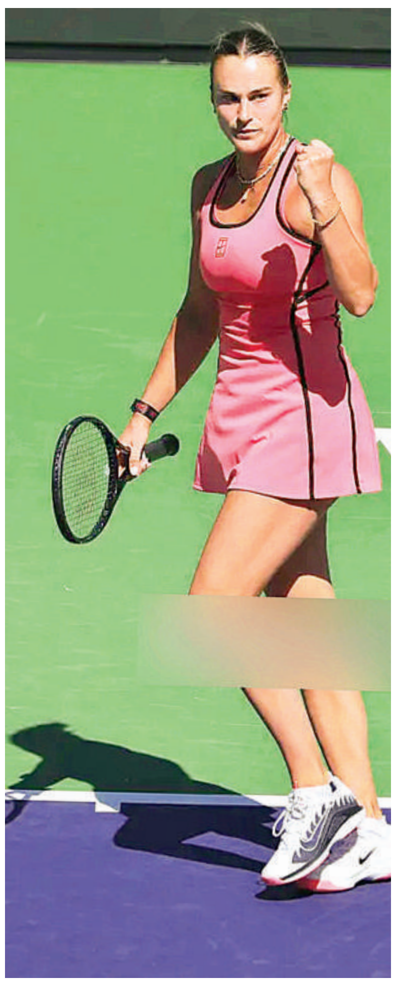

एजेंसी ▶▶| मुंबई

आर्यना सबालेंका ने इंडियन वेल्स मास्टर्स के फाइनल में जगह बना ली है। सबालेंका ने लिंडा नोस्कोवा को 6-3, 6-4 से हराकर तीसरी बार टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई है। सबालेंका ने पहली बार इंडियन वेल्स का सेमीफाइनल खेल रही 21 साल की लिंडा नोस्कोवा के खिलाफ मैच की शुरुआत से ही अपनी पकड़ बना ली थी। सबालेंका ने डबल-ब्रेक में 5-1 की बढ़त बना ली और बेहद कम समय में सेट जीत लिया। दो गेम बाद सबालेंका ने ओपन कोर्ट में फोरहैंड विनर मारकर मैच 1 घंटे 28 मिनट में खत्म कर दिया। चेक खिलाड़ी ने दूसरे सेट के आखिर में मैच में अपनी पकड़ बना ली। उन्होंने अपनी सर्विंग की काबिलियत दिखाई, जब उन्होंने दो ब्रेक पॉइंट बचाकर स्कोर 3-2 कर दिया और स्कोर सिर्फ एक ब्रेक तक ही सीमित रखा। नोस्कोवा ने दूसरे सेट में सबालेंका की सर्विंग के समय 4-3, 30-40 पर एक ब्रेक पॉइंट भी हासिल किया, लेकिन लगातार तीन बड़ी सर्व ने दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी को 6-3, 5-3 से जीत की कगार पर पहुंचा दिया।

सबालेंका के कॅरियर की 20वीं जीत

नोस्कोवा पर सबालेंका की सेमीफाइनल जीत इंडियन वेल्स में उनके करियर की 20वीं जीत है। सबालेंका पहली दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी हैं, जो 1989 में टूर्नामेंट शुरू होने के बाद से लगातार सालों में फाइनल में पहुंची हैं और विक्टोरिया अजारेंका के साथ इंडियन वेल्स फाइनल में तीन अलग-अलग बार पहुंचने वाली केवल दो सक्रिय खिलाड़ियों में शामिल हो गई हैं।

इस साल मेरा दबदबा रहे

सबालेंका ने कहा, ' मैं यह सुनिश्चित करूंगी कि मैं रविवार को पूरी तरह से तैयार रहूं। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ टेनिस खेलूंगी और यह सुनिश्चित करने की कोशिश करुंगी कि इस साल मेरा दबदबा रहे।' सबालेंका ने शुक्रवार को जीत हासिल करके 2026 में अपना रिकॉर्ड 12-1 कर लिया। उन्होंने लगातार छठी बार किसी डब्ल्यूटीए टूर टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। इससे पहले सेमीफाइनल में पहुंचने से पहले उन्हें आखिरी हार पिछले साल अगस्त में सिनसिनाटी ओपन के क्वार्टरफाइनल में रयबाकिना से ही मिली थी।

भांबरी और गोरानसन का सफर सेमीफाइनल में थमा

इंडियन वेल्स। भारत के युकी भांबरी और स्वीडन के उनके साथी आंद्रे गोरानसन का कैलिफोर्निया में खेले जा रहे इंडियन वेल्स मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट में शानदार अभियान सेमीफाइनल में हारने के साथ समाप्त हो गया। भांबरी और गोरानसन की गैरवरीय जोड़ी फ्रांस के आर्थर रिंडरकनेच और मोनाको के वैलेंटीन वाचेरोट से 5-7, 7-6(7), 5-10 से हार गई। यह एक कड़ा मुकाबला था, जिसका फैसला टाईब्रेकर से हुआ। भांबरी और गोरानसन पहले सेट में अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद हार गए। उन्होंने दूसरे सेट में बेहतर खेल दिखाया और टाईब्रेकर में जीत दर्ज करके मुकाबला को निर्णायक मोड़ पर पहुंचा दिया।लेकिन निर्णायक टाईब्रेकर में रिंडरकनेच और वाचेरोट ने अपना संयम बनाए रखा और जीत हासिल कर ली। इस मैच में हार के बावजूद इस टूर्नामेंट में 33 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। वह पहली बार किसी एटीपी मास्टर्स 1000 प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में पहुंचे थे।

रयबाकिना ने स्वितोलिना को 7-5, 6-4 से हराया

रयबाकिना ने दूसरे सेमीफाइनल में यूक्रेन की नौवें नंबर की खिलाड़ी एलिना स्वितोलिना को 7-5, 6-4 से हराया। सबालेंका को 2026 में एकमात्र हार ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में रयबाकिना से मिली थी। सबालेंका निश्चित रूप से उस हार का बदला लेने के साथ इंडियन वेल्स के फाइनल में अपने 0-2 के रिकॉर्ड में सुधार करना चाहेगी।

द्रविड़, बिन्नी और मिताली को मिलेगा लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार

बीसीसीआई ने जारी की नमन अवॉर्ड विजेताओं की सूची

एजेंसी ▶▶| मुंबई

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड 15 मार्च को नई दिल्ली में होने वाले बीसीसीआई नमन अवॉर्ड्स 2026 में भारतीय क्रिकेट में शानदार उपलब्धियों का जश्न मनाएगा। यह सालाना समारोह अंतरराष्ट्रीय, घरेलू और एज-ग्रुप क्रिकेट में बेहतरीन प्रदर्शन करने वालों को पहचान देता है, साथ ही उन लोगों को सम्मानित करता है, जिन्होंने भारत में इस खेल में खास योगदान दिया है। इस बार 1983 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य ऑलराउंडर रोजर बिन्नी और पूर्व बल्लेबाज राहुल द्रविड़ को भारतीय क्रिकेट में उनकी लंबी सेवा के लिए प्रतिष्ठित कर्नल सीके नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज को देश में महिला क्रिकेट को आगे बढ़ाने में उनके अहम योगदान के लिए बीसीसीआई लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा।

शुभमन को मिलेगा पॉली उमरीगर पुरस्कार

भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल को 2024-25 सीजन के लिए पॉली उमरीगर पुरस्कार मिलेगा, जबकि स्मृति मंधाना पांचवीं बार बेस्ट अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेटर का अवॉर्ड जीतेंगी। वहीं बिन्नी को भारत की ऐतिहासिक 1983 क्रिकेट वर्ल्ड कप जीत में एक खिलाड़ी के तौर पर उनके योगदान के लिए सम्मानित किया जा रहा है। टूर्नामेंट में वह सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी बने थे।

विजेताओं की लिस्ट

- पॉली उमरीगर अवॉर्ड 2024-25 : श्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर (पुरुष)- शुभमन गिल
- 2024-25 में श्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेटर– स्मृति मंधाना
- वन डे इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा विकेट- 2024-25 महिला - दीप्ति शर्मा
- वन डे इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली महिला- 2024-25 - स्मृति मंधाना
- 2024-25 में श्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय डेब्यू-महिला - श्रीचरणी
- 2024-25 में श्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय डेब्यू- पुरुष - हर्षित राणा
- 2024-25 के बीसीसीआई घरेलू टूर्नामेंट में श्रेष्ठ प्रदर्शन- मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन
- 2023-24 में घरेलू क्रिकेट में श्रेष्ठ अंपायर- उल्हास गांधे
- माधवराव सिंधिया अवॉर्ड : 2024-25 में रणजी ट्रॉफी में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले - एलीट ग्रुप - हर्ष दुबे (विदर्भ)

शेफाली और म्हात्रे को किया जाएगा पुरस्कृत

भारतीय महिला टीम की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा और हाल ही में अंडर-19 विश्व कप जीतने वाले कप्तान आयुष म्हात्रे को भी पुरस्कृत किया जाएगा। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन को बीसीसीआई के घरेलू टूर्नामेंट में सबसे अच्छे प्रदर्शन के लिए भी सम्मानित किया जाएगा। इस समारोह का एक बड़ा आकर्षण हाल ही में आईसीसी खिताब जीतने वाली पांच भारतीय टीमों को सम्मानित करना होगा, जिसमें आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025, आईसीसी टी20 विश्व कप 2026, महिला विमेंस क्रिकेट विश्व कप 2025, और पुरुष और महिला अंडर-19 विश्व कप जीतने वाली टीमें शामिल हैं।

खबर संक्षेप

खिलाड़ियों के डाइट सप्लीमेंट पर खेल मंत्रालय सख्त

नई दिल्ली। भारत के डोपिंग में खराब रिकार्ड को देखते हुए खेल मंत्रालय ने भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) और सभी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) को खिलाड़ियों के लिए तैयार किए गए पोषण और खाद्य पूरकों की उचित जांच सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। मंत्रालय के सूत्रों ने बताया, ' यह कदम दूषित, मिलावटी या गलत लेबल वाले पोषण संबंधी सप्लीमेंट से खिलाड़ियों का प्रतिबंधित पदार्थों के सेवन के जोखिम को कम करने के उद्देश्य से उठाया गया है।'

हमने नहीं लगाया किसी भी खिलाड़ी पर जुर्माना : पीसीबी

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा कि उसने टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचने में नाकाम रहने के कारण टीम के किसी भी सदस्य पर जुर्माना नहीं लगाया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान की टीम के सुपर आठ चरण से बाहर होने के बाद खिलाड़ियों पर जुर्माना लगाया गया, लेकिन पीसीबी के प्रवक्ता आमिर मीर ने इसका खंडन किया। मीर ने कहा, 'किसी भी खिलाड़ी पर जुर्माना नहीं लगाया गया है, लेकिन बोर्ड खिलाड़ियों के लिए एक फार्मूला तैयार करने के बारे में सोच रहा है क्योंकि अच्छा प्रदर्शन करने पर उन्हें अच्छी प्रोत्साहन राशि मिलती है।'

धोनी का आईपीएल में यह अंतिम सत्र हो सकता है

नई दिल्ली। भारत के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान का मानना है कि आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) महेंद्र सिंह धोनी का चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की तरफ से एक खिलाड़ी के रूप में यह अंतिम सत्र हो सकता है। जैसे-जैसे 2026 का आईपीएल करीब आ रहा है, धोनी के संन्यास को लेकर चर्चाएं फिर से तेज हो गई हैं। सीएसके ने राजस्थान रॉयल्स से संजू सैमसन को लेकर अपनी टीम से जुड़ा है, जिसके बाद अटकलें लगाई जा रही हैं कि धोनी इस बार खेल के मैदान पर कम दिखेंगे और वह मेंटोर (मार्गदर्शक) की भूमिका निभा सकते हैं।

लोकेश ने लगाई 8.21 मीटर की छलांग, बनाया नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

लोकेश का लंबी कूद में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन, जीता स्वर्ण पदक

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत के युवा एथलीट लोकेश सत्यनाथन ने अर्कांसस के फेयेटविले में एनसीएए इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुषों की लंबी कूद में नए राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीतकर अपने करियर में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। उन्होंने 8.21 मीटर की छलांग लगाकर नया इंडोर राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया।

इससे वहां लंबी कूद के भारत के स्टार एथलीट जेस्विन एल्ड्रिन (8.42 मीटर) और मुरली श्रीशंकर (8.41 मीटर) के बाद सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं। टार्लेटन स्टेट यूनिवर्सिटी की तरफ से खेल रहे लोकेश ने अपने चौथे प्रयास में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके पहला स्थान हासिल किया। लोकेश ने यूनिवर्सिटी ऑफ सदर्न मिसिसिपी के डी ऑन्ड्रे वार्ड को पीछे छोड़ा, जिन्होंने 8.20 मीटर की छलांग लगाकर दूसरा स्थान हासिल किया। कंसास स्टेट यूनिवर्सिटी के ताफदज़वा चिकोम्बा 8.15 मीटर की छलांग लगाकर तीसरे स्थान पर रहे। लोकेश ने बाद में कहा, ''मैं ईश्वर का आभार व्यक्त करता हूं क्योंकि मैं जानता हूं कि उनके बिना कुछ भी संभव नहीं है। मैं निश्चित रूप से बेंगलुरु में रह रहे अपने परिवार और अपने कोच का भी आभार व्यक्त करता हूं, जो यहां मेरे लिए परिवार की तरह हैं।'

महिला एशियाई कप

चीन ने ताइवान को हराया सेमीफाइनल में प्रवेश

पर्थ। मौजूदा चैंपियन चीन ने ताइवान को 2-0 से हराकर 2027 विश्व कप में अपनी जगह पक्की करने के साथ महिला एशियाई कप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया, जिसमें उसका सामना ऑस्ट्रेलिया से होगा। चीन और ताइवान के बीच भू-राजनीतिक तनाव है और दोनों के बीच 90 मिनट तक कोई गोल नहीं हुआ। इसके बाद अतिरिक्त समय के तीसरे ही मिनट में शाओ जिकिन ने गोल करके मैच का पहला गोल किया और फिर आखिर में एक आत्मघाती गोल से चीन का दूसरा गोल हुआ। वहीं शुक्रवार को हुए मुकाबले में सैम केर ने एक गोल किया और एक गोल में मदद की, जिससे ऑस्ट्रेलिया ने उत्तर कोरिया को 2-1 से हराकर विश्व कप में अपनी जगह पक्की कर ली।

नई जर्सी में नजर आएंगे केकेआर के खिलाड़ी, दिखाई देगा गोल्डन पैच

आईपीएल : 29 मार्च को केकेआर का पहला मैच मुंबई इंडियंस के साथ

एजेंसी ▶▶| मुंबई

कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल 2026 से पहले अपनी नई जर्सी लॉन्च की। जारी की गई जर्सी में एक बार फिर से चमकदार सुनहरे पैच लौट आए हैं। कंधों और बाजू में ये पैच दिखेंगे। जर्सी का रंग बैंगनी ही रखा गया है। केकेआर आईपीएल इतिहास की तीसरी सबसे सफल टीम है। उसने तीन बार खिताब जीता। 2012 व 2014 में गौतम गंभीर और 2024 में श्रेयस अय्यर की कप्तानी में इस फ्रेंचाइज ने खिताब जीता। 2021 में उसे फाइनल में हार मिली थी।

18 मार्च से प्री सीजन कैंप

केकेआर आगामी सीजन से पहले 18 मार्च से कोलकाता में प्री सीजन ट्रेनिंग शुरू करेगी। एक दिन पहले से खिलाड़ी इसके लिए पहुंचना शुरू हो जाएंगे। सबसे पहले तेजस्वी सिंह, अंगकृष रघुवंशी, रमनदीप सिंह, प्रशांत सोलंकी और सार्थक रंजन जैसे अनकैप्ड खिलाड़ी कैंप का हिस्सा बनेंगे। रहाणे, रिंकू सिंह, वरुण चक्रवर्ती एक-दो दिन की देरी से केकेआर के कैंप में शामिल होंगे। केकेआर से पहले पांच बार की विजेता मुंबई इंडियंस, चेन्नई सुपर किंग्स ने भी नई जर्सी जारी की थी। साथ ही पंजाब किंग्स, सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ सुपर जायंट्स ने भी अपनी नई जर्सी लॉन्च की।

पूर्वोत्तर से खिताब हासिल करने वाले बने पहले खिलाड़ी

मयंक चक्रवर्ती ने रचा इतिहास बने भारत के 94वें ग्रैंडमास्टर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी मयंक चक्रवर्ती ने अपने उभरते करियर की आखिरी बाधा पार करते हुए अपना तीसरा और अंतिम ग्रैंडमास्टर नॉर्म हासिल कर लिया, जिससे वह भारत के 94वें ग्रैंडमास्टर बन गए। वह के पूर्वोत्तर से यह प्रतिष्ठित खिताब हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं।

असम के गुवाहाटी के रहने वाले 17 वर्षीय चक्रवर्ती 2024 में इंटरनेशनल मास्टर बने थे। उन्होंने 'होटल स्टॉकहोम नॉर्थ बाय फर्स्ट होटल्स चेस टैलेंट्स टूर्नामेंट' के आठवें दौर में एक दौर बाकी रहते ही यह उपलब्धि हासिल कर ली। उन्होंने इस दौर में स्वीडिश आईएम फिलिप लिंडग्रेन को हराया। लिंडग्रेन पर जीत के दौरान चक्रवर्ती अपने खेल के चरम पर थे। उन्होंने जरूरी 6.5 अंक जुटाए, जो उनका अंतिम ग्रैंडमास्टर नॉर्म पक्का करने के लिए काफी थे। आखिरी दौर में उन्होंने इंग्लिश इंटरनेशनल मास्टर जोना बी विलो के साथ एक रोमांचक ड्रॉ खेला और इस तरह अपने अब तक के सबसे यादगार प्रदर्शन पर मुहर लगा दी। इस प्रक्रिया में चक्रवर्ती ने 2500 ईएलको रेटिंग का अहम आंकड़ा भी पार कर लिया। उनकी मौजूदा रेटिंग इस सीमा से कुछ अंक ऊपर है, जिससे अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) के नियमों के अनुसार उनका ग्रैंडमास्टर खिताब पक्का हो गया है।

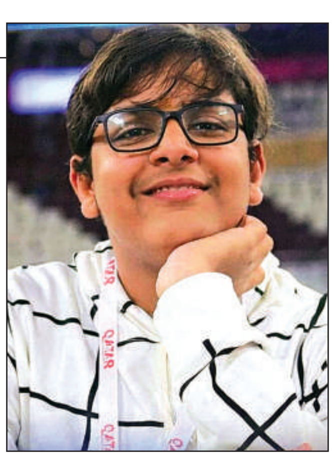

21 अंक वाली प्रणाली अच्छा काम कर रही

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता साइना नेहवाल ने बैडमिंटन विश्व महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) से स्कोरिंग में प्रस्तावित बदलाव पर सतर्कता बरतने का आग्रह किया है और उनका मानना है कि वर्तमान की 21 अंक की प्रणाली खेल की गति और दमखम बनाए रखती है। बैडमिंटन की विश्व में सर्वोच्च संस्था बीडब्ल्यूएफ ने वर्तमान तीन गेम वाली 21 अंक की प्रणाली को तीन गेम की 15 अंक वाली प्रणाली में बदलने का प्रस्ताव किया है। इस बदलाव पर सदस्य 25 अप्रैल को डेनमार्क के होर्सेंस में बीडब्ल्यूएफ की वार्षिक आम बैठक में मतदान करेंगे। साइना ने कहा, ' बैडमिंटन की परंपरा समृद्ध है तथा ऑल इंग्लैंड ओपन और बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप जैसे टूर्नामेंट में खिलाड़ियों की गति और सहनशक्ति की परीक्षा होती है।'

आईपीएल-2026

पीटरसन ने छोड़ा दिल्ली कैपिटल्स का साथ, मेंटॉर पद से दिया इस्तीफा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19वें सीजन की शुरुआत 28 मार्च से होगी, जिससे पहले इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन ने दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) फ्रेंचाइजी के मेंटॉर पद से इस्तीफा दे दिया है। 45 वर्षीय पीटरसन का कहना है कि वह इस भूमिका के लिए जरूरी समय नहीं दे पाएंगे। हालांकि, इस टूर्नामेंट में कमेंट्री बॉक्स में वापसी करेंगे।

दिल्ली कैपिटल्स ने पिछले साल फरवरी में पीटरसन को आईपीएल 2025 में इस भूमिका के लिए नियुक्त किया था। इस बीच पीटरसन ने सपोर्ट स्टाफ के साथ मिलकर काम किया, जिसमें क्रिकेट निदेशक वेणुगोपाल राव, हेड कोच हेमांग बदानी, असिस्टेंट कोच मैथ्यू मॉट और गेंदबाजी कोच मुनाफ पटेल शामिल थे।

इंग्लैंड के इस दिग्गज खिलाड़ी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर यह जानकारी साझा करते हुए कहा, मैं इस आईपीएल सीजन में दिल्ली कैपिटल्स का मेंटॉर नहीं रह पाऊंगा। मैं इस काम के लिए जरूरी समय नहीं दे सकता। इस सीजन के लिए सभी खिलाड़ियों को मेरी शुभकामनाएं। हालांकि, मैं कमेंट्री बॉक्स में आप सभी से फिर मिलूंगा। आईपीएल दुनिया की सबसे बेहतरीन लीग है। मैं जल्द ही आप सभी को देखने के लिए बेताब हूं।

केकेआर को झटका!, राणा हो सकते हैं बाहर

कोलकाता नाइट राइडर्स के तेज गेंदबाज हर्षित राणा आईपीएल 2026 के पूरे सीजन से बाहर हो सकते हैं। केकेआर के लिए ये बड़ा झटका है क्योंकि वे कोलकाता के लिए पिछले कुछ सीजन से बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं। हर्षित को टी20 वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया में जगह मिली थी लेकिन चोट के कारण वह टूर्नामेंट नहीं खेल पाए थे। हर्षित राणा की जगह टीम इंडिया में मोहम्मद सिराज को रिप्लेसमेंट के रूप में शामिल किया गया था। अब खबर सामने आ रही है कि युवा गेंदबाज आईपीएल के लिए फिट नहीं हो सकते हैं।

स्विस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती समाप्त

मन्नेपल्ली ने गिंटिंग को दी कड़ी चुनौती, लेकिन जीत से चूके

एजेंसी ▶▶| बासेल

भारत के थारुन मन्नेपल्ली के इंडोनेशिया के एंथोनी सिनिसुका गिंटिंग से तीन गेम तक चले क्वार्टर फाइनल के रोमांचक मुकाबले में हारने के साथ ही स्विस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की चुनौती भी समाप्त हो गई। विश्व रैंकिंग में 43वें स्थान पर काबिज भारतीय खिलाड़ी मन्नेपल्ली को 250,000 अमेरिकी डॉलर इनामी टूर्नामेंट में गिंटिंग से 19-21 21-19 13-21 से हार का सामना करना पड़ा।

गिंटिंग ने किया सेमीफाइनल में प्रवेश

चोट से उबरकर गिंटिंग ने की वापसी

गिंटिंग पिछले साल पीठ की समस्या से परेशान रहे थे और वह इस चोट से उबरकर वापसी कर रहे हैं। गिंटिंग ने शुरुआत में ही 6-2 की बढ़त बना ली, हालांकि मन्नेपल्ली ने वापसी करते हुए स्कोर 11-11 से बराबर कर दिया, लेकिन इंडोनेशियाई खिलाड़ी ने 16-12 की बढ़त बनाई और फिर चार गेम प्वाइंट हासिल किए। मन्नेपल्ली ने तीन गेम प्वाइंट बचाए लेकिन इंडोनेशिया का खिलाड़ी पहला गेम जीतने में सफल रहा।

मैच को निर्णायक गेम तक खींचा

दूसरे गेम में मन्नेपल्ली ने 6-6 की बराबरी से आगे निकलते हुए पहले 11-7 और फिर 19-13 की बढ़त हासिल कर ली। गिंटिंग ने इसके बाद शानदार वापसी की और लगातार छह अंक हासिल कर 19-19 से स्कोर बराबर कर लिया, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने अपना संयम बनाए रखा और मैच को निर्णायक गेम तक खींच दिया। तीसरे गेम में गिंटिंग ने मन्नेपल्ली को बहुत कम मौके दिए। उन्होंने शुरू से आखिर तक बढ़त बनाए रखी और मैच जीतकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

सृष्टि के रहस्य संग सत्य असत्य को दर्शाती 'अनंत ज्योति' नृत्य नाटिका

गांधी भवन में बैले नाट्य समारोह में बैले नृत्य संग कथक व भरतनाट्यम की प्रस्तुति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

आध्यात्मिक और दार्शनिक भावों से सराबोर नृत्य नाटिका 'अनंत ज्योति' जो जहां एक ओर सृष्टि के रहस्यों से पर्दा उठाती है तो वहीं समाज में व्याप्त सत्य-असत्य को भी बेहद ही उम्दा ढंग से उजागर करती है। गांधी भवन में जारी बैले नाट्य समारोह के अंतर्गत शनिवार की शाम जहां एक ओर सृष्टि के मूल प्रश्न श्रेष्ठता बनाम अहंकार को दर्शाती नृत्य नाटिका 'अनंत ज्योति' की प्रस्तुति खास रही तो वहीं दूसरी ओर मनीषा हुरैया द्वारा खैरागढ़ कथक शैली और सुमन कोठारी ने भरतनाट्यम सूत्र को आधार बनाकर मनभावन प्रस्तुति दी।

'भो शंभू' और 'कृष्णायन' की प्रस्तुति रही खास

प्रियंका शर्मा ने मीरा पर केंद्रित कृष्ण की अनन्य भक्ति को शास्त्रीय नृत्य शैली में भावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया, जिसमें कृष्ण के प्रति गोपियों की आसक्ति दर्शाई तो वहीं सुमन कोठारी ने भरतनाट्यम सूत्र को आधार बनाकर 'भो शंभू' की प्रस्तुति दी। वहीं मनीषा हुरैया ने 'कृष्णायन' के रूप में कथक नृत्य प्रस्तुति से दर्शकों का दिल जीत लिया।

अंततः विष्णु स्वीकार लेते हैं कि यह ज्योति अनंत है...

नृत्य नाटिका 'अनंत ज्योति' में आध्यात्मिक और दार्शनिक भावों से सराबोर रही। जिसमें दिखाया कि ब्रह्मा और विष्णु के बीच विवाद उत्पन्न होता है कि दोनों में श्रेष्ठ कौन है। जिससे देवताओं ने चिंता व्यक्त की उनका अहंकार ब्रह्मांडीय संतुलन को बिगाड़ सकता है। बढ़ते विवाद को शांत करने के लिए भगवान शिव एक अनंत प्रकाश स्तंभ के रूप में प्रकट होते हैं और चुनौती देते हैं कि जो इस ज्योति का आदि और अंत खोज लेगा। वहीं श्रेष्ठ माना जाएगा। इसके बाद विष्णु विनम्रता के साथ उस ज्योति की गहराइयों की ओर यात्रा करते हैं और अंततः स्वीकार कर लेते हैं कि यह ज्योति अनंत है। वहीं ब्रह्मा ऊंचाइयों की ओर जाते हैं, लेकिन असफल होने पर भी अपनी प्रतिष्ठा बचाने के लिए केतकी पुष्प को साक्षी बनाकर असत्य का सहारा लेते हैं।

अभिरंग-2026' में 'स्टेट हेरिटेज' थीम पर फैंसी ड्रेस तो 'शंखनाद' में मेहंदी रचे हाथों ने जीता दिल

वूमंस पॉलिटेक्निक में वार्षिकोत्सव 'अभिरंग-2026' एवं एसवी पॉलिटेक्निक में 'शंखनाद' का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

वूमंस पॉलिटेक्निक के वार्षिकोत्सव 'अभिरंग-2026' का समापन शनिवार को भव्य ढंग से हुआ। समापन संध्या पर जहां एक ओर विजेताओं को पुरस्कार वितरण किए गए तो वहीं बैंड परफार्मेंस ने स्टूडेंट्स का दिल जीत लिया। वहीं दूसरी ओर एसवी पॉलिटेक्निक में आयोजित वार्षिकोत्सव 'शंखनाद' में मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

पंजाबी, मणिपुरी, मिजोरमी और गुजराती अंदाज में सजी छात्राएं

'अभिरंग-2026' में मुख्य आकर्षण 'स्टेट हेरिटेज' थीम पर आधारित फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता रही, जिसमें छात्राओं ने विभिन्न राज्यों की संस्कृति को मंच पर उतारा। जिसमें किसी ने राजस्थानी, तो किसी मारवाड़ी, मराठी अंदाज में अपनी अदाओं का जलवा बिखेरा। प्रतियोगिता में पंजाबी, मणिपुरी, मिजोरमी और गुजराती अंदाज में सजी धजी छात्राओं ने भी टीचर्स की खूब तालियां बंटोरीं।

मारवाड़ी व अरेबियन स्टाइल मेहंदी रचे हाथ

एसवी पॉलिटेक्निक में आयोजित वार्षिकोत्सव 'शंखनाद-2026' में शनिवार को मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता को प्रदर्शित किया। प्रतिभागियों ने विशेष रूप से मारवाड़ी एवं अरेबियन मेहंदी स्टाइल में आकर्षक और सुसज्जित डिजाइन बनाकर अपनी कला का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

नंदन पैलेस में 'ग्रेस एंड गट्स गर्ल्स टैलेंट शो' एवं नाइन मसाला में घूमर कार्यक्रम

एक मंच पर चला फैशन का जलवा, दूसरे पर घूमर की रंगत, नजर आई संस्कृति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शहर में शनिवार को आयोजित दो अलग-अलग आयोजनों में महिलाओं की प्रतिभा और संस्कृति की खूबसूरत झलक देखने को मिली। एक ओर नंदन पैलेस के मंच पर फैशन शो के दौरान रैंप वॉक और स्टाइल का जलवा बिखरा, तो दूसरी ओर नाइन मसाला में राजस्थानी गीतों की धुन पर महिलाओं ने घूमर नृत्य की प्रस्तुति देकर माहौल संस्कृति से सराबोर कर दिया।

महिलाओं की प्रतिभा को मंच देने रेंज नारी वुमेन्स क्लब द्वारा 'ग्रेस एंड गट्स गर्ल्स टैलेंट शो' का आयोजन नंदन पैलेस में किया गया, जिसमें शहर की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लियाा। कार्यक्रम में सुपर जोड़ी प्रतियोगिता के साथ साथ रैंप वॉक, डांसिंग और सिंगिंग जैसी आकर्षक प्रस्तुतियों ने समा को मनभावन बना दिया। इस अवसर पर एक्सीलेंस टाइम एंटरटेनमेंट कंपनी के प्रबन्ध संचालक हरिओम जटिया उपस्थित हुए।

सुपर जोड़ी प्रतियोगिता रही खास

सुपर जोड़ी प्रतियोगिता में ननद-भाभी, देवरानी-जेठानी और सास-बहू की जोड़ी में महिलाओं रैंप पर अपनी अदाओं का जलवा बिखेरा तो वहीं नृत्य प्रतियोगिता में मां दुर्गा सहित कश्मीरी दुल्हन और राजस्थानी बींदड़ी के लुक ने दिल जीत लिया। साथ ही कार्यक्रम में फूड, ज्वेलरी सहित अनेकों आकर्षक स्टॉल लगाकर भी महिला उद्यमियों को बढ़ावा दिया। कार्यक्रम की आयोजक डिंपल पाराशर, कृति शर्मा और वंदना चंद सहित पूरी टीम का विशेष योगदान रहा।

एनएच 12 क्रिएटिव वूमंस ग्रुप ने किया 'घूमर' का आयोजन, 150 महिलाओं ने की शिरकत

राजस्थानी गीतों पर सजी 'घूमर' की शाम, घूमर-घूमर पर खूब थिरके कदम....

चूड़ी मजा ना देगी..., थारे वास्ते रे म्हारे ....., रंगीलो मारो ढोलना....., घूमर-घूमर रे....., माही मेरा माही....., मोरनी बागा मा बोले...., धीमे-धीमे गाऊं.... जैसे राजस्थानी गीतों की धुन पर जब महिलाओं ने घूमर नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी, तो पूरा माहौल राजस्थान की सोंधी संस्कृति से सराबोर हो उठा। शनिवार की शाम 9 मसाला रेस्टोरेंट में इस खास कार्यक्रम का आयोजन एनएच 12 क्रिएटिव वूमंस ने किया, जिसमें करीब 150 महिलाओं ने शिरकत की। राजस्थानी लोकगीतों की मधुर धुनों के साथ सजी यह संध्या दर्शकों के लिए बेहद आकर्षक रही, जिसमें सर्वश्रेष्ठ नृत्य के लिए प्रतिभागियों को घूमर क्वीन, आइकॉनिक पद्मावत, रॉयल बाइसा से नवाजा गया।

ताल और लय के साथ घूमर के गोल घेरे बने आकर्षण का केंद्र

राजस्थानी पोशाक, घाघरा-ओढ़नी और पारंपरिक आभूषणों से सजी महिलाओं ने जब ताल और लय के साथ घूमर के गोल घेरे बनाए, तो पूरा वातावरण मानो राजस्थान की सांस्कृतिक खुशबू से महक उठा। नृत्य की मनमोहक अदाओं और सामूहिक प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

स्मार्ट सिंचाई प्रणाली, स्वचलित अग्निशमन प्रणाली के रूप में नवाचार-कौशल

एसजीएसयू में आयोजित 'नवोन्मेष 2026' में आठ प्रतियोगिताओं का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी (एसजीएसयू) में नवोन्मेष 2026 में शनिवार को विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी आठ प्रतियोगिताएं देखने को मिलीं। पहली प्रतियोगिता 'इनोमेकर- प्रोडक्ट हैकाथॉन' रही, इसमें एसआईआरटी के शांतनु कुशवाहा और प्रियांजली ने स्मार्ट सिंचाई प्रणाली प्रस्तुत की, जो सौर ऊर्जा की सहायता से मिट्टी का परीक्षण कर पानी के स्तर को मापती है और फसलों के लिए पानी की मात्रा निर्धारित करती है तो वहीं राहुल गुप्ता और उनकी टीम ने स्वचलित अग्निशमन प्रणाली विकसित की, जो विशेष रूप से चार पहिया वाहनों के लिए बनाई गई है। यह प्रणाली वाहन में हल्का धुआं उत्पन्न होने पर अलार्म बजाती है और संकेतक लाइट के माध्यम से आग लगने की संभावना की सूचना देता है।

स्वतः ही बंद कर देता है बिजली की आपूर्ति

लोकेश पटेल और उनकी टीम ने एक ऐसा प्रोटोटाइप प्रस्तुत किया, जिसमें यदि कोई विद्युत तार टूटकर पानी के संपर्क में आता है तो यह उपकरण स्वतः ही बिजली की आपूर्ति बंद कर देता है। यह उपकरण विशेष रूप से कृषि क्षेत्रों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। इसके अलावा इस प्रतियोगिता में सौर उपकरण, ड्रोन तकनीक, बहु-आपदा चेतावनी एवं निगरानी प्रणाली, धातु काटने की मशीन, स्वचालित नदी एवं झील सफाई यंत्र, इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए वायरलेस चार्जिंग केंद्र, माइक्रो इन्वर्टर युक्त स्मार्ट सौर ऊर्जा प्रणाली, संवाद एप्लीकेशन और स्वास्थ्य निगरानी एप्लीकेशन जैसे कई नवाचारी मॉडल भी प्रस्तुत किए गए। कुल 15 से अधिक परियोजनाएं विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत की गईं।

आलोक दुष्यंत के काव्य संग्रह 'समतल कोई जमीन नहीं' का भव्य लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

वरिष्ठ कवि आलोक दुष्यंत के नवीन काव्य संग्रह 'समतल कोई जमीन नहीं' का भव्य लोकार्पण शनिवार शाम पलाश रेसिडेंसी में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. विजय बहादुर सिंह ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिष्ठित साहित्यकार इकबाल मसूद उपस्थित रहे। कार्यक्रम में वक्ता-द्वय के रूप में पंकज सुबीर तथा डॉ. आजम ने काव्य संग्रह पर अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर प्रसिद्ध गजल गायिका विदुषी भारती विश्वनाथन की प्रस्तुति ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। साथ ही स्मिता गोयंदे द्वारा सितार और गजल की संगीतमय प्रस्तुति ने समा को मनभावन बनाया।

दुष्यंत संग्रहालय में होली के पर्व पर लोकगीत और नृत्य प्रतियोगिताओं का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र शासकीय कर्मचारी एकता रंगमंच द्वारा शनिवार की शाम दुष्यंत संग्रहालय में होली पर्व पर लोकगीत संग नृत्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें 12 ग्रुप ने भाग लिया। संस्था के अध्यक्ष सुमित द्विवेदी ने कहा कि होली एवं रंग पंचमी के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में प्रथम पुरस्कार उमा रावत एकता म्यूजिकल ग्रुप को और द्वितीय नीता खरे को मिला।

वरिष्ठ पत्रकार दीप्ति चौरसिया भुवन भूषण देवलिया पत्रकारिता सम्मान से सम्मानित

पत्रकारिता में ग्लैमर को प्राथमिकता मिली तो सच जरूर दब जाएगा: जयंती रंगनाथन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

महिला पत्रकारों को पत्रकारिता के क्षेत्र में आने वाली चुनौतियों का सामना कड़ी मेहनत और लगन काम करना चाहिए। पत्रकारिता को कभी भी ग्लैमर के नज़रिए से नहीं देखा जाना चाहिए। क्योंकि, अगर पत्रकारिता में ग्लैमर को ज़्यादा अहमियत दी गई, तो इस बात की पूरी आशंका है कि सच कहीं दब जाएगा। यह बात देश की जानी मानी वरिष्ठ पत्रकार जयंती रंगनाथन ने शनिवार को माधवराव सप्रे संग्रहालय एवं शोध संस्थान के सभाकक्ष में 15वीं वार्षिक 'भुवन भूषण देवलिया व्याख्यानमाला' में बतौर मुख्य वक्ता के तौर पर बोलते हुए कही। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार दीप्ति चौरसिया को राज्य स्तरीय भुवन भूषण देवलिया पत्रकारिता सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पत्रकार लेखक और स्व. देवलिया के शिष्य उपस्थित थे। सागर, विदिशा से भी अनेक प्रतिनिधि शामिल हुए।

महिलाओं ने संघर्षों के बीच सफलता हासिल की: डॉ. मंगला

माधवराव सप्रे समाचार पत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थान की शोध निदेशक डॉ. मंगला अनुजा ने कहा, भारत में महिला पत्रकारिता का पहला उदाहरण 1835 में देखने को मिला था। इस तरह, पत्रकारिता के क्षेत्र में भारत की महिलाएं अपने वैश्विक समकक्षों से बहुत पीछे नहीं हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को न केवल संघर्षों का सामना करना पड़ा, बल्कि उन्होंने सफलता भी हासिल की।

ग्लैमर के कारण मिशन की भावना कम हुई: डॉ. साधना

मप्र निराला सृजन पीठ की निदेशक डॉ. साधना बलवाटे ने कहा, पत्रकारिता के क्षेत्र में 'ग्लैमर' के कारण 'मिशन' की भावना कम हो गई है। हालांकि, इस क्षेत्र में आने वाली स्वाभाविक चुनौतियां शायद कम हो गई हैं, लेकिन पत्रकारिता के क्षेत्र में महिलाओं का प्रतिनिधित्व अभी भी बहुत कम है। खास बात यह है कि संपादकीय पदों पर महिलाओं की नियुक्ति नहीं की जा रही है। उन्होंने कहा, पत्रकारिता और साहित्य एक-दूसरे के पूरक विषय हैं। हालांकि, पत्रकारिता के भीतर साहित्यिक तत्व काफी कम हो गया है। इन दोनों के बीच एक सामंजस्यपूर्ण संतुलन ज़रूरी है, साथ ही पत्रकारिता की भाषा की स्पष्टता और सुंदरता को बनाए रखने पर भी ज़ोर दिया जाना चाहिए।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक अचिंत महेश्वरी द्वारा प्लॉट नं.160 न्यू एच-सेक्टर इंडस्ट्रियल एस्टेट, गोविंदपुरा, भोपाल (म.प्र.) 462023 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्पलैक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। स्थानीय संपादकः प्रमोद भारद्वाज। RNI No. MPHIN/2014/55906, फोन 0755-4049930